जबलपुर
रविवार, 16 फरवरी 2025
- माघ मास कृष्ण पक्ष -2
- वर्ष : 19, अंक : 283
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 30
न्यून. 16

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ में कमल का कमाल...कांग्रेस बेहाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। राज्य के कुल 10 नगर निगम, 49 नगरपालिका और 113 नगर पंचायतों पर 11 जनवरी को चुनाव हुए थे। भाजपा ने सभी 10 नगर निगम में जीत दर्ज की है। यहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। वही, राज्य की 49 नगर पालिकाओं में से भाजपा के खाते में 35 गई हैं। कांग्रेस ने 8 पर जीतीं। आम आदमी पार्टी ने बिलासपुर की बोधरी नगर पालिका में जीत दर्ज की। निकाय चुनाव में आप की यह पहली जीत है।

- प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं का सूक्ष्म अध्ययन कर स्थानीय से वैश्विक स्तर तक निवेश आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई
- इसका प्रभाव अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक मंचों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने 'हरिभूमि' से कहा

निवेशक, उद्योगपति और नीति निर्माता प्रदेश की अपार संभावनाओं में बनेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल आगामी 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की तैयारियों में जुटा हुआ है। यह समिट न केवल विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगी, बल्कि भोपाल के वैश्विक पहचान को भी सुदृढ़ करेगी। यह मध्यप्रदेश में मौजूद निवेश के माहौल और औद्योगिक ढांचे को दिखाएगी, जो साझेदारी के लिए असीमित अवसर प्रदान करेगी। यह मंच ग्लोबल लीडर्स, उद्योगपतियों और एक्सपर्ट्स को उभरते बाजार पर अपने विचार साझा करने और मप्र की निवेश क्षमता का फायदा उठाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर देगा। यह बात राजधानी के व्यापारियों की शीर्ष संस्था भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने 'हरिभूमि' से चर्चा करते हुए कही।

मध्यप्रदेश एक आदर्श औद्योगिक स्थान

उन्होंने कहा कि भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इस दिशा में एक और बड़ा कदम है, जहां दुनिया भर के निवेशक, उद्योगपति और नीति निर्माता मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं का हिस्सा बनेंगे। यह सतत यात्रा न केवल प्रदेश की औद्योगिक सशक्तिकरण को दर्शाती है, बल्कि इसे देश के अग्रणी औद्योगिक केंद्रों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को भी सिद्ध करती है। इससे मध्यप्रदेश एक आदर्श औद्योगिक स्थान के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं का सूक्ष्म अध्ययन कर स्थानीय से वैश्विक स्तर तक निवेश आकर्षित करने की रणनीति अपनाई गई, जिसका प्रभाव अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक मंचों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

निवेशकों का सकारात्मक रूझान

पाली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इन प्रयासों से प्रदेश में निवेश का नया माहौल बना है और वैश्विक उद्योग जगत ने मध्यप्रदेश को अपनी विस्तार योजनाओं में प्राथमिकता मिल रही है। बीते एक साल में मध्यप्रदेश सरकार 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर चुकी है जिससे विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती मिली है प्रदेश को औद्योगिक क्षमताओं के रूप में व्यापक मंच मिला है। मौजूदा समय में सरकार निवेशकों को व्यापारिक सुगमता, नीतिगत स्थिरता और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना की जानकारी दे रही है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना को लेकर निवेशकों का सकारात्मक रूझान देखने को मिल रहा है।

इंपैक्ट फीचर

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

घोड़ी पर बैठे दूल्हे को आया अटैक, मौत

श्योपुर। यहां शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। जाट छात्रावास में ग्राम सूंसवाडा

निवासी जगदीश सिंह जाट के बेटे एडवोकेट प्रदीप जाट की शादी की तैयारियां चल रही थीं। दुल्हन पक्ष के लोग गेट पर बारात का स्वागत करने की तैयारी में थे, दरवाजे पर पहुंचे दूल्हा प्रदीप तोरण मार रहे थे,तभी अचानक दूल्हे को अटैक आ गया और मौत हो गई।

भोजन के बाद छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

सेंधवा। कन्या छात्रावास में रहने वाली 10 छात्राओं को पेट दर्द की शिकायत पर सिविल अस्पताल में

भर्ती कराया गया है। छात्राओं को शुक्रवार रात को खाने में सब्जी, रोटी और चावल दिए गए थे। भोजन के बाद ही दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें तत्काल चाचरिया शासकीय अस्पताल में लाया गया था। अब सेहत में सुधार है।

महाकुंभ जा रहे 10 लोगों की हादसे में मौत

रायपुर। महाकुंभ में स्नान करने प्रयागराज जा रहे छत्तीसगढ़ कोरबा के 10 लोगों की सड़क

हादसे में मौत हो गई है। घटना 15 फरवरी की आधी रात करीब एक बजे ग्राम मानपुर थाना मेजा (उप्र) की है। जानकारी के अनुसार बोलेरो (सीजी 11 बी 4202) मानपुर के पास बस (एमपी 07 एफ ए 8888) से जा टकराई जिससे 10 लोगों की मौत हो गई।

राज्य सरकार ने शनिवार को वर्ष 2025-26 के लिए नई आबकारी नीति जारी कर दी

एक अप्रैल से शराब हो जाएगी 'मंहगी' 19 धार्मिक जगह पर शराब बिक्री बैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

धार्मिक शहरों, पंचायतों में शराब बंदी से सरकार को करीब 485 करोड़ रुपए का नुकसान

राज्य सरकार ने शनिवार को वर्ष 2025-26 नई आबकारी नीति जारी कर दी। इसके तहत 19 धार्मिक शहरों, ग्रामों पंचायतों को छोड़कर बाकी सभी 55 जिलों में पॉलिसी लागू होगी। धार्मिक शहरों, पंचायतों में शराब बंदी से सरकार को करीब 485 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। सरकार इसकी भरपाई नई पॉलिसी में दुकानों के आवंटन में 20 फीसदी राशि की बढ़ोतरी से समायोजित करेगी। यानी, नए वर्ष में शराब मंहगी हो जाएगी। इस पॉलिसी की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि जो दुकानें बंद होंगी, उसके बदले में नई दुकानें नहीं खोली जाएंगी। निष्पादन की प्रक्रिया नवीनीकरण, ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन के जरिए होगा। इसमें कई तरह के अन्य प्रावधान भी किए गए हैं। सरकार की मंशा अनुरूप मप्र के 19 धार्मिक शहरों, ग्राम पंचायतों में अब शराब नहीं बिकेगी। इनमें नगर निगम उज्जैन, 6 नगर पालिकाओं मैहर, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई और मंदसौर शामिल हैं।

शराब दुकानों का लाइसेंस देने के लिए प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी

- सरकार नुकसान की भरपाई दुकानों के आवंटन में 20 फीसदी राशि की बढ़ोतरी से समायोजित करेगी
- जो दुकानें बंद होंगी, उसके बदले में नई दुकानें नहीं खोली जाएंगी

दुकान पर शराब सेवन की अनुमति नहीं होगी

नई पॉलिसी के अनुसार वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा के विक्रय की अनुमति दी जाएगी। प्रदेश भर में किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरा सेवन की अनुमति नहीं होगी। शराब दुकानों का लाइसेंस देने के लिए प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। आबकारी दुकानों के निष्पादन के लिए आबकारी आयुक्त दिशा निर्देश जारी करेंगे।

फाइल फोटो

तो मादक पदार्थों के लाइसेंस के लिए अयोग्य होंगे

आबकारी विभाग ने तय किया है कि ऐसे आवेदक जो सोल प्रोपराइटर, लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप, पार्टनर फर्म, कंपनी अथवा कंसोर्टियम हैं वे मादक पदार्थों के लाइसेंस के लिए अयोग्य होंगे। आबकारी विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए 25 डिग्री अंडरप्रूफ देशी मदिरा मसाला, 50 डिग्री अंडरप्रूफ तेजी की देशी मदिरा प्लेन 60 डिग्री की देशी मदिरा की ड्यूटी 385 रुपए प्रति प्रूफ लीटर होगी। ड्यूटी की गणना के लिए अलग-अलग स्लैब जारी किया गया है। इसमें 12 तरह की श्रेणियां दी गई हैं। सरकार ने यह भी तय किया है कि न्यूनतम एवं अधिकतम विक्रय दरों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। फुटकर बिक्री की दुकानों का लाइसेंस न्यूनतम फुटकर विक्रय मूल्य (एमएसपी) एवं अधिकतम फुटकर विक्रय मूल्य (एमआरपी) अथवा उसके बीच की कोई राशि, विक्रय दर के रूप में उपभोक्ता से वसूल कर सकेगा।

नवीनीकरण के लिए 25 फीसदी राशि 10 दिन में भरनी होगी

नए वित्तीय वर्ष में शराब मंहगी हो जाएगी। चूंकि राज्य सरकार ने शनिवार को जारी वर्ष 2025-26 की नई आबकारी पॉलिसी में पूर्व की तरह इस वर्ष भी दुकानों के आरक्षित मूल्य में 20 फीसदी की बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में शराब से सरकार को करीब 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिल रहा है। शराब मंहगी होने के बाद यह करीब 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक होगा। हालांकि, इसी में से 485 करोड़ रुपए के राजस्व की भरपाई भी की जाएगी। शराब दुकानों के लिए तय किया गया है कि लाइसेंसी की ओर से नवीनीकरण के लिए 25 फीसदी राशि 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। जबकि 75 फीसदी की प्रतिभूति राशि ई-चालान अथवा ई-बैंक गारंटी के रूप में 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाएगी।

ईओडब्ल्यू के छापे में बड़ा खुलासा

दैनिक वेतनभोगी निकला प्राइवेट बैंक-ट्रैवल्स कंपनी का 'मालिक'

आरोपी शिव झरिया

- 3 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी मिली
- दिहाड़ी कर्मी 37 लाख रुपए के गबन में जमानत पर है

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडला

जिले के नगर परिषद बिछिया का दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शिव झरिया 3 करोड़ 10 लाख की संपत्ति का मालिक निकला।

जबलपुर की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार सुबह 6 बजे झरिया के घर और ऑफिस में छापा मारा था।

बिछिया नगर परिषद में गबन में शामिल है झरिया

झरिया पूर्व में मंडला जिले के मोहगांव जनपद (मनरेगा) में कैशियर था। वहां आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के बीच उसे नौकरी छोड़नी पड़ी। इसके बाद वह बिछिया नगर परिषद में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा है। यहां शिकायत के बाद जिला स्तरीय जांच टीम ने परिषद के दो वित्तीय वर्षों के लेखा-जोखा की जांच की थी। जांच में करीब 37 लाख रुपयों का गबन सामने आया था, जिसकी बिछिया थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

सिंगरौली में सड़क हादसे के बाद हालात सामान्य

मृतकों के परिजनों को 8-8 लाख रुपए के साथ नौकरी भी मिलेगी

- कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक से गई थी दो लोगों की जान
- गुस्साए लोगों ने वाहन जला दिए थे, टीआई घायल हो गए थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगरौली

सिंगरौली में शुक्रवार शाम हुए सड़क हादसे के बाद शनिवार को स्थिति सामान्य हो गई। दोनों मृतकों का पोस्टमॉर्टम 20 घंटे बाद वैढ़न के ट्रॉमा सेंटर में किया गया।

एडिशनल कलेक्टर पीके सेनगुप्ता ने बताया कि मृतकों के परिवारों को कंपनी की तरफ से प्रति परिवार एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। साथ ही कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी की ओर से 4 लाख रुपए और कर्मकार मंडल योजना के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के अनुसार घटनास्थल से जले हुए वाहनों को हटा दिया गया है और यातायात सामान्य कर दिया गया है। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात है। हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रक ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश के लिए टीम बनाई गई है। अडाणी पावर के पीआरओ शैलेंद्र कांत ने बताया कि कंपनी मृतक परिवारों के प्रति संवेदनशील है। जले हुए वाहन आउटसोर्स कंपनियों के थे, इसलिए नुकसान का सटीक आकलन नहीं किया जा सकता है।

रैना को 10 मार्च तक का दिया वक्त

मोबाइल बंद करके गायब हो गया इलाहाबादिया... पुलिस तलाश में

एजेंसी ⏭ मुंबई

मुंबई और असम पुलिस की टीमें पहुंची थी घर

कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में रणवीर इलाहाबादिया ने परिवार और माता-पिता को लेकर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणियां कीं। इस मामले में उनके ऊपर एफआईआर दर्ज है। शुक्रवार को मुंबई और असम पुलिस की टीमें रणवीर के वर्सोवा स्थित फ्लैट पर जांच के लिए पहुंची, लेकिन फ्लैट बंद मिला। रणवीर का मोबाइल भी बंद है। समय रैना के बयान भी दर्ज होने हैं। पुलिस ने उन्हें पेशी के लिए 10 मार्च तक का वक्त दिया है। रैना ने जानकारी दी कि उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल से सारे वीडियो हटा लिए हैं।

सौरभ केस में नेता प्रतिपक्ष सिंघार का बड़ा आरोप

तब के परिवहन मंत्री के दफ्तर में होती थी डीलिंग एक केंद्रीय मंत्री को जाते थे हर माह 2 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

परिवहन विभाग में घोटालों और सौरभ शर्मा को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि विभाग में तत्कालीन मंत्री, अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से हर साल 1500 करोड़ रुपए की अवैध वसूली होती रही है। राजपूत के कार्यालय में सारी डीलिंग होती थी।

अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से हर साल 1500 करोड़ रुपए की अवैध वसूली होती थी

मंत्री गोविंद बोले- सारे आरोप पूर्णतः झूठे, यह राजनीति से प्रेरित

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सिंघार द्वारा लगाए आरोपों को पूर्णतः झूठा करार देते हुए कहा कि उमंग सिंघार ने जिन लोगों के साथ मेरा नाम जोड़ा है वह राजनीति से प्रेरित है। उनसे मेरा कोई संबंध नहीं है। किसी की क्या संपत्ति है? उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

ग्राहकों के पैसे डूबे, ब्रांच में लंबी कतारें

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में122करोड़ का हुआ घोटाला

एजेंसी ⏭ मुंबई

बैंक की 73 ब्रांच में ताला पूर्व जीएम मेहता ने कर डाला गबन

आरबीआई ने अनियमितताओं के चलते 6 महीने का लगाया है बैन

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर हितेश प्रवीणचंद मेहता पर 122 करोड़ रुपए के गबन का आरोप है। दादर पुलिस ने चीफ अकाउंट्स ऑफिसर की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर वित्तीय गड़बड़ियों समेत कई मामलों को लकर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। पुलिस के मुताबिक यह घोटाला 2020 से 2025 के बीच हुआ। घोटाला दादर और गोरेगांव ब्रांच से हुआ है।

हितेश प्रवीणचंद मेहता जब दादर और गोरेगांव ब्रांच के जनरल मैनेजर थे, तब दोनों ब्रांचों में खातों में हेरफेर करके 122 करोड़ रुपए का गबन किया गया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में बैंक के बुक्स ऑफ अकाउंट का विवरण लिया है, जिसका फोरेंसिक ऑडिट कराया जाएगा। जांच के दौरान यह पता चलेगा कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए किन तरीकों का इस्तेमाल किया गया ।

5 फरवरी को आया था पहला विमान, इसमें अवैध प्रवासी भारतीयों को जंजीरों से बांधा गया था

अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर फिर एक अमेरिकी विमान अमृतसर उतरा, तीसरा विमान कल आएगा, इनमें सबसे ज्यादा पंजाब के लोग

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

अमेरिका (यूएस) में अवैध तरीके से गए भारतीयों को पकड़कर डिपोर्ट किया जा रहा है। ऐसे में डिपोर्ट किए गए भारतीयों लेकर एक नहीं बल्कि दो अमेरिकी विमान आ रहे हैं। एक अमेरिकन आर्मी का विमान शनिवार की रात 10 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, वहीं दूसरा विमान रविवार (16 फरवरी) को पहुंचेगा। इन दोनों विमानों में सबसे ज्यादा लोग पंजाब के हैं।

पंजाब का युवा आखिर अपना राज्य छोड़कर विदेश क्यों जा रहा है?

लैंड हुए विमान में 119 लोग थे। अमृतसर में अमेरिकी विमान की लैंडिंग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई थी।

पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष फतेहजंग सिंह बाजवा ने कहा कि आप सरकार ने उन लोगों (एजेंटों) के खिलाफ क्या कार्रवाई की, जो इन युवाओं को अवैध रूप से विदेश भेज रहे हैं

फाइल फोटो

शनिवार की फ्लाइट में 67 पंजाब के लोग

शनिवार को उतरी फ्लाइट में सबसे ज्यादा 67 लोग पंजाब के हैं। इनमें सबसे ज्यादा गुरदासपुर के 11, कपूरथला के 10, होशियारपुर के 10 और अमृतसर के 7 लोग हैं। उधर, दूसरी फ्लाइट में 33 लोग हरियाणा, 30 पंजाब, 8 गुजरात, 3 उत्तर प्रदेश, 2 गोवा, 2 -2 महाराष्ट्र और राजस्थान और इसके अलावा, एक शख्स हिमाचल और एक ही व्यक्ति जम्मू और कश्मीर से होगा। पंजाब के गुरदासपुर के 6, जालंधर और अमृतसर के 4-4 लोग हैं।

कांग्रेस ने पूछा

गुजरात में क्यों नहीं उतारा विमान?

मान के अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों को अमृतसर ले जाने वाले विमानों के बारे में दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पिछली बार आए अधिकतर निर्वासित लोग गुजराती थे। हम यह जरूर पूछेंगे कि विमान अमृतसर में क्यों उतरा, गुजरात में क्यों नहीं।

यूएन के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील का बड़ा बयान

कुछ देश सिर्फ बातें करते हैं, भारत काम करके दिखाता है, भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति, मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए कामों की तारीफ की और कहा कि भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महाशक्ति है। उन्होंने भारत से पूरी अर्थव्यवस्था को करने वाली एक महत्वकांक्षी जलवायु योजना बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को मजबूती से अपनाने से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आए साइमन स्टील ने स्टील ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कुछ सरकारें केवल बातें करती हैं, वहीं भारत काम करता है। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है। 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है। ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है और देशभर के गांवों में 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी, जो तय समय से काफी पहले है।

100 गीगावाट से अधिक सौर उर्जा उत्पादन कर रहे चार देशों में भारत शामिल

भारत के सभी गांवों में लक्ष्य से काफी पहले 2018 तक बिजली पहुंच जाएगी

भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा

उन्होंने कहा कि अब भारत के लिए अगला कदम उठाने और भारत के 140 करोड़ लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े फायदे प्राप्त करने का एक वास्तविक अवसर है। भारत पहले से ही इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा को और भी मजबूती से अपनाने की जरूरत है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भारत से अपनी संपूर्ण अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी जलवायु योजना विकसित करने का आग्रह किया है।

जलवायु योजनाएं देने की अपील

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने कहा कि भारत के नेताओं के पास समग्र अर्थव्यवस्था औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का एक दुर्लभ अवसर है, जो तेजी से विकासशील दक्षिण एशियाई राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति बना देगा। भारत महत्वाकांक्षी जलवायु योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत सहित कई देशों द्वारा 10 फरवरी की समय-सीमा चूक जाने के बाद, स्टील ने इस महीने की शुरुआत में उनसे सितंबर तक अपनी योजनाएं प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

नवीकरणीय ऊर्जा में बड़ा अवसर

स्टील ने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के पास एक ऐसा अवसर है जो केवल कुछ ही देशों के पास है। यह है 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट को तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करना' हरित औद्योगिकीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करना।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में भारत शामिल

बता दें, भारत 3 अक्टूबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय उर्जा दक्षता हब में शामिल हो चुका है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसकी मंजूरी दी थी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब, ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में उनकी प्रभावशीलता को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए 16 देशों का एक स्वैच्छिक सहयोग है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल होने का भारत का निर्णय उन तकनीकों और उत्पादों को विकसित करके भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को कम करने के सरकार के प्रयास का हिस्सा है जो ऊर्जा कुशल हैं और कम ऊर्जा की खपत करते हैं। इस निर्णय से भारत को ऊर्जा दक्षता को तैनात करने में विशेषज्ञों और संसाधनों के विशाल नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत को कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था बनने और ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को बढ़ावा देकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास में मदद मिलेगी। भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब के लिए भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) को नामित किया है।

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 638 बिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन

डॉलर बढ़कर 638 बिलियन डॉलर हो गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पहले, 31 जनवरी तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 630.6 बिलियन डॉलर था। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले साल सितंबर में 704.88 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था। 7 फरवरी को समाप्त सप्ताह में, सोने का भंडार भी 1.3 बिलियन डॉलर बढ़कर 72.2 बिलियन डॉलर हो गया।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में होगा नीता का उदबोधन

वॉशिंगटन। नीता अंबानी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत की सांस्कृतिक

विरासत, आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव पर अपने विचार रखेंगी। 15-16 फरवरी को अमेरिका में होने वाला यह आयोजन भारत की वैश्विक यात्रा और उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा। जहां रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी प्रतिष्ठित 'एनुअल इंडिया कॉन्फ्रेंस' में मुख्य भाषण देंगी। जिसमें 1,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

म्यूनिख में स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए बोले विदेश मंत्री एस. जयशंकर

मैं लोकतंत्र को लेकर बेहद आशावान, भारत में करीब दो तिहाई मतदाताओं ने अपना वोट डाला

एजेंसी ▶▶ म्यूनिख

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2025 की एक बैठक में शामिल हुए। बैठक में विदेश मंत्री ने भारत और दुनिया में लोकतंत्र की अहमियत पर बात की और कहा कि लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2025 में लोकतंत्र विषय पर आयोजित एक बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने विदेश मंत्री ने 'लिव टू वोट अनदर डेः फोर्टिफाइंग डेमोक्रेटिक रेजीलियंस' पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया जिसमें नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोर, अमेरिकी मिशिगन की सीनेटर एलिसा स्लोटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रजास्कोवस्की बतौर पैनलिस्ट शामिल हुए। बैठक में कुछ पैनलिस्ट ने कहा कि दुनिया में लोकतंत्र का भविष्य खतरे में है।

हालांकि एस. जयशंकर ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि 'मैं लोकतंत्र को लेकर आशावान हूं। मैं अभी अपने राज्य के चुनाव में हिस्सा लेकर आया हूं। बीते साल हमारे देश में राष्ट्रीय चुनाव हुए और कुल मतदाताओं में से करीब दो तिहाई ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने मतदान के दौरान अपनी अंगुली पर लगी स्याही दिखाई। डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि चुनाव के नतीजों को लेकर कोई मतभेद नहीं है और मतदान शुरू होने के बाद से अब 20 फीसदी अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

खास बातें
- भारतीय समाज में लोकतंत्र की जड़ें कई देशों से अधिक गहरी
- भारत में चुनाव के नतीजों को लेकर कोई मतभेद नहीं

लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया

जयशंकर ने कहा कि जो कहा जा रहा है कि दुनियाभर में लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन मेरा ऐसा मानना नहीं है। लोकतंत्र अच्छे से काम कर रहा है और लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने माना कि लोकतंत्र के लिए चुनौतियां भी हैं और अलग-अलग देशों में हालात अलग हैं, लेकिन कई देशों में लोकतंत्र अच्छे से काम कर रहा है। जयशंकर ने भारत को एक ऐसे लोकतंत्र के रूप में रेखांकित किया जो धरातल में दिखाई देता है।

भारत ने आजादी के बाद लोकतंत्र अपनाया

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने आजादी के बाद ही लोकतंत्र के मॉडल को अपनाया। पश्चिम के देश मानते हैं कि लोकतंत्र उनकी देन हैं, लेकिन वैश्विक दक्षिण के देश मानते हैं कि भारतीय समाज में लोकतंत्र अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा गहरे तक बैठा हुआ है।

यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, युद्ध के समाधान पर की चर्चा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन से इतर शुक्रवार को यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से मुलाकात की और रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर चर्चा की। यूक्रेन संघर्ष के समाधान की दिशा में चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने की बात भी कही। डॉ. जयशंकर ने जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस से भी शुक्रवार को मुलाकात की और बैठक के दौरान द्विपक्षीय सहयोग एवं यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने सम्मेलन में बवेरिया के राष्ट्रपति और मंत्री मार्कस सोडर से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच अर्थव्यवस्था तथा प्रौद्योगिकी में सहयोग पर चर्चा की। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्थिति के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया।

कई विदेश मंत्रियों से मिले जयशंकर

शनिवार को विदेश मंत्री जयशंकर ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने मंगोलिया की

विदेश मंत्री बत्सेत्सेग बत्मुन्ख से मुलाकात कर संस्कृति, व्यवसाय, विकास साझेदारी और प्रौद्योगिकी में भागीदारी को गहरा करने की बात कही। उन्होंने आपसी सहयोग की निरंतर प्रगति की सराहना की। वहीं, रोमानिया और ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री से व्यापार,

जयशंकर ने सम्मेलन में एक अन्य कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने 'कमिंग ऑफ एजः इवेल्यूटिंग इंडियाज राइजिंग सिक्युरिटी चैलेंजेस' विषय पर अंतरराष्ट्रीय हालात, वैश्विक जुड़ाव, क्षेत्रीय रणनीति और प्रमुख द्विपक्षीय साझेदारियों पर भारत के विचार साझा किए।

मनोज सिन्हा ने की कड़ी कार्रवाई

आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में तीन कर्मचारी बर्खास्त

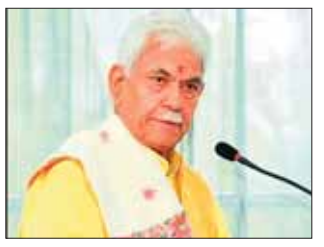

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और वन विभाग का कर्मचारी शामिल हैं। उपराज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत इन कर्मचारियों को बर्खास्त किया क्योंकि जांच में यह पाया गया कि इनके आतंकवादी संगठनों से संबंध थे। यह कार्रवाई उपराज्यपाल द्वारा सुरक्षा समीक्षा बैठक के अगले दिन की गई जिसमें उन्होंने आतंकियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ अभियान का निर्देश दिया था। तीनों कर्मचारी वर्तमान में जेल में हैं। वे अलग-अलग आतंकी मामलों में सजा काट रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने देशद्रोही करार दिया

तीनों में से एक कर्मचारी की पहचान फिरदौस अहमद भट के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस का कांस्टेबल है। वह सर्विस के दौरान आतंकवादी संगठन लश्कर के लिए काम करता था। अन्य दो कर्मचारियों की पहचान एक टीचर और एक वन विभाग के कर्मचारी के रूप में हुई है। उपराज्यपाल ने यह भी कहा था कि आतंकवाद का समर्थन और फंडिंग करने वालों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद के हर अपराधी और समर्थक को इसकी कीमत चुकानी होगी। हमें विश्वसनीय खुफिया जानकारी से लैस होने और आतंकवादियों को बेअसर करने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की आवश्यकता है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन कर्मचारियों को धोखेबाज और देशद्रोही करार दिया।

लश्कर-ए-तैयबा का वफादार वर्कर अशरफ

टीचर से लश्कर का कार्यकर्ता बना रियासी निवासी अशरफ भट को 2008 में रहबर-ए-तालीम शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद उसे जून 2013 में नियमित कर स्थायी शिक्षक बना दिया गया। शिक्षक के रूप में काम करते हुए अशरफ ने लश्कर-ए-तैयबा के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उसका सहयोगी बन गया। वर्ष 2022 में उसकी गतिविधियों का पता चला और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में वह रियासी की जिला जेल में बंद है। जांच के दौरान पता चला कि अशरफ भट का हैंडलर पाकिस्तान में रहने वाला मोस्ट वांटेड लश्कर आतंकी मोहम्मद कासिम है।

एशिया के टॉप-20 अमीरों की लिस्ट जारी

सूची में 90.5 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ अंबानी परिवार पहले स्थान पर

दूसरे नंबर पर थाईलैंड का चेरावनॉन्ट परिवार

अडाणी ग्रुप और जैक मा का नाम शामिल नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्लूमबर्ग ने एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारतीयों का ही दबदबा है। एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों में 6 भारत के हैं। लिस्ट में नंबर 1 पर अंबानी परिवार है। इनकी नेटवर्थ करीब 90.5 बिलियन डॉलर है। अंबानी परिवार में बिजनेस की शुरुआत धीरूभाई अंबानी ने की थी। ब्लूमबर्ग की तरफ से जारी लिस्ट में अंबानी परिवार ने टॉप किया है। इनका फ्लैगशिप फर्म रिलायंस इंडस्ट्रीज है, जिसे मुकेश अंबानी संभालते हैं। दूसरे नंबर पर थाईलैंड का चेरावनॉन्ट परिवार है, जिनकी संपत्ति 42.6 बिलियन डॉलर है। तीसरे नंबर पर इंडोनेशिया का हार्टोनो परिवार है, जिसकी संपत्ति 42.2 बिलियन डॉलर है। चौथे नंबर पर भी एक भारतीय परिवार है। ब्लूमबर्ग की लिस्ट में चौथे नंबर पर मिस्त्री परिवार है। उनकी कुल संपत्ति 37.5 बिलियन डॉलर है। पांचवें नंबर पर हांगकांग का क्वोक हैं, जिनकी संपत्ति 35.6 बिलियन डॉलर है। हालांकि इस रिपोर्ट पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं, क्योंकि इसमें अडाणी ग्रुप और अलीबाबा के जैक मा का नाम शामिल नहीं है।

चौथे नंबर पर मिस्त्री, सातवें पर जिंदल परिवार

ब्लूमबर्ग की तरफ से जारी एशिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में 6 भारतीय हैं। अंबानी और मिस्त्री परिवार के अलावा सातवें नंबर पर जिंदल परिवार है, जिनकी कुल संपत्ति 28.1 बिलियन डॉलर है। 9वें नंबर पर बिरला परिवार है, जिनकी कुल संपत्ति 23 बिलियन डॉलर है। 10वें नंबर पर बजाज परिवार है, जिनकी नेटवर्थ 23.4 बिलियन डॉलर है। 19वें नंबर पर हिंदुजा परिवार है, जिनकी संपत्ति 14 बिलियन डॉलर है। बता दें कि जिंदल परिवार ओपी जिंदल ग्रुप संभालता है, जबकि बिरला परिवार के पास आदित्य बिरला ग्रुप की कमान है। बजाज परिवार के पास बजाज ग्रुप और और हिंदुजा परिवार हिंदुजा ग्रुप की जिम्मेदारी संभालता है।

बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई

मॉस्को। रूस की एक बीयर बनाने वाली कंपनी ने बीयर कैन पर महात्मा गांधी की तस्वीर लगाई है। गुरुवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें एक व्यक्ति कहता सुनाई दिया कि यहां

महात्मा गांधी के नाम पर बीयर बेची जा रही है और हम उन्हें अपनी करेंसी पर छापते हैं। बीयर बनाने वाली इस कंपनी का नाम रिवॉर्ट है। सोशल मीडिया पर लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह महात्मा गांधी का अपमान है क्योंकि वे शराब से दूर रहते थे। कुछ लोगों ने एक्स पर पीएम मोदी से अपील की है कि वे इस मामले में दखल दें और इस बीयर कैन से महात्मा गांधी की तस्वीर हटवाएं।

संयुक्त इंटरव्यू में ट्रंप और मस्क बोले

मीडिया ने चली चालः राष्ट्रपति मस्क वाली हेडलाइन नहीं कर रही काम

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का एक विशेष संयुक्त इंटरव्यू 18 फरवरी को प्रसारित होगा। इस इंटरव्यू में ट्रंप ने मीडिया की तरफ से उनके और एलन मस्क के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिशों को नाकाम बताया है। इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क कई बड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिनमें ट्रंप के कार्यकाल के पहले 100 दिन और मौजूदा घटनाक्रम भी शामिल हैं। जारी किए गए प्रोमो में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मैं यह अक्सर देखता हूं... असल में, एलन ने मुझे फोन किया और कहा कि मीडिया हमें अलग करने की कोशिश कर रहा है। मैंने कहा, बिल्कुल। इस दौरान उन्होंने

मजाकिया लहजे में कहा कि 'हमारे पास ब्रेकिंग न्यूज है-डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद छोड़कर एलन मस्क को सौंप दिया है। 'राष्ट्रपति मस्क' आज रात 8 बजे कैबिनेट बैठक में शामिल होंगे!

ट्रंप ने मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि वे उन्हें बदनाम करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। पहले मुझे लगता था कि वे इसमें माहिर हैं, लेकिन अब लगता है कि वे इसमें भी नाकाम हैं। मैं चाहे जितने अच्छे काम कर लूं, फिर भी 98% मीडिया कवरेज मेरे खिलाफ ही रहता है।

घायल सीआरपीएफ जवानों की देखभाल से हटे

24 घंटे में आदेश वापस, अब 8 ग्राउंड कमांडर किए तैनात

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल में स्थित सीआरपीएफ के शिविर में हवलदार संजय कुमार ने अपने साथियों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी थी। इस घटना में एक उप-निरीक्षक और एक सिपाही की मौत हो गई। बाद में हवलदार संजय ने खुद को भी गोली मार ली थी। उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया था। फायरिंग की घटना में आठ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज एम्स इंफाल में चल रहा है।

बल की तरफ से शुक्रवार को एक ऐसा आदेश निकाला गया, जो चर्चा का केंद्र बन गया। घायलों की देखभाल के लिए आठ कमांडेंट की ड्यूटी लगा दी गई। सीआरपीएफ में पहले भी बड़ी घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस तरह से प्रत्येक घायल जवान की देखभाल के लिए कमांडेंट को तैनात करना, ऐसा आदेश देखने को नहीं मिला था। शनिवार को उक्त आदेश वापस ले लिया गया। अब कमांडेंट की जगह पर सीआरपीएफ के आठ सहायक कमांडेंट और एसओ को घायलों का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

अस्पताल में 3-3 घंटे की ड्यूटी लगाई

शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया था कि विभिन्न बटालियनों से आठ कमांडेंट क्षेत्रीय एम्स इंफाल में पहुंचकर तीन-तीन घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी देंगे। कमांडेंट एवं दूसरे रैंकों के अफसरों के लिए यह आदेश हैरान करने वाला था। वजह, इस तरह का आदेश बल में पहली बार निकला था। इतना ही नहीं, आरआईएमएस में हर घायल जवान को एक एसआई के कंट्रोल में दो-दो अटेंडर प्रदान किए जाने का भी आदेश जारी किया गया। बल के अटेंडर भी किसी एक बटालियन से नहीं आएंगे, बल्कि अलग-अलग बटालियनों से ये आरआईएमएस पहुंचेंगे। सभी आठ कमांडेंट अलग अलग जगहों पर तैनात थे। इन सभी अधिकारियों की अस्पताल में 3-3 घंटे की ड्यूटी लगाई गई।

'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' सरकार की एक बड़ी योजना

भारत बनेगा परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस, छोटे रिएक्टर बनाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि 'विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन' भारत की परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उन्नत परमाणु तकनीक को स्थापित करने की एक बड़ी योजना है। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि केंद्रीय बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ का आवंटन किया गया है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी एमएमआर को चालू करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य

कार्बन उत्सर्जन होगा कम, स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा सुनिश्चित होगी

परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी 'गेमचेंजर'

डॉ. सिंह ने परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देने को गेमचेंजर बताया और कहा कि इससे ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ भारत को वैश्विक परमाणु प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस तरह स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोला गया, उसी तरह परमाणु क्षेत्र में भी सुधारों से नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा रणनीति की आधारशिला बनेगी, जिससे देश तकनीकी रूप से उन्नत और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

अमेरिका, पाक और रूस की आबादी से ज्यादा लोगों ने किया स्नान

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है। अभी भी यहां पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों से भी ज्यादा है

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

महाकुंभ अब समापन की ओर बढ़ रहा है पर अभी भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आगमन के 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार कर लिया है।

यह आंकड़ा सरकार के अनुमानों के कहीं ज्यादा है। सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से 45 करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। यह संख्या कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है।

सीएम योगी के नाम के जयकारे लगे

पैदल चलने के बावजूद श्रद्धालु यहां की गई व्यवस्थाओं को लेकर काफी खुश हैं। उनका कहना है कि उन्हें यहां दिव्य अनुभूति हो रही है। श्रद्धालुओं की भीड़ बीच-बीच में हाथ उठाकर सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम के जयकारे भी लगा रही है।

शनिवार को 51 करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार

34वें दिन में ही बना रिकॉर्ड

संगम नगरी में 13 जनवरी से महाकुंभ शुरू हुआ था, यह इस माह 26 फरवरी तक चलेगा। ऐसे में महाकुंभ में 34वें दिन ही 51 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शनिवार को एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया। कास बात है कि अमेरिका और चीन की कुल आबादी के बाद तीसरी सबसे बड़ी आबादी के बराबर लोग तो महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ की भीड़ में कोई समानता नहीं है।

600 से अधिक बुजुर्ग कर चुके स्नान

यहां अब तक 600 से अधिक बुजुर्गों को संगम स्नान कराया जा चुका है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल न केवल बुजुर्गों के सम्मान और सुविधा को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में सेवा और समरसता की मिसाल भी पेश करती है।

महाशिवरात्रि के बाद भी रहेंगी सुविधाएं, लोग नाव से संगम स्थल पर कर सकेंगे स्नान

महाशिवरात्रि के बाद भी संगम क्षेत्र में सारी सुविधाएं रहेंगी। घाटों पर स्नान, सुरक्षा, चकर्ड प्लेट आदि सुविधाएं रहेंगी। नाव से संगम स्थल पर भी जाकर स्नान कर सकेंगे। हालांकि, महाकुंभ की समाप्ति के बाद पंडाल, प्रदर्शनी, विशेष जेटी आदि आकर्षण नहीं रहेंगे।

जनसैलाब थमने का नाम नहीं ले रहा

फडणवीस ने लगाई आस्था की डुबकी, विश्वनाथ के दर्शन किए

महाकुंभ में शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने परिवार के साथ पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद वेपरिवार के साथ वाराणसी पहुंचे। उन्होंने परिवार के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। एक्स पर दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, बनारस की गुलाबी ठंड और गरम चाय।

खबर संक्षेप

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर युवकों ने मचाया हुड़दंग

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ

लोग मेट्रो स्टेशन के एग्जिट गेट को कूदकर बाहर निकलते दिख रहे हैं। जिसके बाद दिल्ली मेट्रो का बयान आया है।डीएमआरसी के अनुसार उस दिन शब-ए-बारात थी। इससे स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई थी। एग्जिट गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई।

मान को धमकी, जालंधर में खालिस्तानी पोस्टर

जालंधर। पंजाब के सीएम भगवंत मान को धमकी दी गई है। यह धमकी किसी और ने नहीं बल्कि

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दी है। पन्नू ने एक बार फिर देश के खिलाफ जहर उगला है। जालंधर के कस्बा नकोदर में पन्नू ने एक बार फिर खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर लगाए हैं।

फैक्ट्री में गैस के रिसाव से 13 स्कूली बच्चे बेहोश

कोटा। कोटा में बड़ा हादसा हो गया। यहां कोटा-बारां हाईवे पर स्थित चंबल फर्टिलाइजर्स

केमिकल लिमिटेड में गैस का रिसाव हो गय। इससे उसके पास ही स्थित स्कूल के एक दर्जन से ज्यादा बच्चे चपेट में आ गए। गैस के रिसाव से 13 बच्चे बेहोश हो गए। 7 को कोटा एमबीएस अस्पताल रेफर किया गया है।

ट्रैवलर गाड़ी हादसे का शिकार, 4 की मौत

लीमखेड़ा। गुजरात में श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज महाकुंभ रही टाटा विंगर ट्रैवलर और ट्रक के

बीच भयानक हादसा हुआ है। यह हादसा लीमखेडा के पाल्ली हाईवे पर हुआ, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए हैं। ट्रक के पीछे खड़ी होने के दौरान ट्रैवलर ने टक्कर मार दी।

आदिकाल से काशी और तमिलनाडु का रहा महत्वपूर्ण रिश्ता

'काशी तमिल संगमम 3.0' की मुख्यमंत्री योगी ने की शुरुआत

प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं, 'सुख साधन रहित आनंद' का प्रवाह दिखा

जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का लक्ष्य

शैव तमिलों की एक सतत धारा सदा बहती रही

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नमो घाट पर 'काशी तमिल संगमम 3.0' का उद्घाटन किया। योगी ने कहा कि मैं पीएम का आभारी हूं, जिनके नेतृत्व में लगातार तीसरी बार काशी तमिल संगमम का बाबा विश्वनाथ की पावन धरा पर शुभारंभ हो रहा है। ये हमारे लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाने के महायज्ञ का भाग है। योगी पुलिस लाइन से नमो घाट के लिए प्रस्थान कर नमो घाट पहुंचे और कार्यक्रम के उद्घाटन के साथ ही हर-हर महादेव का उद्घोष किया। इसके बाद वणक्कम काशी से मेहमानों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि सनातन विश्व का सबसे बड़ा प्राचीन धर्म है। 'विशाल गंगा के रेत के कणों को गिनें, इतने सारे इंद्र, केवल एक ही अंतहीन ईश्वर है! 3 महान शैव तमिल कवियों में से एक अप्पार की इस रचना में गंगा के रेतकणों में प्रवाहित उनकी आस्था का प्रवाह दिखता है। 'प्रयागे मुंडं, काशी दंडं, गया पिंडं...' की मान्यता के वशीभूत आदिकाल से शिव के 'सुख साधन रहित आनंद' की तलाश में काशी प्रमुख रही है।

प्राचीन तमिल ग्रंथों में प्रयागराज, काशी और गया का उल्लेख किया गया

प्राचीन तमिल ग्रंथों में उत्तर भारत के तीन तीर्थ नगरों प्रयागराज, काशी व गया की महत्ता बताते हुए कहा गया है कि प्रयागराज में आत्मऋणण, काशी में देवऋण व गया में पितृऋण से मुक्ति मिलती है तथा मृत्यु के पश्चात आत्मा को बैकुंठ लोक में वास या मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज ऊऋण होने का स्थान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिल धर्मग्रंथों के अनुसार प्रयागराज में आत्मऋण से उऋण होने के लिए तमिल व अन्य दक्षिण भारतीय समुदाय के पुरुष लोग वहां पहुंचकर संगम तट पर अपना मुंडन कराते हैं। तत्पश्चात अपनी पत्नी की चोटी अपने हाथों से गूंथते हैं, इसके बाद चोटी का अंतिम सिरा काटकर उसके साथ सिंदूर, रोली, कुमकुम आदि मिलाकर बालों के इन गुच्छों को गंगा में प्रवाहित करते हैं।

काशी में करेंगे बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी के दर्शन

इस धार्मिक प्रक्रिया को मुंडन व वेणीदान कहा जाता है। इसके पश्चात काशी पहुंचकर सभी यहां काशीवास करते हैं। काशी में यह धार्मिक यात्रा कम से कम पांच दिनों की होती है। इस दौरान लोग बाबा विश्वनाथ व माता विशालाक्षी का दर्शन-पूजन करते हैं। इसके पश्चात दो दिना नौका में सवार होकर गंगा पूजन कर, गंगा के पांच घाटों पर असि, दशाश्वमेध, पंचगंगा, मणिकर्णिका व वुरुणा पर स्नान कर अपने पितरों की आत्मा की शांति व मोक्ष के लिए तर्पण-अर्पण करते हैं। इसके पश्चात माता अन्नपूर्णा का दर्शन कर अन्न-धन आदि का दान-पुण्य करते हैं। गया पहुंचकर भी पिंडदान कर पूर्वजों की आत्मा के मोक्ष के लिए प्रार्थना करते हैं। इन सबमें काशी की यात्रा देव ऋण से उऋण होने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

काशी की आर्थिकी में तमिल धार्मिक यात्रा का महान योगदान

पं. घनपाठी बताते हैं कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग काशी दर्शन व देवयात्रा करने पहुंचते हैं। यहां नौकायन के साथ ही पूजा-पाठ की सामग्री, होटल, खान-पान की दुकानें, रिक्शा व टेंपो चालक उनके आगमन से लाभान्वित होते हैं। बहत से लोग काशी की गलियों में नंगे पांव घूम-घूमकर लोग इस देवयात्रा को पूर्ण करते हैं।

देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना

महीनों-वर्षों पैदल चलकर भगवान शिव की नगरी में देव ऋण से उत्तीर्ण होने की कामना से यहां पहुंचे तमिल समुदाय ने हनुमानघाट, केदारघाट और हरिश्चंद्र घाट के क्षेत्रों के मध्य काशी के बीचो-बीच एक लघु तमिलनाडु बसा दिया। तमिल समुदाय के वैदिक विद्वान व तीर्थ पुरोहित कर्मकांडी, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. वेंकट रमण घनपाठी बताते हैं कि जीवन में कम से कम एक बार काशी की धार्मिक यात्रा करना प्रत्येक तमिल के जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक लक्ष्य होता है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम योगी ने यहां हवाई सर्वे भी किया

इस कार्यक्रम का उद्घाटन से पहले उन्होंने महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। भीड़ की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के बाद सीएम ने काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की।

महाराष्ट्र में लव जिहाद पर लगेगी लगाम जबरन धर्मांतरण पर भी होगी कार्रवाई

सरकार ने डीजीपी के नेतृत्व में बनाई 7 सदस्यीय उच्च समिति

सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने भी अब लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार ने एक 7सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए कानूनी उपाय सुझाएगी। इस समिति का अध्यक्ष महाराष्ट्र के डीजीपी को बनाया गया है। कई अन्य राज्यों में भी कथित लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए राज्य सरकारों ने कदम उठाए हैं और अब इस कड़ी में महाराष्ट्र भी शामिल होने जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने जो समिति गठित की है, उसमें महाराष्ट्र के डीजीपी के अलावा महिला एवं बाल कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, कानून और न्यायपालिका विभाग, सामाजिक न्याय विभाग और विशेष सहायता विभाग के सचिवों के साथ ही गृह विभाग के उप-सचिव भी शामिल किए गए हैं।

उपाय-कानूनी पक्ष पर देगी सलाह

राज्य सरकार ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि समिति अध्ययन के बाद बताएगी कि लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? साथ ही समिति अन्य राज्यों में इससे संबंधित कानूनों का भी अध्ययन करेगी। समिति इन्हें रोकने के प्रावधान भी सुझाएगी और इसके कानूनी पक्ष पर भी सलाह देगी। लव जिहाद टर्म का इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं और संगठनों द्वारा किया जाता है। आरोप है कि मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं से शादी कर उनका इस्लाम में धर्मांतरण कराने की साजिश रची जा रही है।

महात्रे ने ड्रग तस्करी की समस्या बताई

शरद पवार की पार्टी एनसीपी एसपी के सांसद सुरेश महात्रे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। एनसीपी एसपी सांसद ने अमित शाह से ठाणे के भिवंडी इलाके में ड्रग तस्करों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। सांसद ने बताया कि भिवंडी अपराधियों का गढ़ बन गया है और इलाके में अपराध और ड्रग तस्करी बढ़ रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सांसदों को कार्रवाई का आश्वासन दिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियो को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने संवाददाताओं से कहा

शाह ने महाराष्ट्र की स्थिति की समीक्षा की

नए आपराधिक कानून लागू होने से मुकदमों में तेजी से कमी होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की दिशा में महाराष्ट्र की स्थिति की नई दिल्ली में हुई एक बैठक में समीक्षा की। बैठक में सीएम देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे।

इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने बताया बैठक में आईटी सेक्टर में आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई। मेघवाल ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला कोर्ट के मुकदमों में तेजी

से कमी आएगी केंद्र सरकार ने तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1 जुलाई 2024 से लागू कर दिए हैं। इन कानूनों को लागू करने का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाना है।

खरगे के बयान को बताया गलत

इसके अलावा मेघवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के प्रस्तुत किए जाने के समय एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया गया था। इस समिति में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल थे और इसकी रिपोर्ट पेश की जानी थी। उन्होंने कहा कि जब रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तो खरगे ने इसके विरोध में सवाल उठाए, जबकि रिपोर्ट में सभी आवश्यक जानकारियां शामिल थीं। इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में कोई अधूरी जानकारी नहीं है।

19-20 को शपथ होना संभावित

चौंकाने वाला होगा सीएम का नाम, पहली बार विधायक बने चेहरों पर भी मंथन शुरू

दिल्ली में भाजपा सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दौरा खत्म कर वतन वापसी कर चुके हैं और दिल्ली की नई सरकार के लिए संभावित चेहरों पर उनके साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। नए चेहरों पर भी मंथन होने की खबर है। इसके बाद ही अंतिम नाम पर फैसला लिया जाएगा। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है। बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

एमसीडी में भी भाजपा सरकार की अटकलें

3 और पार्षदों ने छोड़ा आप का साथ

दिल्ली एमसीडी में अब भाजपा की सरकार बन सकती है। असल में आप के 3और पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया है, जिससे नंबर गेम पलट गया है और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भाजपा प्रदेश वीरेंद्र सचदेवा ने इन्हें सदस्यता

दिलवाई है। इनमें अनीता बसोया, धर्मवीर और निखिल ने भाजपा का दामन थामा है।

केजरीवाल के शीशमहल की होगी जांच

आप संयोजक अरविंद केजलीवाल की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उनके बंगले की जांच सीवीसी द्वारा की जाएगी। इसके आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

दिल्ली लूटने वालों को मिलेगी सजा:

भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार के सारे कुकृत्य खत्म होने जा रहे हैं । दिल्ली लूटने वालों को सजा जरूर मिलेगी।

जग्गी वासुदेव ने बच्चों को तनावमुक्त रहने का दिया मंत्र

किताबों का स्ट्रेस न लें, दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की। उन्हें जिंदगी के हर इम्तिहान से लड़ने का सबक सिखाया। योग-मेडिटेशन की सलाह भी दी। इसके साथ ही ईशा फाउंडेशन के संस्थापक जगदीश वासुदेव (जग्गी वासुदेव) यानि सद्गुरु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की। आध्यात्मिक गुरु ने परीक्षा पे चर्चा के पांचवें (पीएम मोदी का अंक मिलाकर) एपिसोड में अपने अनुभव भी साझा किए। इसके साथ ही सद्गुरु ने बच्चों को किताबों का स्ट्रेस न लेने की सलाह दी। कहा- अपनी किताबों को खेल की तरह लीजिए, जैसे खेलते हैं, वैसे ही पढ़ाई करिए।

मोटिवेशनल गुरु सद्गुरु ने बच्चों से 'परीक्षा पे चर्चा' की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्भुत प्रयास की तारीफ की

सही सोचें, ओवरथिंकिंग कोई चीज नहीं

मंत्र दिया कि दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें। ओवरथिंकिंग जैसी कोई चीज नहीं होती। केवल हमारा दिमाग दिशा विहीन हो जाता है। जैसे किसी मशीन को बिना ल्यूब्रिकेशन के चलाने से वो खराब हो जाती है, वैसे ही दिमाग होता है। सोचना तो बेहद जरूरी है। बस आपको पता होना चाहिए कि क्या सोचना है?

मोदी को सराहा

सद्गुरु ने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत प्रशंसनीय काम कर रहे हैं। दुनिया में कहीं भी कोई प्रधानमंत्री शायद ही बच्चों को लेकर इतना फिक्रमंद होता है। मुझे खुशी है कि हमारे पीएम मोदी बच्चों के एग्जाम के दौरान होने वाली तकलीफों को समझ रहे हैं और उस पर बात कर रहे हैं।

टैक्स्ट बुक चुनौती नहीं इंटेलिजेंस जरूरी

बच्चों को बड़े सहज अंदाज में सद्गुरु ने अपना उदाहरण दे समझाया, मैं 12वीं की परीक्षा दे रहा था। हॉल टिकट मिल गया था। मुझे मैंगो एक्सपर्ट समझा जाता था। पेड़ देखकर आम के बारे में सब कुछ बता देता था। दोस्तों के साथ खड़ा था और उन्हें बता रहा था कि कॉलेज में कैसे-कैसे आम लगे थे? हमें प्रिंसिपल देख रहा था, वो चिल्लाया कि परीक्षा सिर्फ 15 दिन बाद है और आम देख रहे हो। मैंने कहा,एग्जाम कई बार आते हैं, आम साल में एक बार ही आता है। टेक्स्ट बुक आपके लिए कोई चुनौती नहीं है, लेकिन आपकी इंटेलिजेंस जरूरी है।

अल्पसंख्यक मंत्री रिजिजू ने इसका मकसद भी बताया

वक्फ संशोधन विधेयक से मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा होगी, असली वारिस को ही मिलेगा 'हक'

इस संबंध में कुछ लोग फैला रहे मनगढ़ंत अफवाह

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करने का मकसद मुसलमानों की संपत्तियों की रक्षा करना है और इन संपत्तियों को उनके असली वारिसों के हवाले किया जाएगा। मंत्री ने यह बात शनिवार को श्रीनगर में हुई एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि विधेयक को लेकर कुछ लोग यह अफवाहें फैला रहे हैं कि इस विधेयक को पारित कर केंद्र

ने वक्फ की संपत्ति को हड़पने के लिए रास्ता बनाया है। यह सब अफवाहें मनगढ़ंत हैं। केंद्र ने यह फैसला इसलिए किया कि वक्फ की संपत्तियों पर नाजायज कब्जा करने की शिकायतों को लेकर हजारों मुसलमानों ने शिकायतें की थी।

नीतीश और नायडू का भी मिला समर्थन

उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से भी विधेयक में संशोधन को लेकर उनकी राय पूछी गई। उनके समर्थन के बाद मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने यह विधेयक संसद में पेश किया। संशोधन पर मिले भारी समर्थन के बाद ही इसे पारित कराया गया। कई मुस्लिम सांसदों ने इस विधेयक में संशोधन करने में गुप्त रूप से अपना भरपूर समर्थन किया। अलबत्ता राजनीतिक पार्टियों के दबाव में आकर वे सांसद सामने नहीं आए।

उद्योग फ्रेंडली नीतियों और नवाचार से मिलेगा निवेश को विस्तार, मप्र बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र औद्योगिक निवेश और रणनीतिक नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस बार की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) न सिर्फ अपनी भव्यता बल्कि गहरे रणनीतिक बदलावों और नए औद्योगिक विज़न से भी चर्चा में है। भोपाल जो अब तक प्रशासनिक और सांस्कृतिक रूप से पहचाना जाता था, अब निवेश और व्यापार का नया ग्लोबल पॉइंट ऑफ इंटरेस्ट बनने जा रहा है।

खास बातें

- पहली बार सरकार 20 से अधिक नीतियों को एक साथ प्रस्तुत कर रही
- निवेशकों को सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट मिलेगा
- प्रदेश में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल

इस वर्ष के जीआईएस को 'पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल दिया गया है। पहली बार सरकार 20 से अधिक नीतियों को एक साथ प्रस्तुत कर रही है, जिससे निवेशकों को हर सेक्टर के लिए स्पष्ट रणनीति और अवसर मिलेंगे। अब इन्वेस्टर्स को केवल संभावनाएं नहीं, बल्कि सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट का भरोसा मिलेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे

इस बार जीआईएस पारंपरिक कॉन्फ्रेंस से आगे बढ़कर फोकस्ड इन्वेस्टमेंट डिस्कशन का मंच बनने जा रहा है, यानी आईटी, टैक्सटाइल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ईवी, अक्षय ऊर्जा जैसे हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे, जहां इंडस्ट्री लीडर्स और सरकार के बीच प्रत्यक्ष संवाद और सेक्टर-केंद्रित समझौते होंगे। समिट में पहली बार 'इंडस्ट्रियल एक्सपो' और 'मेक इन एमपी' का संयोजन किया गया है, जहां प्रदेश की औद्योगिक ताकत, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी स्थिति को प्रस्तुत किया जाएगा।

रहे जीरो अपशिष्ट समिट होगी

जीआईएस-2025 को 'जीरो अपशिष्ट' समिट बनाने की रणनीति तैयार हो चुकी है। समिट स्थल पर केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग होगा, आयोजन स्थल 100% अक्षय ऊर्जा से संचालित होगा और पूरे समिट में पेपरलेस ऑपरेशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड इंटरेक्शन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का समावेश होगा।

औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान

भोपाल को पहली बार औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान मिलने जा रही है। यह आयोजन प्रदेश की नई इंडस्ट्रियल जर्नी की आधारशिला साबित होगा। समिट न केवल बड़े निवेशकों के लिए, बल्कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमईज) और स्टार्टअप्स के लिए भी एक बड़ा अवसर लेकर आ रही है। प्रदेश के स्थानीय उद्यमों को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी साझेदारों के साथ जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे इनका विस्तार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक होगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को नई टेक्नोलॉजी, ग्लोबल टाई अप्स का फायदा मिलेगा

राजधानी के चारों ओर फैले औद्योगिक क्षेत्रों मंडीदीप, गोविंदपुरा, बागरोदा, पिलुखेड़ी और अन्य औद्योगिक हब को इस समिट से नए निवेश, नई टेक्नोलॉजी और ग्लोबल टाई-अप्स का फायदा मिलेगा। जीआईएस-2025 निवेश ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के अवसर देने वाला मंच साबित होगा। समिट में आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर पैदा करने वाले एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे।

औद्योगिक क्रांति का केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मप्र अब केवल 'संभावनाओं का प्रदेश' नहीं, बल्कि 'औद्योगिक क्रांति का अगला केंद्र' बन चुका है। जीआईएस- 2025 के मंच से प्रदेश की आर्थिक शक्ति, नीति-संवर्धित औद्योगिक मॉडल और वैश्विक निवेश के प्रति प्रतिबद्धता पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी। भोपाल अब सिर्फ मप्र की राजधानी नहीं, बल्कि भारत के नए औद्योगिक भविष्य का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है। जीआईएस इसी परिवर्तन की मजबूत नींव रखने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कृषकों को सोलर पम्प और गोपालन के लिए प्रोत्साहित करेगी जन अभियान परिषद

सर्पदंश से मृत्यु की रोकथाम के साथ सांप पकड़ने हर थाने में उपलब्ध रहेगा एक प्रशिक्षित व्यक्ति

कैंसर से बचाव के लिए प्राकृतिक और अक्षय कृषि अपनाना जरूरी

डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई जन अभियान परिषद की 15वीं बैठक

» श्रीअन्न की उपज लेने और तिलहन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकता: सीएम

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन-अभियान परिषद कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि स्वयंसेवी संगठनों, प्रस्फुटन समितियां और नवांकुर संस्थाएं कृषकों को ऊर्जा में आत्म-निर्भर बनाने के लिए सोलर पंप लगवाने के लिए प्रेरित करें। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गोपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मप्र जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की 15वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, मोहम्मद सुलेमान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रसायनिक खाद के खतरे बताए

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र कैंसर जैसे घातक रोगों से निरंतर प्रभावित हो रहे हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के बल पर ली जा रही उपज के खतरों से किसानों को अवगत करवाना जरूरी है। परिषद, किसानों को प्राकृतिक और अक्षय कृषि के लिए प्रोत्साहित करें। जन अभियान परिषद इन क्षेत्रों में कार्य कर ऊर्जा, जल और पर्यावरण संरक्षण, बेहतर स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में योगदान दे सकती है।

जल गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाना जरूरी है। इसमें जन अभियान परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर परिषद ग्राम स्तर तक वातावरण निर्माण में सक्रियता से योगदान दें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप श्रीअन्न की उपज लेने और तिलहन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। बैठक में नवांकुर संस्थाओं के प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम तथा विकास गतिविधियों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए संचालित गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही अन्य विषयों पर विमर्श हुआ।

व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जन अभियान परिषद की ओर से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जन अभियान परिषद के संभागीय समीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 तथा स्वैच्छिक संगठनों का संसार पुस्तिका का भी विमोचन किया। प्रदेश में सर्पदंश से हो रही मृत्यु की रोकथाम और बचाव की दृष्टि से सर्प पकड़ने और प्राथमिक उपचार के लिए होमगार्ड्स, युवाओं, इच्छुक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए सर्प अनुसंधान संगठन उज्जैन के साथ मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इससे प्रदेश के प्रत्येक थाने में एक प्रशिक्षित व्यक्ति की उपस्थिति सुनिश्चित हो सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप्र के सीएम योगी को भेंट की राजाभोज की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अंगवस्त्रम पहनाकर व राजाभोज की प्रतिमा भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास कार्यालय कक्ष से मुख्यमंत्री योगी को भोपाल की बड़ी झील (भोजताल) के सांध्यकालीन अनुपम सौंदर्य का अवलोकन कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल की पहचान यह झील सदियों पुरानी है। यहां के तत्कालीन प्रजापालक शासकों ने उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर इसे जल संग्रहण के लिए निर्मित कराया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने भोपाल के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने चर्चा के दौरान पूछा कि मप्र में सिंहस्थ कब है? मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि वर्ष 2028 में उज्जैन शहर में सिंहस्थ का भव्य आयोजन होगा। सिंहस्थ आयोजन को सफल बनाने के लिए वर्तमान में महाकुंभ में व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए मप्र से अधिकारी गए हैं।

सारंग, सिंह और शर्मा ने किया स्वागत

मुलाकात के दौरान उप्र सरकार में जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद थे। सीएम योगी का सारंग, सिंह और शर्मा ने स्वागत किया।

उप राष्ट्रपति धनखड़ का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को पुराने हवाई अड्डे पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन पर उनकी अगवानी की। उन्होंने उप राष्ट्रपति को अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भी उप राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, सांसद खजुराहो वीडी शर्मा, महापौर नगर निगम भोपाल मालती राय, मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

सब इंस्पेक्टर के घर बिना ताला तोड़े चोरी

रायपुर। रायपुर में सब इंस्पेक्टर के घर चोरी के वारदात हो गई है। चोरों ने घर के दरवाजे का बिना ताला तोड़े इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने भीतर घुसने के लिए कुंडी का स्क्रू निकाल दिया। फिर कमरे की अलमारी में रखें सोने-चांदी के गहने और रुपए लेकर फरार हो गए। ये पूरा मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। निर्मला मिश्रा ने बताया कि उनके पति अशोक मिश्रा महेंद्रगढ़ में सब इंस्पेक्टर के पद में है। निर्मला अपने परिवार के साथ 30 जनवरी को प्रयागराज गई थी। 14 फरवरी को सुबह करीब 9 बजे वह अपनी बेटी के साथ रायपुर के आमनाका इलाके के सनसिटी में पहुंची। घर के भीतर जाकर देखा तो दरवाजा खुला हुआ था। चोरों ने घर के मेन गेट के ताला को तोड़ने की बजाए कुंडी का स्क्रू खोल दिया। घर में 80 हजार कैश समेत करीब 10 लाख का माल चोरी कर ले गए।

हम किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को कैसे शामिल कर सकते हैं?: धनखड़

▸ राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में विद्यार्थियों से उप राष्ट्रपति ने की चर्चा, कहा- न्यायपालिका की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से निर्णयों के माध्यम से होनी चाहिए, निर्णयों के अलावा कोई भी अभिव्यक्ति का तरीका संस्थागत गरिमा को कमजोर करता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, क्या कोई कानूनी तर्क हो सकता है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को सीबीआई निदेशक के चयन में भागीदारी करनी चाहिए! क्या इसके लिए कोई कानूनी आधार हो सकता है? मैं समझ सकता हूं कि यह विधायी प्रावधान इसलिए अस्तित्व में आया, क्योंकि उस समय की कार्यकारी सरकार ने न्यायिक निर्णय को स्वीकार किया। लेकिन अब समय आ गया है कि इसे फिर से देखा जाए। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता। हम भारत के मुख्य न्यायाधीश को किसी भी कार्यकारी नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं! भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में संकाय और छात्रों से बातचीत करते हुए धनखड़ ने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होने पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संस्थागत पृथक्करण पर नहीं, बल्कि समन्वित स्वायत्तता पर जीवित रहता है।

निर्णय से हो उपस्थिति

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से निर्णयों के माध्यम से होनी चाहिए। निर्णय अपने आप में बोलते हैं। निर्णयों का वजन होता है। और यदि निर्णय देश के उच्चतम न्यायालय से आता है, तो यह एक बंधनकारी निर्णय होता है। निर्णयों के अलावा कोई अन्य प्रकार की अभिव्यक्ति संस्थागत गरिमा को अनिवार्य रूप से कमजोर करती है। न्यायिक समीक्षा के बारे में बोलते हुए धनखड़ ने कहा कि संसद कानून बनाने में सर्वोच्च है, न्यायिक समीक्षा के अधीन। यह एक अच्छी बात है। न्यायिक समीक्षा इस आधार पर होनी चाहिए कि कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। लेकिन जब भारतीय संविधान में कोई संशोधन करने की बात आती है, तो अंतिम अधिकार, अंतिम शक्ति, और अंतिम प्राधिकरण केवल भारतीय संसद के पास है।

कोरबा में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने जब्त की अवैध 575 लीटर शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोरबा जिले में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। उरगा थाना पुलिस ने ग्राम चीतापाली (घोघरानाला) में छापेमारी के दौरान 575 लीटर महुआ शराब बरामद की और मौके पर ही करीब 1000 किलोग्राम महुआ लहान और शराब बनाने की भट्ठी को नष्ट कर दिया।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में उरगा थाना प्रभारी निरीक्षक युवराज तिवारी के नेतृत्व वाली टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारा। पुलिस को देखते ही आरोपी नाला पार कर फरार हो गए। मौके से पुलिस ने 20-20 लीटर के 4 प्लास्टिक डिब्बे और 5-5 लीटर के 49 जेरीकेन में भरी कुल 575 लीटर महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा शराब बनाने के लिए तैयार किया गया करीब 1000 किलोग्राम महुआ लहान और भट्ठी को मौके पर ही नष्ट किया गया।

उरगा थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ प्र.आर. राजेंद्र मरकाम, आरक्षक नरेश टांडेल समेत पूरी टीम शामिल थी।

कालिदास अकादमी उज्जैन में तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

मुख्यमंत्री ने किया यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव 2025 का वर्चुअली शुभारंभ

वैश्विक चुनौतियों का समाधान देगा 'बुद्ध में है विश्व का भविष्य, युद्ध में नहीं' का विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक चुनौतियों का समाधान युद्ध में नहीं बुद्ध में मानते हैं। सनातन संस्कृति में कई सभ्यताओं के आविर्भाव से पहले ही वसुधैव कुटुम्बकम की बात कही गई थी। प्रधानमंत्री मोदी इसी भाव से विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालिदास अकादमी उज्जैन में आरंभ यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 के तीन दिवसीय जीवन प्रबंधन कार्यशाला का मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल शुभारंभ किया।

विशेष सांस्कृतिक संध्या गतिविधियों का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉन्क्लेव के प्रमुख आकर्षणों में महाकालेश्वर जलाभिषेक, पृथ्वी तत्व का आव्हान, पंचमहाभूत आव्हान और विशेष सांस्कृतिक संध्या जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इन अनुष्ठानों से सम्पूर्ण विश्व के बीच एकता और समरसता को प्रकट करने के प्रयास होंगे। कुल 22 देशों के प्रतिनिधि अपने-अपने देशों की नदियों के जल से बाबा महाकाल का अभिषेक करेंगे। यह कॉन्क्लेव भारत की प्राचीन संस्कृति, योग और आध्यात्मिकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। यह भारत की पॉवर को और अधिक सशक्त करेगा तथा विश्व, भारत की आध्यात्मिक शक्ति से लाभान्वित हो सकेगा।

प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास

भारतीय संस्कृति प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास और विश्व के कल्याण में विश्वास रखती है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जहां युद्ध, आतंकवाद और संघर्ष ने पूरी दुनिया को तनावग्रस्त किया है, ऐसे में यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन शांति, समरसता और मानवता की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए समाधान प्रदान करते हैं।

वैश्विक शांति की स्थापना का संकल्प दिलाया

मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव के सहभागियों से वैश्विक शांति की स्थापना और विश्व में प्रेम, सौहार्द्र तथा सकारात्मकता के प्रसार में हरसंभव योगदान देने संकल्प लेने का आह्वान किया। कॉन्क्लेव में 22 देशों के विद्वान, संत, आध्यात्मिक शिक्षक और लाइफ कोच विचारक वैश्विक शांति और समरसता के लिए अपने विचार साझा करेंगे।

सूरजपुर में दफ्तर से 3 लाख रुपए बरामद

1 लाख कैश के साथ डीईओ गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

सूरजपुर जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि डीईओ राम ललित पटेल 28 फरवरी को रिटायर भी होने वाले थे, लेकिन उससे पहले 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप हो गए। दफ्तर से कुल 3 लाख रुपए मिले हैं।

जानकारी के मुताबिक, डीईओ ने आरटीआई के तहत मिलने वाली राशि के बदले 5 प्राइवेट स्कूल के संचालकों से 2 लाख रुपए की डिमांड की थी, जो लगभग 10 परसेंट है। अंबिकापुर एसीबी की टीम ने स्कूल संचालकों से शिकायत मिलने पर ट्रैप की योजना बनाई। पहली किश्त में एक लाख रुपए देने की बात तय हुई। इसकी पुष्टि होने के बाद एसीबी की टीम शुक्रवार को सूरजपुर पहुंची। शाम करीब 6 बजे डीईओ कार्यालय में राम ललित पटेल को रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा। डीईओ कार्यालय की जांच के दौरान 2 लाख रुपए और बरामद हुए हैं। आशंका है कि, यह राशि भी अन्य निजी स्कूलों से बतौर रिश्वत ली गई है। एसीबी की टीम ने डीईओ के निवास में भी छापा मारा है। डीईओ राम ललित पटेल के खिलाफ 7 पीसी एक्ट की कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीईओ राम ललित पटेल मूल रूप से बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर के रहने वाले हैं। सूरजपुर में ट्रैप किए जाने के बाद एसीबी की एक टीम ने उनके मूल निवास वाड्रफनगर भी पहुंची है। डीईओ के घर नगदी, जमीनों के दस्तावेज, बैंक रिकार्ड और लॉकरों की जानकारी जुटाई जा रही है। सूरजपुर जिले के जिला शिक्षा

अधिकारी राम ललित पटेल को सितंबर 2023 में 34 लाख रुपए के मिलेट्स खरीदी में गड़बड़ी के आरोप में निलंबित किया गया था। इस समय वे बलरामपुर और सूरजपुर जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार संभाल रहे थे। मिलेट्स की खरीदी दूसरे मद में की गई थी। बाद में बहाली के बाद उन्हें फिर से सीईओ का डीईओ बनाया गया था।

खबर संक्षेप

कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे नगर निगम

जबलपुर। मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सोलंकी का जबलपुर आगमन हुआ। इस दौरान कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एड. पंडित राम दुबे , प्रांतीय संगठन सचिव कपिल दुबे, जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी, जिला सचिव बसंत पांडे, मुकेश रजक, रमेश मिश्रा, दुर्गेश झरिया, अर्पित दुबे, बेड़ी लाल सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे। श्री सोलंकी ने नगर निगम के महापौर जगत बहादुर अन्नु सिंह, आयुक्त प्रिती यादव , और अध्यक्ष रिंकुज विज के माध्यम से नगरीय प्रशासन मंत्री के नाम एक पत्र भेजा। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया कि संघ की कई मांगें काफी समय से लंबित हैं, लेकिन शासन की तरफ से कोई भी प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। श्री सोलंकी ने कहा, यदि हमारी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो प्रदेश भर के सभी नगरीय निकायों के कर्मचारी काम बंद हड़ताल पर जाएंगे, और नगरीय निकायों को बंद करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

स्वामी बाल गोविन्दाचार्य महाराज का कुंभ से आगमन आज

जबलपुर। परम्बाधाम संस्थापक श्रीमद जगतगुरु रामानुजाचार्य डॉ. स्वामी बाल गोविन्दाचार्य महाराज का प्रयागराज महाकुंभ से आज नगर आगमन हो रहा है। इस अवसर पर उनके स्वागत में शोभायात्रा दोपहर 3 बजे रामपुर चौक से नर्मदा महाआरती स्थल उमाघाट तक निकाली जाएगी। डॉ. सत्येंद्र तिवारी व्यवस्थापक ने बताया कि रामपुर चौकी में भव्य मंच बनाकर स्वागत किया जायेगा। स्वागताध्यक्ष लेखराज सिंह, अध्यक्ष नरेश शर्मा ने बताया कि संतों के सानिध्य में शोभा यात्रा रामपुर चौक से प्रारंभ होकर मार्ग में विभिन्न स्थानों से होते हुए महाआरती स्थल उमाघाट पहुंचेगी। मां नर्मदा पूजन, महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। यात्रा संयोजक पंडित ओंकार दुबे, पंडित परशुराम मिश्रा, मनीष दुबे, ठाड़ेश्वर महावर, आशीष खुराना, रजनीश तिवारी, शैलेष चौरसिया, डेलन यादव, अतुल लखेरा, साधना चौरसिया, आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश, पति की आपराधिक पुरीक्षण याचिका निरस्त

चार हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण राशि देने का आदेश

प्रेमी के साथ शारीरिक संबंध नहीं तो पत्नी भरण-पोषण की हकदार

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की सिंगल बेंच ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि यदि प्रेमी के साथ शारीरिक संबंध नहीं है, तो पत्नी भरण-पोषण की हकदार है। व्याभिचार के आरोप में अनिवार्य रूप से यौन संबंध शामिल होना चाहिए। पत्नी किसी अन्य के साथ बिना किसी शारीरिक संबंध के प्रेम और स्नेह रखती है, तो इससे यह साबित नहीं होता कि वह व्याभिचार में है।

कोर्ट ने कहा कि पति का यह तर्क स्वीकार करने योग्य नहीं है कि उसकी पत्नी किसी और से प्रेम करती है, इसलिए भरण-पोषण राशि पाने की अधिकारी नहीं है। पति की कम आय गुजारा-भत्ता देने से इनकार का मानदंड नहीं हो सकती। यदि किसी ने यह जानते हुए किसी लड़की से शादी की है कि वह अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। आप शारीरिक रूप से सक्षम हैं, तो पत्नी को भरण-पोषण राशि देने के लिए कमाना होगा। पति की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका निरस्त की जाती है और आदेश दिया जाता है कि वह पत्नी को चार हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण राशि प्रदान करे। क्योंकि सीआरपीसी की धारा 125(4) से यह स्पष्ट है कि पत्नी पर व्यभिचार के आरोप के आधार

पर भरण-पोषण राशि से इनकार नहीं किया जा सकता है।

इंदौर निवासी अमित कुमार खोडके की तरफ से दायर की गई आपराधिक पुनरीक्षण याचिका में अनावेदक पत्नी द्वारा लिखी एक डायरी भी पेश की गई थी, जिसका हवाला देते हुए कहा गया था कि पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति से प्रेम संबंध है। इसके अलावा पत्नी ने मरने की बात भी लिखी है। छिंदवाड़ा कुटुम्ब न्यायालय ने अनावेदक पत्नी को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 125 के तहत चार हजार रुपये अंतरिम भरण-पोषण राशि प्रदान करने के आदेश जारी किए है। याचिकाकर्ता ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वह एक निजी अस्पताल में वार्ड बाय का काम करता है और उसका वेतन आठ हजार रुपये है।

हाई कोर्ट की फुल बेंच का महत्वपूर्ण आदेश

वसीयत पर आधारित होने के आधार पर तहसीलदार निरस्त नहीं कर सकता नामांतरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी व जस्टिस विवेक जैन की फुल बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया कि तहसीलदार महज इस आधार पर नामांतरण का आवेदन को निरस्त नहीं कर सकता कि वह वसीयत पर आधारित है। तहसीलदार को निर्विवाद रूप से वसीयत के आधार पर नामांतरण का अधिकार है।

उक्त विवाद को लेकर दो न्यायाधीशों ने अलग-अलग मत व्यक्त किए थे, जिस पर इसके निराकरण के लिए फुल बेंच का गठन किया गया था। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने कानूनी सिद्धांत का प्रतिपादन कर दिया।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में अभिनिर्धारित किया कि यदि वसीयतकर्ता के किसी कानूनी उत्तराधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वसीयत निष्पादित करने की प्रामाणिकता से संबंधित कोई विवाद नहीं उठाया जाता है, तो ऐसे मामलों में तहसीलदार को नामांतरण करने का अधिकार है। तहसीलदार निजी पक्षों के बीच मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 109 और 110 के अंतर्गत नामांतरण के मामलों में न्यायिक या अर्ध-न्यायिक कार्य नहीं करता है, बल्कि केवल प्रशासनिक कार्य करता है। इसलिए, वह नामांतरण के आवेदनों पर निर्णय लेने के उद्देश्य से कोई साक्ष्य लेने के लिए अधिकृत नहीं है।

क्या था मामला

नर्मदापुरम निवासी आनंद चौधरी, कटनी के विजय यादव सहित पांच ने याचिकाएं दायर की थीं। इस मामले में पूर्व में एक न्यायाधीश ने कहा था कि वसीयत के आधार पर कृषि भूमि का नामांतरण नहीं किया जा सकता, जबकि दूसरे न्यायाधीश ने कहा था कि तहसीलदार को इसका अधिकार है। विरोधाभासी आदेशों के कारण यह मामला फुल बेंच में रेफर किया गया। सुनवाई के बाद बेंच ने कहा कि तहसीलदार वसीयत के आधार पर नामांतरण के लिए आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन नियमानुसार मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों के बारे में पूछताछ करना और उन्हें नोटिस देना उसके लिए अनिवार्य होगा।

रेलवे साइडिंग एवं माल गोदाम का निरीक्षण

जबलपुर। जबलपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक-2 शशांक गुप्ता द्वारा गत दिवस रेलवे साइडिंग एवं माल गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बरगवां, मझौली, गजरा बहरा, देवरा ग्राम, सरई ग्राम रेलवे साइडिंग एवं मॉल गोदाम का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने लदान कार्य बढ़ाए जाने के सुझावों और समस्याओं पर विचार-विमर्श किया और लदान करने वाली पार्टियों से वार्ता की। उन्होंने कोयले के लदान के दौरान पर्यावरणीय दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की दिशा में भी निर्देश दिए। साथ ही कार्यरत कर्मचारियों को कोयले के अवस्थित भंडारण को यथोचित स्थान पर रखने की व्यवस्था करवाने हेतु सख्त निर्देश दिए गए ।इसके अलावा, इन साइडिंगों में अधोसंचना विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी ली । निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर पैनल संचालन के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की गई, और संचालन के दौरान संरक्षा से संबंधित सभी दिशानिर्देशों एवं दस्तावेजों के सही संकलन की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही, चल रहे लोडिंग और अनलोडिंग कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य एवं अन्य विभागों के निरीक्षक और पर्यवेक्षक उपस्थित थे। स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के भी सघन निरीक्षण किया गया एवं प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र क्रियान्वित किए जाने हेतु इंजीनियरिंग विभाग के फ़िल्ड स्टाफ को निर्देशित किया गया। दिव्यांग जनों हेतु आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

आज सुबह डुमना आयेंगे केंद्रीय मंत्री गडकरी

जबलपुर। केंद्र शासन के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आज रविवार 16 फरवरी की सुबह 8.45 बजे नागपुर से विमान द्वारा डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आगमन होगा। श्री गडकरी डुमना एयरपोर्ट पर सुबह 8.50 बजे जबलपुर क्षेत्र में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे तथा सुबह 9.30 बजे प्रयागराज प्रस्थान करेंगे।

तेज चाल प्रतियोगिता आज

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 43 वीं तेज चाल प्रतियोगिता का आयोजन आज रविवार 16 फरवरी को किया गया है। यह प्रतियोगिता प्रातः 6.30 बजे रामपुर परिसर स्थित पाण्डुताल मैदान से शुरू होगी। तेज चाल प्रतियोगिता में बिजली कंपनियों में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कार्मिकों के अलावा उनके पति.पत्नी, माता.पिता, सास.श्वसुर भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बाहरी महिला व पुरूष प्रतिभागियों को भी भाग लेने का अवसर दिया गया है। तेज चाल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पुरूष व महिला प्रतिभागियों के लिए विभिन्न आयु समूह में कुल दस वर्ग बनाए गए हैं। सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता तेज चाल के द्वारा ही पूर्ण करनी होगी और जो प्रतिभागी दौड़ेंगे उन्हें प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

प्रेक्षक डॉ भार्गव ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

एमपी पीएससी की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज

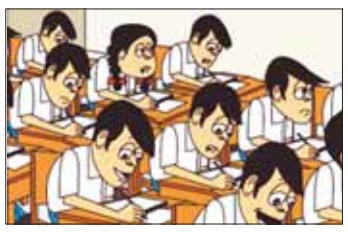

जबलपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की आज आयोजित की जा रही राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिये आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं वर्तमान में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ अशोक भार्गव ने शनिवार को जबलपुर शहर में बनाये गये कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ भार्गव ने परीक्षा केंद्रों पर किये गये सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा के सुचारू संचालन के मद्देनजर सहायक कोऑर्डिनेटर बनाये गये अधिकारियों एवं केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक निर्देश भी दिये। डॉ. भार्गव ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुये परीक्षा केंद्रों पर गोपनीय एवं अगोपनीय सामग्री के वितरण तथा परीक्षा के तुरंत बाद इनकी वापसी की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 के लिये जबलपुर शहर में 23 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं । रविवार 16 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक दो सत्रों में आयोजित इस परीक्षा में 7 हजार 610 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

औद्योगिक मास्टर प्लान बनाया जाए

जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने मुख्यमंत्री को भेजे सुझाव

जबलपुर। मप्र शासन द्वारा भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिये जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने मुख्यमंत्री को कुछ सुझाव भेजे है, जिसमें जबलपुर सहित इन्दोर, भोपाल और ग्वालियर में औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन करने और म. प्र. का औद्योगिक मास्टर प्लान बनाये जाने की मांग की है। चेंबर ने भेजे अपने सुझाव में कहा है कि प्रत्येक जिले में कल्स्टर बनाकर एक जिला एक उत्पाद को प्राथमिकता दी जाए। इससे इन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही उद्योगों में लगने वाली अनुमति (एनओसी) कम से कम कि जाए। पर्यावरण, फायर, लेबर एक्ट जैसे विभागों की एनओसी सरकार दिलाये। प्रत्येक जिले मे स्टार्टअप भवन भी बनाए जाए। चेम्बर अध्यक्ष प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल,नरिन्दर सिंह पांधे, अनिल अग्रवाल (सीए), अभिषेक ओसवाल, जितेन्द्र पचैरी, राकेष श्रीवास्तव, दीपक सेठी, जुगल किशोर तिवारी, शशिकांत पांडेय, धनंजय बाजपेयी, कर सलाहकार विजय अग्रवाल, उमेश ग्रावकर आदि ने चेम्बर द्वारा प्रेषित इन सुझावो को शामिल करने का आग्रह किया है।

पमरे के आरिफ अली, हसन अली एवं अभिषेक श्रीवास 82वी अखिल भारतीय अंतर रेल हॉकी (पुरुष) प्रतियोगिता के लिए अम्पायर नामित

जबलपुर। सिकंदराबाद तेलंगाना में दिनांक 17 से 22 फरवरी तक आयोजित होने वाली 82वी अखिल भारतीय अंतर रेल हॉकी (पुरुष) प्रतियोगिता हेतु पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर मंडल के आरिफ अली को तकनीकी अधिकारी व हसन अली एवं श्री अभिषेक श्रीवास को एम्पायर नामित किया गया है। अंतर रेल हॉकी प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर खेली जाएगी। साथ ही साथ इस प्रतियोगिता में भारत देश के नामी खिलाड़ी जिन्होनें अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर न केवल देश का नाम रोशन किया है वरन-हॉकी को एक नई पहचान दी है। वे सभी हॉकी खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। उक्त प्रतियोगिता के सफल व सुचारु रुप से संचालन हेतु उनकी नियुक्ति पर पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्रीमति शोभना बंदोपाध्याय, कुशाल सिंह, अध्यक्ष पमरे खेलकूद संघ, प्रभात पीसीपीओ, राजीव कुमार यादव, आईजी आरपीएफ, यशवंत कुमार, महासचिव-पमरे खेलकूद संघ, कमल कुमार तलरेजा, मंडल रेल प्रबंधक, मो. मुनव्वर खान वरि.मंडल सुरक्षा आयुक्त, सुबोध विश्वकर्मा मंडल खेलकूद अधिकारी, स्वप्निल पाटिल, वरि. मंडल यांत्रिक प्रबंधक, मधुर वर्मा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रजनीकांत साहू, दिग्विजय सिंह, हॉजी सैय्यद हैदर अली, मार्बल रॉक हॉकी क्लब के अध्यक्ष अजय मार्को, सचिव अशरफ अली, एशली दास, एल्विन सुशील कुमार, डॉ रमेश शुक्ला, डॉ. विशाल बन्ने, औंकार दुबे, लायन पप्पी खान, असलम अली, अफसर अली, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, विक्रम जन्सारी, गुलाम गौस, एवं समस्त खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

व्यवस्थित यातायात हेतु चौराहों में सिग्नल लाइट लगाने की मांग

जबलपुर। शहर के बेढंग यातायात को व्यवस्थित करने और सुचारू रूप से चलाये हेतु मुस्लिम बहुल क्षेत्र अंतर्गत बोहराबाग व आनंद नगर बस स्टॉप में ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने और रद्दी चौकी तथा गोहलपुर चौराहे पर बंद पड़े सिग्नल व सीसी टीवी कैमरो को चालू किये जाने की मांग वाला एक ज्ञापन मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक को दिया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि पूरे शहर सहित मुस्लिम बहुल क्षेत्र में यातायात बेढंगा हो गया है। अत्यधिक ऑटो रिक्शा हो जाने से यातायात अवरूद्ध हो जाता हैं जिससे स्कूली बच्चों को व महिलाओं तथा कर्मचारियों को जाम से अधिक परेशानी हो रहीं है, साथ ही लोग आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे है। मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, हाजी मुईन खान, फैजान क़ुरैशी, इरफान क़ुरैशी, बब्लू क़ुरैशी, अहमद रजा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किर्बारिया, अशफाक आरिफ, डॉ. निसार अंसारी, शेख निजामी, मामूर गुड्डू, अब्दुल बाकी खान, ताहिर खोकर, हाशिम राजा, अशरफ शिराजी, मो. जावेद आदि ने पुलिस अधीक्षक से श्रीध्र ही उचित कदम उठाकर शहर के नागरिकों को राहत देने की मांग की है।

पढ़ोगे तो आगे बढ़ोगे: मौलाना सैय्यद हसन असकरी

जबलपुर। मुस्लिम धर्मालंबियों की इबादत की रात शबे बारात जुमेरात को अक़ीदत से मनाई गई । इस मौके पर मुस्लिम बस्तियों मे रात भर चहल पहल बनी रही। मुस्लिम बंधुओं ने शबे बारात के मौक़े पर अपने घरों हजरते उवैस करनी रजी. की बारगाह मे नजरों न्याज की व रात्रि मे मस्जिदों मे इबादत कर अल्लाह से तौबा अस्तगफार कर माफ़ी मांगी। सुबह फजर की नमाज के बाद कब्रस्थान जाकर अपने मरहूमों की कब्र मे जाकर दुआएं मगफिरत की और फूल पेश किये। दारुलउलूम - मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी स्तिथ इस्लामी शिक्षा केंद्र दारुलउलूम अहले सुन्नत मे शबे बारात के मौक़े पर सूफिये मिल्लत हजरत बाबा सैय्यद तनवीर अशरफ शाह जिलानी के रूहानी फैजान से 52 वा जश्ने दस्तार (दीक्षान्त समारोह) का आयोजन रात्रि 9 बजे से किया गया। फाजिले बगदाद हजरत अल्लामा मौलाना सैय्यद हसन

असकरी मियाँ आयोजन की सरपरस्ती फरमाई । जलसे मे अपना ख़िताब बयान करते हुए असकरी मियाँ ने नौजवानों को सम्मोधित करते हुए फरमाया की पढ़ोगे तो आगे बढ़ोगे । हजरत ने अफ़सोस जाहिर करते हुए कहा की अगर हमारे कौम के बच्चे गरीबी के कारण अगर पढ़ ना सके तो धिक्कार है कौम के दौलतमन्दो पर। आपने कहा की अल्लाह के रसूल के उम्मती एसे नहीं हो सकते जो गरीबो की मदद ना करे। जलसे मे जानशीने बाबा ए मिल्लत सूफ़ी फारुख लकड़वाला, मुफ़्ती मो. मुईनुद्दीन अशरफी (रामपुर) हाफिज पीर नवाज (पूना) हजरत मौलाना सैय्यद अबरार बापू (गुजरात) ने भी अपनी नूरानी तक़रीर पेश कीइसके अलावा नातखा सैय्यद नौशाद अशरफी (गाडरवारा) मोहम्मद शाहिर (कोतमा) ने अपनी नात ए पाक पेश की। इस मौके पर 4 आलिम,15 हाफिज, 6 कारी को सनद डिग्री से नवाज़ा गया। तक़रीर उपरांत सालातो सलाम पेश किया गया और मुल्क की तरक्की खुशहाली की खास दुआएं मांगी गई। मुतवल्ली मोहम्मद तोहिद अशरफी व कमेटी ने जलसे मे शिरकत किये अक़ीदतमंदो का शुक्रिया अदा किया ।

जुए के 3 फड़ों पर छापा 21 जुआडी गिरफ्तार

14 हजार 90 रूपये जब्त

जबलपुर। लार्डगंज, कटंगी और मदनमहल पुलिस ने अपने अपने क्षेत्र में चल रहे जुए के फड़ों पर छापा मारकर 21 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगद 14 हजार 90 रुपए जब्त किए है।

लार्डगंज थाना प्रभारी हरिकशिन आटनेरे ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर मछरहाई मजार के पास जुआ मन्ना खेल रहे राजेन्द्र अग्रवाल निवासी अंधेरदेव , बाबू सलाम मंसूरी निवासी रद्दी चौकी पसियाना गोहलपुर, मुमताज अंसारी निवासी नई बस्ती गोहलपुर, बहादुर चक्रवर्ती निवासी आशानगर अधारताल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ताश के 52 पत्ते एवं 10 हजार 600 रूपये जप्त किए है।

इसी प्रकार कटंगी थाना प्रभारी श्रीमति पूजा उपाध्याय ने गत रात मुखबिर की सूचना पर ग्राम थूहा निवासी मुन्ना सिंह अपने घर के पीछे जगन्नाथ सिंह लोधी, सिरपत लोधी, राजकुमार सिंह, अर्जुन सिंह लोधी, खिलान सिंह, राजकुमार सिंह, हल्ले भाई सिंह, पंचम सिंह, मुन्ना लोधी , राजकुमार लोधी, सुरेन्द्र सिंह लोधी के साथ जुआ मन्ना खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने जुआड़ियों के कब्जे से ताश के 52 पत्ते और नगदी 2 हजार 450 रूपये जब्त किए है।

वहीं मदनमहल थाना प्रभारी ने गत दिवस एमएलबी चौक के पास दबिश देते हुए साहिल एवं अन्य 4 जुआरियों को जुआ खेलते हुये रंगे हाथ पकड़ा। पुलिस ने जुआरियों के पास से ताश के 52 पत्ते तथा 1 हजार 40 रूपये जप्त किए है। पुलिस ने सभी जुआड़ियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

अज्ञात के विरूद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत गंजीपुरा में एक व्यक्ति के मोबाइल पर वर्क फॉर होम टेलीग्राम ऐप पर एक विज्ञापन आया, जिसमें व्यक्ति ने क्लिक करके यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 96 हजार रुपए भेजे, जब व्यक्ति ने पुनः 20 प्रतिशत रुपए की मांग की, तो फिर व्यक्ति को लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंजीपुरा निवासी 48 वर्षीय हरीश कुमार बुधरानी ने लार्डगंज थाने में एक लिखित शिकायत की, कि गत 30 अगस्त 2024 को उसके मोबाइल मे वर्क फॉर होम टेलीग्राम ऐप पर विज्ञापन आया, जिसमें क्लिक करके उसके द्वारा लगभग 10-12 बार यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 96 हजार रूपये भेजे गये, पैसे भेजने के बाद उससे पुनः 20 प्रतिशत रूपये और मांगे गये तब उसे ज्ञात हुआ कि उसके साथ सायबर ठगी हो गयी है किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके साथ छल पूर्वक यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 96 हजार रूपये की ठगी की गई है। पुलिस ने लिखित शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश पर बदमाशों ने की युवक से मारपीट

जबलपुर। खमरिया थाना अतंर्गत पुरानी डिस्पेन्सरी के पास पुरानी रंजिश पर चार बदमाशों ने एक युवक के साथ गालीगलौज व मारपीट कर जातिगत रुप से अपमानित कर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गली नंबर 8 खमरिया निवासी 58 वर्षीय ओएफके फैक्ट्री खमरिया में जे.डब्ल्यु.एम. के पद पर कार्यरत बसंत लाल गोटिया गत दोपहर लगभग 12.40 बजे लंच के लिए अपनी बाईक से अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह पुरानी डिस्पेन्सरी पास पहुंचा, तभी उसकी बाईक के सामने भुवन सोनी ने अपनी कार अड़ाकर रोक ली। पुरानी रंजिश पर भुवन सोनी एवं उसके तीन अन्य साथी जातिगत शब्दों का प्रयोग कर

गाली गलौज करने लगे, मना करने पर एक बदमाश ने उसे पकड़ लिया और भुवन सोनी ने डंडे से और एक ने मारपीट कर चोटे पहुंचा दी। चारों जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 126(2), 115(2), 351(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता तथा 3(1)द, 3(1)ध, 3(2)व्हीए एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

शराब के लिए रंगदारी नहीं देने पर वृद्ध को चाकू मारा

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत रब्बानी दरगाह के पीछे शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने पर दो बदमाशों ने एक वृद्ध के साथ मारपीट कर उसका अंगूठा मोड़ दिया और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पचकुईया हनुमानताल निवासी 71 वर्षीय मोह. शहनवाज शाह गत रात लगभग 10.30 बजे मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान से फूल चढ़ाकर आ रहा था, जैसे ही रब्बानी दरगाह के पीछे पहुंचा, तभी वहां पर राजा एवं राजू उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो दोनों गाली गलोज करने लगे। राजू ने हाथ का अंगूठा मोड़ दिया तथा मारपीट कर दी, वहीं राजा ने चाकू से उसकी गर्दन पर पीछे हमलाकर दिया। वह जान बचाकर भागा तो दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 351(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

राजस्व प्रकरणों पर गंभीरता से कार्य करें : कलेक्टर

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजस्व महाअभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने नक्शा बटांकन, आधार से आरओआर लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, धारणाधिकार तथा आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व महाअभियान अंतर्गत सभी कार्यों में प्रगति लायें, इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इसके साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें और उनका निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण से जिले की रैंकिंग में सुधार होगी। इस दौरान कलेक्टर सक्सेना ने एक-एक प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार फील्ड विजिट करें और अपने-अपने कार्य को देखें। उन्होंने कहा कि पटवारी अपने मुख्यालय में रहे और सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य करें और जो पटवारी कार्य नहीं करते हैं उनका नो वर्क नो पे के आधार पर वेतन कटेगा। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि प्राथमिकता के विषयों में तत्परता से कार्य करें। सीएम हेल्पलाईन, आधार से आरओआर लिंकिंग, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण व राजस्व महाअभियान के घटकों पर सभी राजस्व अधिकारी ध्यान केन्द्रित कर प्रकरणों का निराकरण करें। फरवरी में एक भी सीएम हेल्पलाईन के शिकायत नॉट अटेंडेंट न रहें। पटवारी यदि फील्ड को छोड़कर बिना कारण के तहसील आफिस में दिखें तो उनका उस दिन का वेतन काट दिया जाये। शहरी क्षेत्र में पटवारी कहां बैठकर अपना काम करेंगे, इसे तहसीलदार नियत करें। बैठक में राजस्व प्रकरणों के साथ अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुमिशा सिंह, नाथूराम गौड़ सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प की मेज़बानी करेगा ज्ञानगंगा

जबलपुर। एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा प्रायोजित इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प की मेज़बानी ज्ञानगंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, जबलपुर द्वारा की जाएगी। आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा प्रायोजित "इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प" 17 से 21 फरवरी 2025 तक ज्ञानगंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज , जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। यह बूटकैम्प छात्रों के बीच समस्या समाधान, डिज़ाइन सोच और एंटरप्रेन्योरशिप कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह बूटकैंप तीन चरणों में आयोजित किया गया है जिसमें पहला चरण डिज़ाइन सोच और समस्या पहचान पर केंद्रित होगा, जहां प्रतिभागी प्रमुख चुनौतियों और समाधानों की पहचान करेंगे। द्वितीय चरण में प्रोटोटाइप निर्माण और बाजार मान्यता पर जोर देगा, जिसमें छात्रों को उनके विचारों को व्यावहारिक उत्पादों और सेवाओं में बदलने का मार्गदर्शन मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. राजनीत जैन, पंकज गोयल, इंजीनियर अपूर्व सिंघई, इंजीनियर विशेष जैन, डॉ. रविंद्र वी. क्षीरसागर (प्राचार्य एवं नोडल केन्द्र प्रमुख) और डॉ. अशोक वर्मा (एसपीओसी) शामिल थे। गणमान्य व्यक्तियों ने भारत में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के भविष्य को आकार देने में ऐसी पहल के महत्व पर मूल्यवान विचार साझा किए।

निःशुल्क योग शिविर से आमजन हो रहे लाभान्वित

जबलपुर। विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में विगत पांच दिवस से आसन प्राणायाम एवं ध्यान शिविर का निःशुल्क आयोजन उमाघाट, ग्वारीघाट नर्मदा तट पर किया जा रहा है। इस शिविर में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग आसन प्राणायाम का प्रशिक्षण योगाचार्य जयराम सिंह द्वारा दिया जा रहा है। प्रतिदिन सभी को ध्यान द्वारा किस प्रकार से मानसिक तनाव, अनिद्रा, डिप्रेशन को दूर किया जाए, यह भी बताया जा रहा है। विहंगम योग के सिद्धांत को जनमानस के लिए सुलभ करने के उद्देश्य से यह शिविर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं। इस शिविर में आमजन की सहभागिता है। इस आयोजन में मुख्य रूप से सीमा श्रीवास्तव, मदन प्रसाद, आरपी पांडे, हरेन्द्र सिंह का विशेष योगदान है।

कनिष्ठ प्रबंधन का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। (सं./संधा.) वृत्त छिंदवाड़ा के प्रशासनिक भवन में लाइन परिचायकों एवं प्रशिक्षण सहायकों का आरडीएसएस योजनांतर्गत "स्मार्ट मीटरिंग एवं एटी एंड सी लॉस कम करने" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 फरवरी से 15 फरवरी तक का शुभारंभ केएल वर्मा, मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) के मुख्य आतिथ्य में सरस्वती पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का महत्व समझाया एवं प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त होने वाले ज्ञान का उपयोग अपने कार्यस्थल पर करते हुए अच्छा कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण का आयोजन एस.के. गिरिया, अति. मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) के निर्देशन में केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, जबलपुर द्वारा (सं./संधा.) वृत्त छिंदवाड़ा के सहयोग से किया गया। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर से पधारे संजय कुमार देवलिया (मैनेजर) एवं क्षितिज जैन (सिस्टम एनालिस्ट) एवं अन्य मास्टर्स ट्रेनर्स ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया एवं विस्तार से अवगत कराया कि लाइन लॉस किस प्रकार कम किया जा सकता है एवं स्मार्ट मीटर के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

एनएसयूआई ने कैंडल मार्च आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

पुलवामा हमले की बरसी पर शहीद जवानों को किया याद

जबलपुर। पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों की छठवीं बरसी के अवसर पर एनएसयूआई जबलपुर द्वारा एक कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनएसयूआई पदाधिकारी अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में कांचघर चौक पर संपन्न हुआ, जहां उपस्थित कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय नागरिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एनएसयूआई के अनुराग शुक्ला ने कहा कि आज का दिन हमें उन वीर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की। उनकी शहादत को हम कभी भुला नहीं सकते। यह केवल एक दिन का स्मरण नहीं, बल्कि उन वीरों के बलिदान को नमन करने और उनकी राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का अवसर भी है। इस अवसर पर एनएसयूआई के सागर शुक्ला, अदनान अंसारी, प्रतीक गौतम,शफी खान,अंकित शुक्ला,गोल्डी पांडे, अंकित कोरी,सनी महाजन,साहिल रजक, एजाज अंसारी,योग ठाकुर,साहिल यूके एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

परिचय सम्मेलन में 200 लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

जबलपुर। महिमा कल्याण महिला समिति एवं तेजस्विनी महिमा फाउण्डेशन के द्वारा 14 फरवरी 2025 को विवाह परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें शारीरिक दिव्यांग, विधवा, विदुर, तलाकशुदा एवं सामान्य हिन्दू, सिंधी, पंजाबी, सभी हिन्दू राष्ट्रीय स्तर पर परिचय सम्मेलन में भाग लिया। इस परिचय सम्मेलन के मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया रहे, उन्होंने इस कार्यक्रम की विशेषताओं को लोगों के सामने रखा, जिसमें तैयार जोड़ों का विवाह अक्षय तृतीया पर विवाह सम्मेलन में करने का निर्णय लिया गया। देश में शाही शादी में लाखों का खर्च हो जाते हैं दिखावे में। खर्च बचाने के लिए हमारी संस्था के द्वारा परिचय सम्मेलन किया गया, इस परिचय सम्मेलन में करीब 200 लोगों में रजिस्ट्रेशन कराया।

नाटक 'पंचम वेद' का सफल मंचन

जबलपुर। नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा नाटक "पंचम वेद" की प्रस्तुति दविन्दर सिंह ग्रोवर के निर्देशन में श्री जानकी रमन महाविद्यालय के प्रेक्षग्रह ग्रह में संपन्न हुई अवसर था राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव 2025 के अंतर्गत विश्व जन रंग के माध्यम से पंचम वेद नाट्य शास्त्र के तत्वों से अवगत कराना और नाट्य शास्त्र को रचने के उद्देश्य को स्पष्ट करना, प्रस्तुति देने वाले कलाकार भरत मुनि की भूमिका में रविंद्र मुरहार अन्य मुनि गण विनय शर्मा, पराग तेलांग, अरमान गुप्ता, अनिकेत अहिरवार, नृतिकी-वैष्णवी बरसैयां, संगीत निर्देशन डॉक्टर शिप्रा सुल्लेरे, मुस्कान सोनी (गायन), मानसी सोनी (तबला) अनामिका बाजपाई और अर्पिता तिवारी, इस अवसर पर श्री जानकी राम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अभिजात कृष्ण त्रिपाठी,रंग निदेशक संजय गर्ग, इतिहासकार डॉ आनंद सिंह राणा,नरिंदर कौर ,प्रो अजय मिश्रा,हर्षित झा,देवदीप सिंह, ऋतिक साहू, एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पाटन। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पाटन के निर्देशन में श्री दशरथ सिंह भिड़े, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड पाटन एवं न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय द्वारा ग्राम न्यायालय लुहारी के दौरे के दौरान ग्राम पंचायत लुहारी कटंगी में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवाएं विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से शासन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में भी शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों एवं शिक्षकगणों को अवगत कराया गया तथा आगामी नेशनल लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी गई। उक्त शिविर में श्री दशरथ सिंह भिडे, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्री कमलेश पटेल सचिव ग्राम पंचायत लुहारी एवं विधिक तथा सिविल कोर्ट के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संत रविदास जी की प्रतिमा का अनावरण आज

सिहोरा। सामाजिक समरसता के महान संत रविदास जी के प्रतिमा का अनावरण आज 15 फरवरी रविवार को दोपहर 2 बजे से लमकना के पास मझगवां मैं किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक अखिल भारतीय ओबीसी महासभा एससी एसटी संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटे पटेल ने बताया कार्यालय आचार्य संत श्री रामदयाल शास्त्री,संत कन्हैया दास,लालधर शास्त्री के सानिध्य में होगा। समारोह महासभा के राष्ट्रीय महासचिव ललित कुमार गौड़ के मुख्य आतिथ्य,कुशवाहा समाज के प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ कुशवाहा की अध्यक्षता एंव जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, विवेक पटेल, प्रदीप पटेल कमिश्नर जीएसटी जबलपुर लोकेश लिल्हारे, डिप्टी कलेक्टर छिंदवाड़ा राहुल पटेल, डिप्टी कलेक्टर कटनी ज्योति लिल्हारे, निशा बांगरे, तहसीलदार रीवा भगवानदास चौधरी,रामरतन यादव,बबीता गोटिया, सतीश यादव विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे। अनावरण समारोह में पहुंचने की अपील सरपंच बेला शांति रामराज पटेल,लमकना बहादुर पटेल, झिंगरई जितेंद्र दीवान, मुन्ना लाल पटेल, गुलाब मरकाम, अनिल पटेल आदि ने की है।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र में महिला सहकारिता पर प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर। "आज समाज में यह गौरव की बात है कि महिलाएं संगठित होकर अपने आर्थिक हितों के लिए तेजी से आगे बढ़ रही हैं और इन महिलाओं का यह समूह अगर सहकारी समितियों का गठन करके विभिन्न प्रकार के उपयोगी कार्य करें तो आर्थिक रूप से आत्म निर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने में काफी मदद मिल सकती है।" उक्त विचार दुग्ध संघ सांची के महाप्रबंधक कमल यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र कटंगा जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत महिलाओं के लिए कौशल उन्नयन और नेतृत्व विकास को लेकर आयोजित सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर व्यक्त किए।

एस्कड योजना अंतर्गत पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

मझौली। विकासखंड मझौली के ग्राम पोला में विकासखंड स्तरीय एस्कड योजना के तहत पशु चिकित्सा जागरूकता शिविर दिनांक 13 फरवरी को आयोजित हुआ। शिविर के दौरान 54 पशु उपचार,172 पशुओं को दवा वितरण,3 कृत्रिम गर्भाधान,7 गर्भ परीक्षण किए गए। पशु पालकों की संगोष्ठी आयोजित कर उत्तम पशु पालन की जानकारी दी गई। शिविर में 65 पशुपालक गणमान्य नागरिक गुलाब पटेल , हरीशचंद्र यादव, उपसरपंच अंगद पटेल, अटल पटेल उपस्थित रहे।

निधन

श्रीमती कमला भाटिया- नेपियर टाउन निवासी श्री राजपाल भाटिया की धर्मपत्नी श्रीमती कमला भाटिया (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई लोधी- गोरखपुर पीपल मोहल्ला निवासी श्री मोती लाल लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई लोधी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पतिया बाई यादव- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी राजेंद्र यादव की धर्मपत्नी श्रीमती पतिया बाई यादव (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता दीवान- बराट रोड नेपियर टाउन निवासी श्री विनोद दीवान की धर्मपत्नी श्रीमती गीता दीवान (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ज्वाला प्रसाद श्रीवास्तव- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री ज्वाला प्रसाद श्रीवास्तव (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री छक्की लाल बेन- गौरीघाट पंडा बस्ती निवासी श्री छक्की लाल बेन (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामदास चौधरी- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री रामदास चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री चरण लाल बर्मन- बेदीनगर मदनमहल नागपुर रोड निवासी श्री चरण लाल बर्मन (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कैलाश देवक- फूटाताल निवासी श्री कैलाश देवक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महेश चंद्र गुप्ता- श्रीनाथ की तलैया निवासी श्री महेश चंद्र गुप्ता (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता फब्यानी- सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री आनंद फब्यानी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता फब्यानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. कुमकुम पाठक- तिलहरी निवासी श्री राजकुमार पाठक की पुत्री कु. कुमकुम पाठक (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सीमंत गोहेरा- सिंधी सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद गोहेरा के पुत्र श्री सीमंत गोहेरा (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दीन दयाल रावत- न्यू जगदम्बा कॉलोनी निवासी श्री दीन दयाल रावत (102) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती माया मुकुंद फड़के- सुदामानगर मदनमहल निवासी श्री मुकुंद फड़के की धर्मपत्नी श्रीमती माया मुकुंद फड़के (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुदीष कुमार गूजर- अर्जुनदेव कॉलानी नर्मदा नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री सुदीष कुमार गूजर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंदा बाई पासी- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री बिहारी लाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा बाई पासी (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

27वीं राष्ट्रीय मेक्सिलोफेशियल सर्जरी कार्यशाला 19 फरवरी को

जबलपुर। इंडियन एकेडमी ऑफ मेक्सिलोफेशियल सर्जरी के तत्वावधान में हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं जबलपुर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से 27वीं राष्ट्रीय मेक्सिलोफेशियल सर्जरी कार्यशाला का शुभारंभ 19 फरवरी को हितकारिणी डेंटल कॉलेज के प्रेक्षागृह में किया जा रहा है। कार्यशाला के कार्यक्रम संयोजक मेक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. राजेश धीरावाणी ने बताया कि इस चार दिवसीय कार्यशाला में अमेरिका से प्रो. जीई घाली, डॉ. माइकल टर्नर, डॉ. स्तावान पटेल तथा भारतीय फेकल्टी में प्रो. जेएन खन्ना, डॉ. महेन्द्र अग्रवाल, डॉ. जीवनलता, डॉ. मनोज गोयल, डॉ. राजीव बोरले, डॉ. नितिन भोला, डॉ. अनिल डिकूज, डॉ. रामकृष्ण शिनॉय एवं आयोजन समिति में डॉ. राजेश बी. धीरावाणी, डॉ. गुंजन दुबे, डॉ. संयोग पाठक, डॉ. अंकित शर्मा रहेंगे। हितकारिणी डेंटल कॉलेज के डायरेक्टर एवं डीन डॉ. राजेश धीरावाणी एवं डॉ. रोहित मिश्रा ने जानकारी दी की कार्यशाला का वैज्ञानिक सत्र प्रातः 09 बजे हितकारिणी डेंटल कॉलेज के प्रेक्षागृह में प्रारंभ होगा एवं मरीजों के ऑपरेशन पर जीवंत प्रसारण 21 फरवरी एवं 22 फरवरी को जबलपुर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार
जबलपुर जिला जबलपुर
रा.प्र.क./1914/अ-6/2024-25
आम इश्तहार
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश प्रसाद बडगैया पिता स्व. लाचन प्रसाद बडगैया निवासी- ग्राम पिण्डरई तहसील व जिला जबलपुर द्वारा ग्राम पिण्डरई प.ह.नं. 28 रा. नि.म. जबलपुर - 2 तह. व जिला जबलपुर स्थित भूमि ख.नं. 598, 642, 643 रकवा क्रमशः 0.140 हे, 1.100 हे. 0.120 हे. भूमि में दर्ज सहखातेदार निखिल बडगैया पिता रमेश प्रसाद दिनांक 26/01/2020 को अविवाहित फौत हो जाने पर फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जायेगा।
जारी दिनांक-11/02/2025
पेशी दिनांक-27/02/2025
तहसीलदार
जबलपुर

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड : शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान मुनाफे का सौदा

▶▶ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▶▶ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस

▶▶ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▶▶ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

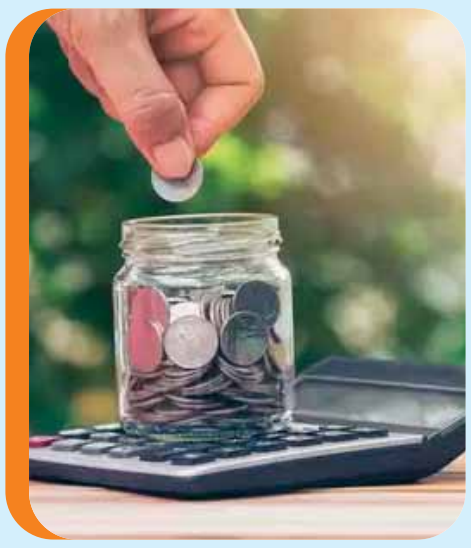

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड

बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्ट टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर्न बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

● लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी — पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा इन दिनों चर्चा में है। इसके कई कारण हैं। पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने जिस तरह हथकड़ियों में जकड़कर भारत भेजा, वह जहां भारत के लिए अपमानित करने वाला था, वहीं भारत में अमेरिका के इस कृत्य की काफी आलोचना हुई। यह माना गया कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता में यूएस को इस बारे में भारत की नाराजगी से अवगत कराएंगे। पीएम मोदी के साथ वार्ता से चंद घंटे पहले अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगाने का ऐलान किया और वार्ता के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में मोदी के सामने ही ट्रंप ने कहा कि इस टैरिफ से भारत को भी छूट नहीं होगी। ट्रंप व मोदी की कथित दोस्ती के बीच अमेरिका का व्यवहार भारत के अनुकूल यथोचित नहीं कहा जा सकता है। हर देश को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन का हक है और आयात पर टैरिफ लगाने का अधिकार है, लेकिन सबकुछ नियम व मर्यादा में होना चाहिए। मेहमान के सामने भी सम्मान का पालन होना चाहिए। जवाबी टैरिफ से विश्व में नया ट्रेड वार छिड़ने की संभावना है। शेयर बाजार दहशत में है। अपने व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए भारत पर आयात बढ़ाने का दबाव बढ़ाना भी उचित नहीं है। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कुटिल ट्रेड-कूटनीति की राह पर ट्रंप

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य प्रतिक्षित कूटनीतिक वार्ता संपन्न हो गई। इस समस्त कूटनीतिक वार्ता का निचोड़ निकालें तो अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप की कुटील कूटनीति स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आ जाती है। कूटनीतिक वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बड़े राजनेता के मुकाबले में एक बड़े व्यापारी के चरित्र के साथ अपना अंध-राष्ट्रवादी प्रेजिडेंशियल आचरण बाकायदा पेश किया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे का कुटिल कूटनीतिक नकाब धारण किए हुए, डोनाल्ड ट्रंप वस्तुतः अमेरिका को और अधिक दौलतमंद अमीर और ताकतवर मुल्क बना देने की मुहीम में बाकायदा जुट गए हैं, ताकि नव-साम्राज्यवादी फितरत वाला अमेरिका दुनिया पर और अधिक आर्थिक और राजनीतिक कहर बरपा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संधि से अमेरिका को पृथक कर लेने वाली ट्रंप की हुकूमत आखिरकार किस तरह से जॉर्ज वाशिंगटन और अब्राहम लिंकन के ऐतिहासिक तौर पर महान रहे अमेरिका को एक दफा फिर से महान बनाने की परिकल्पना में डुबकियां लगा रही है।

रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई कूटनीतिक वार्ता के तत्पश्चात प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत और अमेरिका के मध्य विद्यमान 45 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को घटाने के लिए अमेरिका द्वारा भारत को एफ-35 फाइटर जेट सहित अधिक तेल, गैस और सैन्य हार्डवेयर विक्रय किए जाएंगे। वर्ष 2025 में अमेरिकन प्रेसिडेंट के पद पर सत्तासीन होते ही ट्रंप द्वारा भारत को रक्षा सामग्री की बिक्री बढ़ाने की बातें कही गई हैं। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका द्वारा भारत को कई अरब डॉलर की रक्षा सामग्री की बिक्री की जाएगी और भारत को एफ-35 फाइटर जेट बेचने के तौर-तरीके अमेरिका तलाश करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका द्वारा जारी संयुक्त बयान में भारत द्वारा एफ-35 फाइटर जेट की खरीदारी के विषय में कहीं कोई भी उल्लेख नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने फरमाया कि एफ-35 फाइटर जेट बेचने की अमेरिका द्वारा भारत को पेशकश की गई है। भारत के समक्ष रूस में निर्मित एसयू-57 फाइटर जेट को खरीदने का सशक्त विकल्प पहले से ही विद्यमान है, जोकि अमेरिका में निर्मित एफ-35 लड़ाकू विमान के मुकाबले तकरीबन आधी कीमत में भारत के लिए उपलब्ध है। एस-यू 57 फाइटर जेट सैन्य तकनीकी दृष्टि से एफ-35 फाइटर जेट से कहीं अधिक बेहतर करार दिया जाता है। अमेरिका के एफ-35 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 6000 करोड़ रुपये से लेकर 8000 करोड़ रुपये तक है, जबकि रूस के एसयू-57 फाइटर जेट की कीमत तकरीबन 3000 करोड़ से लेकर 4000 करोड़ रुपये तक है। रूस की पुतिन सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पेशकश यह है कि एसयू-57 फाइटर जेट को भारत में ही निर्मित करने के लिए रूस अपनी वैज्ञानिक तकनीक बाकायदा उपलब्ध कराएगा। जबकि अमेरिकन ट्रंप हुकूमत एफ-35 फाइटर जेट के निर्माण की तकनीक की अनुमति भारत को प्रदान करने के लिए तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार संतुलन अभी तक भारत के पक्ष में रहा है और भारत लगभग दो लाख करोड़ रुपयों की सामग्री का अमेरिका से आयात करता है और तकरीबन 4 लाख करोड़ के सामान का निर्यात करता है। इस तरह तकरीबन 2 लाख करोड़ रुपये का व्यापार मुनाफा भारत के पक्ष में रहता है।

रिसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि अमेरिकन प्रशासन प्रत्येक देश पर रिसिप्रोकल टैरिफ आयाद करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकन माल पर आयद अनुचित टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो कि भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान की पहुंच को कम कर देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि भारत जो भी टैरिफ अमरीकी माल पर आयाद करेगा उसी अनुपात में अमेरिका भी उतना टैरिफ भारतीय माल पर भी आयाद कर देगा। वर्ष 2030 तक नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के मध्य व्यापार को दो गुना कर देने की बात भी कही है। अमेरिका में अवैध तौर पर निवास कर रहे अप्रवासी भारतीयों के विषय में मोदी ने कहा कि इस संवेदनशील समस्या पर हम दोनों के खयालात एक समान ही रहे हैं और अमेरिका में अवैध रूप से निवास कर रहे, किसी भारतीय का सत्यापन हो जाता है तो उन्हें भारत वापस में लेने के लिए भारत पूरी तरह से तत्पर है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बयान दिया था कि भारत सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार से बात करके यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अवैध तौर पर अमेरिका में रह रहे भारतवासियों के साथ वापस भेजते समय कोई दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा, जिस तरह का दुर्व्यवहार हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अप्रवासी भारतवासियों के साथ किया जा चुका है।

अमानवीय व्यवहार पर आश्वासन नहीं

अमेरिका के अमानवीय व्यवहार पर मोदी सरकार की विपक्ष द्वारा कटु आलोचना की गई थी और भारत के आम नागरिकों में भी अमेरिका के विरुद्ध बहुत गुस्सा प्रकट हुआ था। दुर्भाग्य से भारच-अमेरीकी कूटनीतिक वार्ता में इस तरह का कोई भी आश्वासन प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा नरेंद्र मोदी को नहीं दिया गया। भारतीयों के लिए एच-वन बी वीजा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई स्पष्ट उल्लेख अमेरिका-भारत के साझा बयान में नहीं किया गया है। भारत में सन् 2008 में मुंबई पर अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण के साजिशकर्ता दहशतगर्द तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित किए जाने की अनुमति देने के लिए मोदी ने ट्रंप को धन्यवाद अदा किया है।

नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात पहली बार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में वर्ष 2017 में हुई थी। इसके बाद दोनों राजनेताओं के मध्य एक बेहतरीन व्यक्तिगत दोस्ती विकसित हुई। अमेरिका के हुयूस्टन नगर में हाउडी मोदी और भारत के अहमदाबाद नगर में नमस्ते ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान यह दोस्ती और अधिक डंका बजा गई।

टैरिफ कटौती में भारत को रियायत नहीं

व्हाइट हाउस में विगत मुलाकात के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि आई मिस यू मिस्टर मोदी एट ऑल। सर्वविदित है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राजनेताओं की व्यक्तिगत दोस्ती से कहीं ऊपर उठकर देशों के राष्ट्रीय हित कारगर तौर पर शक्तिशाली होते हैं। भारत के लिए टैरिफ कटौती के प्रश्न पर प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा भारत को कदाचित कोई रियायत प्रदान नहीं की गई है। वर्ष 2021 तक भारत वस्तुतः अमेरिकन तेल के लिए एक बड़ा बाजार था। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में भारत ने बड़े पैमाने पर रूस से बाजार की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करना प्रारंभ किया। प्रेसिडेंट ट्रंप के तमाम कूटनीतिक दबाव के बावजूद भारत भविष्य में तय करेगा कि उसको अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदना है, यह तो तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगा। ईरान के साथ भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तौर पर प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण भारत कर रहा है। चाबहार बंदरगाह वस्तुतः ईरान और अफगानिस्तान के माध्यम से मध्य एशिया के साथ भारत की त्वरित कनेक्टिविटी कायम करने के लिए भारत की सामरिक रणनीति का हिस्सा है। प्रेसिडेंट ट्रंप की कूटनीति में ईरान जबरदस्त निशाने पर रहा है। क्या भारत फिर से अमेरिका कूटनीति के कुटिल दबाव में ईरान से तेल का आयात करना बंद कर देगा और चाबहार बंदरगाह का निर्माण कार्य रोक देगा, कदाचित नहीं।

भारत अपने राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कदापि नहीं कर सकेगा? भारत ने अमेरिका के जबरदस्त कूटनीतिक बावजूद रूस से तेल आयात करना कदाचित बंद नहीं किया, बल्कि आयातित तेल की मात्रा और अधिक बढ़ा दी गई है। क्वॉड के रणनीतिक मोर्चे पर भारत और अमेरिका सामरिक तौर पर साझेदार बने रहे हैं। क्वॉड मोर्चा वस्तुतः चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध ही निर्मित हुआ था, और इसमें ऑस्ट्रेलिया और जापान दूसरे दो प्रमुख देश भी शामिल रहे हैं। इस वर्ष क्वॉड का वार्षिक सम्मेलन भारत में आयोजित होना है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेसिडेंट ट्रंप को शिरकत करने का निमंत्रण दिया जा सकता है। चीन के विस्तारवाद पर और लद्दाख में उत्पन्न हुए सैन्य तनाव के बाद भारत और चीन के संबंधों के विषय में प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि लद्दाख में रक्त रंजित सैन्य झड़प बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और भयानक थी और भारत- चीन सरहद पर घटित हुई सैन्य झड़प आगे फिर ना हो, मैं इसमें क्या मदद कर सकता हूं? उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भारत, रूस और अमेरिका एक साथ आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और चीन के मध्य शिथिल हुई ट्रेड वार डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसीडेंशियल दौर में एक बार फिर से तीव्र गति से परवान चढ़ सकती है। क्योंकि अमेरिका और चीन के मध्य व्यापार संतुलन में चीन का पलड़ा बहुत अत्यधिक भारी रहा है और अमेरिका-चीन व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा तकरीबन 295 बिलीयन डॉलर का है।

भारत से दोस्ती कायम रखने की ट्रंप से उम्मीद

भारत, मध्य पूर्व और यूरोपियन इकोनॉमिक कॉरिडोर पर प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि दुनिया में ऐतिहासिक रूप है। यह महान व्यापारिक मार्ग में से एक सिद्ध होगा, जिसके निर्माण में अमेरिका और भारत एक साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। वस्तुतः चीन के विस्तार बात के विरुद्ध और ताइवान के हिफाजत करने के लिए भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के लिए एक विवशता है। अन्यथा सन् 1947 के बाद से ही जब से भारत आजाद हुआ और पाकिस्तान का निर्माण हुआ, अमेरिका सदैव पाकिस्तान का प्रबल पक्षधर बना रहा और पाकिस्तान को अपने नेतृत्व में सैन्य संधि सेंटो में भी शामिल किया था। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की सैनिक सरकार को आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए गए। प्रेसिडेंट ट्रंप ने अपने प्रथम कार्यकाल में पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र को किसी हद तक पहचाना था और अमेरिका ने पाकिस्तान से दूरियां बनाकर उसकी सैन्य सहायता को रोका था। न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए 9/11 के आतंकवादी आक्रमण के बाद भारत और अमेरिका निकट आए और वैश्विक जेहादी आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट हुए। अमेरिका के राष्ट्रीय हित ही सही, उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रति अपनी दोस्ती को कायम बनाए रखेंगे।

चुनौतियों में कारोबार की नई संभावनाएं

द्विपक्षीय वार्ता

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

वरिष्ठ अर्थशास्त्री

हाल ही में 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमेरिका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमेरिका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है।

500 अरब डालर का लक्ष्य तय

दोनों देशों ने अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमेरिकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। चूंकि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं। अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया।

भारत ने आयात शुल्क घटाए

एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड

इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमेरिका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमेरिका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढ़ना शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है।

ट्रेड वार में भारत के लिए अवसर

यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्ट्स शीट में कहा गया है कि अमेरिका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फ़ीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है।

बराबर टैरिफ चाहते हैं ट्रंप

ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमेरिका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमेरिका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमेरिका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े ।

ऐसे में अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज़्यादा है, अगर अमेरिका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा। टैरिफ के अलावा अमेरिका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमेरिका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमेरिका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा। चूंकि इस समय डॉलर की तुलना में रुपये का मूल्य अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

आर्थिक रिश्तों का नया दौर

भारत अगर अमेरिका से तेल आयात करता है तो तेल के लिए डॉलर में अधिक भुगतान रुपये का विनिमय मूल्य और कम करते हुए दिखाई देगा। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच 14 फरवरी को हुई द्विपक्षीय वार्ता से जो नई आर्थिक इबारत लिखी गई है, उससे भारत-अमेरिका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद करें कि भारत का उद्योग-कारोबार गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और लागत में कमी करते हुए ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ का मुकाबला करने में सफल होगा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देश अपने आपसी कारोबार को दोगुना से भी अधिक करते हुए निर्धारित किए गए 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार की डगर पर पहुंचाने में सफल होंगे।

यूएस टैरिफ वार की दहशत में बाजार

अर्थव्यवस्था

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका ने अब नया युद्ध छेड़ा है। अमेरिका को ग्रेट बनाने के लिए। टैरिफ वार। इसके लिए किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। मित्र राष्ट्र को भी नहीं। यानी भारत को भी नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता से कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा शुल्क) के प्रस्ताव पर मुहर लगाई और मोदी के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस संबोधन में भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ आयद संबंधी सवाल पूछने पर ट्रंप ने छूटते ही कहा कि भारत भी मुक्त नहीं है। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ नियमों से वैश्विक स्तर पर ट्रेड वार के तेज होने की संभावना है। इससे जहां दुनिया के स्टॉक मार्केट वोलेटाइल हालत में है, वहीं भारत समेत अनेक देश के निर्यात प्रभावित होंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैरिफ का फैसला चीन व कनाडा को अधिक प्रभावित करेगा, लेकिन हकीकत में विश्व के अनेक देशों पर असर पड़ेगा। अमेरिका में गत 20 जनवरी को सत्ता संभालने के दिन से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई किंतु-परंतु का दौर शुरू है। सबसे अधिक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार उठापटक तेज है, शेयरों का गिरना जारी है। अच्छी कंपनियों के शेयर भी चपेट में हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट भी डर डर कर सरक रहा है।

शेयर बाजार में अनिश्चितता

अब रेसिप्रोकल टैरिफ के फैसले के बाद शेयर बाजारों के और अधिक दहशत में रहने की संभावना बढ़ गई है। यह दौर कब कैसे थमेगा, कहना मुश्किल है। अप्रैल से लागू होने वाले ट्रंप के रेसीप्रोकल टैरिफ का असर भारत, जापान व यूरोपीय यूनियन सहित कई देशों पर पड़ेगा। यूएस निर्यात पर भारत का हाई टैरिफ रेट औसतन 9.5 फीसदी है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर केवल 3 फीसदी टैरिफ लगाता है। ऐसे में रेसीप्रोकल टैरिफ के चलते भारतीय निर्यातकों को अधिक शुल्क देना होगा। भारत के फूड प्रोडक्ट, सब्जियां, टेक्सटाइल और क्लॉथिंग सेक्टर के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इलेक्ट्रिकल मशीनरी, रत्न और आभूषण, फार्मा प्रोडक्ट, ऑटो, केमिकल, वाहन, ईंधन, लोहा और स्टील जैसे उत्पाद भारत अमेरिका को निर्यात करता है। भारत और अमेरिका के ट्रेड रिलेशन्स काफी कॉम्प्लेक्स हैं। जवाबी टैरिफ के ऐलान के बाद कॉम्प्लीकेटेड होने के आसार बढ़ गए हैं। अभी भारत करीब 30 उत्पादों पर टैरिफ कम करने के बारे में सोच रहा है, साथ ही व्यापार संबंधी तनावों को कम करने के लिए अमेरिका से डिफेंस और एनर्जी उत्पादों का आयात बढ़ाएगा।

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक

अमेरिका में भारत बड़ा निर्यातक है। अमेरिकी आयात में भारत का योगदान 18 फीसदी है। 2021-24 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अप्रैल-नवंबर 2024-25 में अमेरिका 82.52 अरब अमेरिकी डॉलर के आपसी व्यापार (52.89 अरब अमरीकी डॉलर का निर्यात, 29.63 अरब अमेरिकी डॉलर का

आयात और 23.26 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष) के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अभी करीब 38 अरब डॉलर व्यापार घाटा भारत के पक्ष में है। ट्रंप की जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा से भारत और अमेरिका के बीच अनिश्चित व्यापार माहौल उत्पन्न हो गया है। इसके बाद दोनों मुल्क व्यापार समझौतों को बढ़ावा देंगे।आपसी व्यापार समझौते की योजना से दोतरफा वाणिज्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत व्यापार घाटे को कम करने के लिए अमेरिका से अधिक तेल, गैस तथा सैन्य उपकरण खरीदेगा, हालांकि इस पर भारत अभी चुप है। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवाबी शुल्क विशिष्ट उत्पादों या समूचे क्षेत्रों पर लागू होगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के मुताबिक, भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा तथा लक्षित कूटनीति के जरिये अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के बीच संतुलन बनाना होगा। एक सीमित तरजीही व्यापार समझौता पूर्ण पैमाने पर एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) की आवश्यकता के बिना शुल्क संबंधी चिंताओं को और कम कर सकता है। जवाबी शुल्क वास्तव में डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के नियम के विरुद्ध हैं। जवाबी शुल्क एक अत्यधिक समस्याग्रस्त मुद्दा है, क्योंकि ऐसे कई कारक हैं जिन्हें अमेरिका अपने सीमा शुल्कों पर निर्णय लेते समय ध्यान में रखेगा। सीमा शुल्क उनमें से एक कारक है। जवाबी शुल्क लगाने से ट्रंप प्रशासन भारत को कृषि जैसे क्षेत्रों पर शुल्क कम करने के लिए मजबूर कर सकता है, अन्यथा अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगा देगा। वैसे जीटीआरआई का मानना है कि अमेरिका के रेसीप्रोकल टैरिफ से भारत को अधिक नुकसान नहीं होगा। इसके पीछे तर्क है कि दोनों देशों के निर्यात पॉकेट में काफी अन्तर है। जो सामान भारत निर्यात करता है, वही सामान भारत अमेरिका से आयात नहीं करता है। तो अमेरिकी टैरिफ का फर्क नहीं पड़ेगा। भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात के 75 प्रतिशत मूल्य पर औसत शुल्क पांच प्रतिशत से कम है। इसके विपरीत, भारत को कपड़ा, परिधान तथा जूते जैसी कई श्रम-प्रधान वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जो कई उत्पादों पर 15-35 प्रतिशत के बीच है। अमेरिका पहले ही इस्पात तथा एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा कर चुका है जो उसकी जवाबी शुल्क की कार्रवाई से परे है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में माल के आयात पर इंपोर्ट ड्यूटी, सीमा शुल्क या कर लगाए जाते हैं। ट्रंप के इस आरोप में कोई दम नहीं है कि भारत बहुत अधिक शुल्क लगाता है या शुल्क का फायदा उठाता है। क्योंकि अमेरिका खुद अपने घरेलू बाजारों की सुरक्षा के लिए डेयरी, फलों और सब्जियों सहित कई वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगाता है।

शुल्क कार्यक्रम पेश होने चाहिए

भारत की औसत शुल्क दर 17 प्रतिशत है, जो अमेरिका की औसत दर 3.3 प्रतिशत से अधिक है। लेकिन विश्व व्यापार नियम के विरुद्ध नहीं है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के अनुसार सदस्य देशों को अपने शुल्क कार्यक्रम पेश करने की जरूरत है, जिसमें सभी उत्पादों के लिए बाध्य शुल्क दरें शामिल हैं। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के शुल्क डब्ल्यूटीओ मानदंडों के अनुरूप है, जबकि अमेरिका के शुल्क इनका उल्लंघन है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि वैश्विक बाजार यूएस टैरिफ वार की दहशत से बाहर निकलेगा, ट्रेड नियम व्यवस्थित होंगे और अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी।

खबर संक्षेप

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार किट का किया वितरण

ढीमरखेड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा उमरियापान में खण्ड स्तरीय मातृशक्ति सुपोषण (संभाल अभियान) के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आधा दर्जन हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार किट का वितरण किया गया। परियोजना अधिकारी आरती यादव ने उपस्थित लोगों को संभाल अभियान के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सरपंच अटल ब्यौहार, राजेश ब्यौहार, हिमांशु चौरसिया, सचिव सतीश गौतम, सुपरवाइजर मंजू मिश्रा, अनुराधा चौबे, अंजना पटेल, अनीता प्रधान, बीसी रमाकांत मिश्रा सहित आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की उपस्थिति रही।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेश के परिपालन में तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में 8 मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राजीनामा योग्य सिविल एवं क्रिमिनल प्रकरण विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, वित्तीय बैंक, ऋण संबंधी एवं दूरसंचार विभाग के प्री लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। लोक अदालत के लाभ से पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव बढ़ता है व कटुता समाप्त होती है। समय, धन व श्रम की बचत होती है। लोक अदालतों में निराकृत मामलों में लगा न्याय शुल्क वापस हो जाता है। लोक अदालत द्वारा पारित आदेश अवार्ड की निःशुल्क सत्य प्रतिलिपि पक्षकारों को तुरंत प्रदान की जाती है। लोक अदालत का आदेश अवार्ड अन्तिम होता है व इसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है। आदेश अवार्ड का फल तुरंत प्राप्त होता है। पक्षकारों के मध्य विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है जिससे सुख शांति मिलती है। लोक अदालत का आयोजन न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों या मुकदमेबाजी के पूर्व के विवादों को आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किये जा अदालत का आयोजन किया जाता है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि वर्ष 2025 में 8 मार्च, 10 मई, 13 सितंबर और 13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री कृषकों के खातों में किश्त का करेंगे अंतरण

कटनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को भागलपुर बिहार से देश के कृषकों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 19 वीं किश्त का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे, इस दिन किसान सम्मान समारोह मनाया जाएगा। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि किश्त वितरण कार्यक्रम का कृषकों को सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था करने के निर्देश उप संचालक कृषि एवं तहसीलदारों को दिये। कलेक्टर श्री यादव ने पटवारियों को विलेज नोडल ऑफिसर नियुक्त करते हुए निर्देश दिए है कि गांव स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर कृषकों की ई-केवायसी करने तथा अधिकाधिक कृषकों को कार्यक्रम से लाईव जुड़ने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिये है। कृषक वीडियों कान्फ्रेंस लिंक के माध्यम से कार्यक्रम से लाईव जुड़ सकते है।

मछुआरों, मछली किसानों का पंजीकरण प्रारंभ

कटनी। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण प्रारंभ हो गए है। सभी मछुआरे, मछली किसान, मछली विक्रेता, मछली पालन के अन्य हितधारक का उपयोग कर पंजीकरण कर सकते है। पंजीयन स्वयं के मोबाईल फोन अथवा किसी भी कियोस्क सेंटर, कम्प्युटर सेवा केन्द्र से कराये जा सकतें है।

कलेक्टर ने कहा जनभागीदारी से गर्भवती माताओं को सुपोषित करने का प्रकल्प सराहनीय

1371 गर्भवती माताओं को सुपोषित करने लिया गोद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला प्रशासन द्वारा सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से जिले को कुपोषण मुक्त बनाने का अभिनव प्रकल्प चलाया जा रहा है। इस कार्य में महिला एवं बाल विकास विभाग की मदद हेतु कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत सेवा भारती संस्थान ने सहभागिता निभाई है।

जनसहयोग और सामाजिक सहभागिता से जिले की 1371 गर्भवती माताओं को सुपोषित करने के इस पुनीत प्रकल्प के तहत शनिवार को बस स्टैंड स्थित ऑडिटोरियम में मातृशक्ति सुपोषण एवं संभाल अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव स्वयं मौजूद रहे।

प्रयासों की सराहना

इस मौके पर कलेक्टर श्री यादव ने कटनी को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में सहयोग के लिए सेवा भारती के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आंगनवाड़ी मे दर्ज गर्भवती महिलाओं को सुपोषित करने का अभियान चलाया जा रहा है। इन्हें ज्यादा प्रोटीन, कैलोरी की मात्रा की आपूर्ति पोषण कीट देने से होगी,ताकि पैदा होने वाला शिशु स्वस्थ पैदा हो और माता भी स्वस्थ रहें। कलेक्टर श्री यादव ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित कुपोषण मुक्त कटनी बनाने के इस नेक अभियान में सहभागी बनने सेवा भारती जैसी सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में कार्य करने वाली अन्य संस्थाओं से भी मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने आगे आने का आव्हान किया।

कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती माताओं को यदि पहले से सुपोषण उपलब्ध होगा तो बच्चा भी सुपोषित ही पैदा होगा। 9 महीने तक गर्भवती माता की संभाल हो जाएगी तो बच्चा भी सुपोषित और स्वस्थ पैदा होगा।

6 माह से किया जा रहा सर्वे

उल्लेखनीय है कि विगत छरू माह से सेवा भारती के सदस्यों के द्वारा ऐसी माताओं का सर्वे किया जा रहा है जो सुपोषित आहार से वंचित हैं और पैदा होने वाले बच्चों में कुपोषण की समस्या उत्पन्न हो सकती है ऐसी माताओं को कटनी जिले में चिन्हित कर जिला प्रशासन और सेवा भारती के माध्यम से एक साथ कटनी जिला की 8 तहसील और जिला केंद्र पर 1371 मातृ शक्तियों के संभाल की जवाबदारी सेवा भारती के सदस्यों और विभिन्न वैचारिक संगठन तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिक जन और मातृ शक्तियों ने उठाई।

मंच पर सेवा भारती कटनी के अध्यक्ष रिटायर्ड जिला सत्र न्यायाधीश रवि नायक, सेवा भारती उपाध्यक्ष श्रीमती आरती सोनी, सेवा भारती सचिव पुनीत नगरिया, महिला बाल विकास अधिकारी नयन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी कटनी प्रदीप मिश्रा मंचासीन रहे। कार्यक्रम में कटनी नगर के साथ-साथ सभी तहसील केदो बड़वारा विजयराघवगढ़ बहोरीबंद रीठी ढीमरखेड़ा में भी गर्भवती माताओं को सेवा भारती के सदस्यों ने संभाल हेतु किटों का वितरण किया और उनकी शिक्षा सहित परिवार के समुचित विकास की जवाबदरी ली।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम का सफल संचालन मुकेश चंदेरिया पूजा अग्रवाल और ज्योति बंसल ने किया कार्यक्रम में किटी गुप्ता ,दीपाली गुप्ता, वंदना गेलानी ,नीति ठाकुर, सरिका गुप्ता, प्रियंका गुप्ता ,सुषमा अग्रवाल, रंजना बहरे,शशि शुक्ला,दीपशिखा शिवहरे, अनिल वासवानी हरि सिंह भदोरिया, संजय त्रिपाठी, भगवान दास सिंह राठौड़ , लालचंद थारवानी एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिक जन अपस्थित रहे।

समाज के प्रति भी होती है , जिम्मेदारी, लगाएं पैसा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत के प्रांत कार्यवाह उत्तम बेनर्जी ने मुख्य वक्ता की आसंदी से कहा कि समाज का जो भी तबका पैसा कमाता हैं, उनकी कुछ समाज के प्रति जिम्मेदारी होती है, वे अपना पैसा समाज के लिए लगायें। उन्होंने कहा कि ष्कम्युनिटी सोशल रिस्पांसिबिलिटीष के तहत जिन्होंने धन कमाया है वह अपने धन का प्रयोग समाज के लिए कर रहे हैं और जिन्होंने ज्ञान कमाया है वह अपने ज्ञान का प्रयोग समाज के लिए कर रहे हैं और यहां मैं सेवा भारती और अन्य समाज के संगठनों के कार्यकर्ताओं को देख रहा हूं जिन्होंने पिछले कई वर्षों से कम्युनिटी की सेवा का संकल्प लिया है। संस्था द्वारा पिछले वर्ष भी अनेक बच्चों को गोद लिया गया था और इस वर्ष हम उन आने वाले बच्चों को गोद ले रहे हैं जो अपने माता के गर्भ में पल रहे हैं, वास्तव में हमने माता को गोद नहीं लिया है किंतु हमने उस बच्चों को गोद लिया है जो अपना जीवन संभालने के बाद इस भारत के भविष्य को गढ़ने वाला है।

ढीमरखेड़ा के राम मंदिर के पास चल रही भागवत कथा

भागवत कथा में श्रीकृष्ण रूक्मिणी विवाह का आयोजन, थिरके श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा में राम मंदिर के पास स्व. नारायण प्रसाद तिवारी की पुण्य स्मृति में श्रीमदभागवत पुराण कथा का आयोजन किया गया है। कथावाचक अवध बिहारी शास्त्री के द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है।शनिवार को भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह उत्सव की खुशियां बिखरीं। श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की और भजनों पर जमकर थिरके।

कथा वाचक अवध बिहारी शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के महारास और रुक्मिणी विवाह की कथा का वर्णन किया। इस दौरान सजाई गई भगवान के विवाह की झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के पैर पखारकर पुण्यलाभ लिया। कथावाचक ने बताया कि सतयुग, त्रेता के समय संतों ने भगवान से निवेदन किया कि हे भगवान हम सभी आपके साथ आत्मरमण करना चाहते हैं।उन्होंने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह सहित कथा से जुड़े अन्य प्रसंग सुनाए।श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का रूप धारण किए बाल कलाकार कथास्थल पर पहुंचे। यहां वरमाला सहित विवाह से जुड़ी अन्य कुछ विधियां सांकेतिक रूप में निभाईं।

इस दौरान वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने भी पुष्पवर्षा के माध्यम से अपनी आस्था और भक्ति प्रकट की। भजनों की धुन पर श्रद्धालुओं के कदम भी थिरके।इस मौके पर यजमान अनसुइया तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं भागवत कथा सुनने पहुँचे।

भागवत कथा में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

कछार गांव बड़ा में कई वर्षों से लगातार चल रहे वर्तमान वर्ष में भी कछारगांव बड़ा में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ दिनांक 11/2/25 से चल रही है जिसमें आज चतुर्थ दिवस पर कथावाचक जी ने भगवान श्री कृष्ण का जन्म ' प्रागत्य' की कथा सुनाई है । भगवान जन्मोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया है । कार्यक्रम का आयोजन सम्पूर्ण ग्रामवासियों द्वारा रखा जाता है जिसमें ओंकार उपाध्याय अध्यक्ष , राजेंद्र सिंह बागरी उपाध्यक्ष, भीसम लाल तिवारी, कोषाध्यक्ष, केशवप्रसाद पटेल सह कोषाध्यक्ष है। भगवत कथा में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ रही जिसमें मुख्य रूप से सुशील कुमार तिवारी पूर्व टेक्निकल माइसेम कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर, विजय बागरी राष्ट्रीय कवि, शंभू बागरी, कैलाशचंद्र जैन सरपंच, पंडित सतेन्द्र तिवारी आचार्य नरेश प्रसाद तिवारी, एवं संगीत ग्रुप महेन्द्र सिंह ठाकुर ,पंकज तिवारी, अनिमेष दुबे, मुकेश कुमार दुबे, रिंकू तिवारी, रमेश पटेल आदि उपस्थित रहे ।

संपत्ति व जलकर वसूली के लिए लग रहे शिविर, निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे के निर्देशानुसार संपत्तिकर,जलकर व अन्य करों की वसूली हेतु नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम कार्यालय स्थित कम्प्यूटर कक्ष क्रमांक 37 के अलावा शहर के प्रमुख स्थलों में प्रातः 10 बजे से सायं 5 तक शिविर लगाये जा रहे हैं जो कि अवकाश दिवसों में भी करदाताओं की सुविधा के लिए लगाये जा रहे है।नगर के समस्त करदाता जिन्होंने अभी तक बकाया संपत्तिकर,जलकर एवं निगम स्वामित्व की दुकान किराया की राशि जमा नहीं की है,वे नगर निगम कार्यालय या अपने नजदीकी शिविर में पहुँच कर अपना बकाया कर राशि जमा कर निगम द्वारा की जाने वाली अप्रिय कार्यवाही से बचें।

आयुक्त नीलेश दुबे ने शिविर स्थल पहुँच कर व्यवस्थाओं का ज़ायज़ा लिया तथा सभी को अधिक से अधिक लोगों से संपर्क कर बकाया संपत्तिकर जलकर जमा कराये जाने के निर्देश दिए।इस दौरान राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक एवं अन्य राजस्व अमले की उपस्थिति रही।

नगर निगम कैश काउंटर सहित दुर्गा मंदिर के पास शिवनगर कैलवारा रोड एवं गर्ग चौराहा में शिविर लगाया जाकर 108 रशीदों के माध्यम से लगभग 4 लाख 77 हजार की राशि जमा कराई गई।

निगमायुक्त ने शहर के समस्त करदाताओं से बकाया सम्पत्ति कर,जलकर,दुकान किराया व अन्य कर 31 मार्च के पूर्व जमा कर अधिकभार से बचने एवं नगर विकास में सहयोग कि अपील की है।

कोठी को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने हुई बैठक

आदर्श ग्राम बनाने सभी की सहभागिता है आवश्यक, मिलकर करना है सार्थक

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

मप्र जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा की नवांकुर संस्था गूंडा के द्वारा खमतरा सेक्टर अंतर्गत कोठी ग्राम को आदर्श ग्राम के रूप में चिन्हित किया गया है। कोठी को आदर्श ग्राम के रूप में प्रभावी बनाने हेतू जिला समन्वयक डॉ. तेजसिंह केशवाल के निर्देशन और विकासखंड समन्वयक बबीता शाह के मार्गदर्शन में शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेजसिंह केशवाल ने आदर्श ग्राम की परिकल्पना को लेकर ग्राम के समग्र विकास पर चर्चा किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एनआरएलएम ढीमरखेड़ा बीसी सुधीर कुमार बिंद ने आदर्श ग्राम के विषय में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए अपने सुझाव रखें।जअप विकासखंड समन्वयक बबीता शाह ने कहा कि आदर्श ग्राम बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। हम सभी को मिलकर इसके लिए सार्थक प्रयास करना चाहिए। गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण सहित अन्य कार्य जो जनभागीदारी के साथ किये जा सकते है,उसकी कार्ययोजना तैयार किया। ग्रामीणों ने भी अपने विचार रखें।

इस दौरान सेक्टर प्रभारी सुरेश दुबे, मुलायम सिंह, सोनेलाल, सीताराम,समिति अध्यक्ष तुलसीराम धुर्वे,सचिव मनोज मरावी,संपत सिंह,कृष्ण कुमार बैगा,इंद्रपाल मरावी, विनोद मरावी,जुगराज मार्को, देव सिंह बरकड़े,संतोष यादव, धर्मेंद्र यादव, सीएमसी एलडीपी स्टूडेंट्स शिवपाल सिह,रागिनी सिंह,प्रिया मरावी सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सदस्यों,स्व सहायता समूह की दीदियों, किसान भाइयों के अलावा अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

996 अभ्यर्थी होंगे परीक्षा में शामिल, अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

जिले के तीन केन्द्रों में पीएससी परीक्षा आज, तैयारियां मुकम्मल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 परीक्षा रविवार 16 फरवरी 2025 को ओएमआर पद्धति से प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक परीक्षा केन्द्र, शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल माधवनगर, शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी एवं शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज कटनी में आयोजित की जायेगी। जिले में चयनित तीनों परीक्षा केन्द्रों में कुल 996 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर परीक्षा के सफल आयोजन हेतु परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्यों को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उडनदस्ता दल एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई है। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा की दृष्टि से सशस्त्र पुलिस व्यवस्था, एम्बुलेंस मय चिकित्सक व्यवस्था, निर्बाध विद्युत व्यवस्था हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

आयोग द्वारा जबलपुर संभाग के जिला कटनी हेतु संभागीय पर्यवेक्षक भगत सिंह कुलेश सेवानिवृत्त आई.ए.एस को नियुक्त किया गया है जिनके सहयोग हेतु लाइजनिंग ऑफिसर नियुक्त किये गए है। इसके अतिरिक्त राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जिला स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07622-220070 तथा 07622-220071, 220072, 220073 है।

केन्द्राध्यक्ष एवं उडनदस्ता दल गठित

आयोग द्वारा दिये गए निर्देशों के परिपालन में परीक्षा पर निगरानी रखने हेतु केन्द्राध्यक्ष एवं उडनदस्ते दल का गठन किया है। चयनित 3 परीक्षा केन्द्रों हेतु उडनदस्ता दल के लिए श्री प्रदीप मिश्रा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाकर इनके सहयोग हेतु अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

अपर कलेक्टर ने शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल माधव नगर के लिए प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल श्री एम किडो, शासकीय कन्या महाविद्यालय के लिये प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय डॉ चित्रा प्रभात एवं शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कटनी के लिये प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज डॉ. एन वरखेडकर को केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किया है। जबकि तीनों परीक्षा केन्द्रों के उडनदस्ता दल में श्रीमती ख्याति मिश्रा नगर पुलिस अधीक्षक एवं शिवभूषण सिंह नायब तहसीलदार को नियुक्त किया गया है। उडनदस्ता दल को 16 फरवरी को प्रथम एवं द्वितीय पारी में संचालित होने वाली परीक्षाओं की जांच करना, परीक्षा केन्द्रों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए गए है।

गोपनीय सामग्री पहुंचाने हेतु प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा प्रथम एवं द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान गोपनीय सामग्री परीक्षा केन्द्रों तक बंद वाहन एवं सशस्त्र पुलिस बल की अभिरक्षा में पहुंचाने हेतु राजेश अग्रहरी संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, पृथ्वीपाल सिंह जिला शिक्षा अधिकारी एवं के.बी मिश्रा श्रम पदाधिकारी कटनी को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह रिजर्व प्राधिकृत अधिकारी के रूप में श्रीमती शारदा सिंह कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग की ड्यूटी लगाई गई है।

कलेक्टर ने नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी को परीक्षा तिथि को शासकीय वाहन एवं अपने कार्यालय के एक भृत्य के साथ जिला कोषालय में प्रातः 8 बजे तथा दोपहर में 12 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होने तथा आदेशानुसार संबंधित केन्द्राध्यक्षों को दोनों सत्रों में प्रश्न पत्रों के पैकेट्स समय पर केन्द्रों में पहुंचाने के साथ ही दोनों सत्रों की गोपनीय सामग्री परीक्षा समाप्ति उपरांत केन्द्राध्यक्षों के साथ जिला कोषालय में सुरक्षित जमा कराने के निर्देश दिए है। जिले के परीक्षा केन्द्रों में आयोग के निर्देशानुसार नियुक्त उडनदस्ता दल, कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों उडनदस्ता दल, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट दल प्रभारी से समन्वय स्थापित कर उनके मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने निर्देश दिए है।

निःशुल्क शिविर में 939 हितग्राही हुए लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में स्थित 18 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निर्धारित थीम बचपन, किशोर और स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं अनुसार शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया गया। शिविर का आयोजन (आयुष) खरखरी, खितौली, गणेशपुर, भुडसा, देवराकला, कारीतलाई, गैरतलाई, चरगवां, खमरिया, देवगांव, रैपुरा, भैंसवाही, गुरजीकला, पिपरौंध, कुतिया मेहगवां, बरन मेहगवां मुरवारी एवं कछगवा जोबा में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में किया जाकर बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था के समय स्वास्थ्य संबंधी देखभाल एवं उचित आहार-विहार, दिनचर्या के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान निःशुल्क औषधियां वितरित की गई। शिविर के दौरान कुल 939 हितग्राहियों को लाभान्वित किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ रितु द्विवेदी ने बताया है कि इस तरह के शिविर का आयोजन सम्पूर्ण मप्र में किया गया है।

विक्की की फिल्म 'छावा' ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई। काफी समय से विक्की कौशल फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। आखिरकार उनकी यह फिल्म आज यानी 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी पहली बार रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। फिल्म में दोनों की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है, वहीं समीक्षकों की ओर से भी फिल्म को हरी झंडी मिली है। अब 'छावा' की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'छावा' के ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे सकती है।

लाइफ Style

जान्हवी

फिल्मों की श्रृंखला के साथ जलवा बिखेरने को तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आरसी 16 के लिए तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करना जान्हवी के करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि वह दक्षिण फिल्म उद्योग में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही हैं। बुची बाबू सना निर्देशित एक्शन से भरपूर मनोरंजन वाली यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन विजुअल होने की उम्मीद है।

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर इस वर्ष जलवा बिखेरने के लिये तैयार है। जान्हवी कपूर फिल्मों की रोमांचक श्रृंखला के साथ 2025 में जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं जो एक कलाकार के रूप में उनकी सीमा को प्रदर्शित करती है तीन बहुप्रतीक्षित रिलीज़-राम चरण के साथ आरसी 16, वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ परम सुंदरी-के साथ जान्हवी विविध सिनेमाई दुनिया में कदम रख रही हैं।

आरसी 16 के लिए तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करना जान्हवी के करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि वह दक्षिण फिल्म उद्योग में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही हैं। बुची बाबू सना निर्देशित एक्शन से भरपूर मनोरंजन वाली यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन विजुअल होने की उम्मीद है। इतनी बड़ी परियोजना में जान्हवी का शामिल होना न केवल उनकी अखिल भारतीय अपील को मजबूत करता है, बल्कि उन्हें बॉलीवुड और दक्षिण सिनेमा को आसानी से जोडने में सक्षम प्रतिभा के रूप में भी स्थापित करता है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में, जान्हवी एक रोमांटिक कॉमेडी के लिए वरुण धवन के नजर आयेंगी। शशांक खेतान निर्देशित, यह फिल्म उस शैली में वापसी का प्रतीक है।

हॉलीवुड मसाला

31 साल बाद फिर डायनासोर

लॉस एंजिलस। जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ का पहला और धमाकेदार ट्रेलर जारी हो चुका है। यह फिल्म 2 जुलाई को रिलीज होने वाली है। फिल्म 'जुरासिक' फ्रेंचाइजी की सातवीं फिल्म होगी। 'जुरासिक' फ्रेंचाइजी की शुरुआत आज से 31 साल पहले हुई थी। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'जुरासिक पार्क' 1993 में रिलीज हुई थी, जिसको दर्शनों के खूब पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन गैरेथ एडवर्ड्स ने किया है। ट्रेलर में दिख रहा है कि हर तरफ खतरा मंडरा रहा है।

फोटो पाने घर तक पहुंचे पैपराजी....

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड अमेरिकन एक्ट्रेस सिडनी स्वीनी ने पैपराजी पर बड़ा आरोप लगाया है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि पैपराजी की वजह से उनकी सेफ्टी रिस्क में है। उनका कहना है कि पैप्स उनके घर के बाहर खड़े रहते हैं। कई फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस ने दावा किया कि पैपराजी ने बिकिनी तस्वीरों की मांग की। इतना ही नहीं वो घंटों एक्ट्रेस के घर के बाहर छुपे रहते हैं। ये सुनकर एक्ट्रेस के फैंस हैरान रह गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सिडनी स्वीनी ने खुलासा किया कि कुछ पैपराजी उनके फ्लोरिडा वाले घर के पास घूम रहे थे और उनसे कह रहे थे कि वो बिकिनी में बाहर आए ताकि वो फोटो ले सके। सिडनी स्वीनी ने आगे बताया कि फोटोग्राफर ने सारी हदें पार कर दी है। वो एक्ट्रेस की पोटो को खिंचने के लिए उनके घर के बाहर समुद्र में एक नाव में घंटों तक

'व्हाइट' में नजर आएंगी जुब्बल की सेजल

रोहड़। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए 'जब वी मेर्ट क्लिक्स' अकादमी एंड स्टूडियो द्वारा 'व्हाइट' फिल्म बनाई है। यह फिल्म 'चिट्टा' के ऊपर बनाई गई है। हिमाचल में दिन-प्रतिदिन चिट्टा से होने वाली मौत की दरें बढ़ रही हैं। फिल्म में जुब्बल के खौणी गांव की सेजल रावत भी नजर आएंगी। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए फिल्म को बनाया गया है। फिल्म को जल्द ही रिलीज कर दिया जाएगा। फिल्म के निर्माता दिनेश ठाकुर एवं देशराज हैं। दिनेश ठाकुर के मुताबिक फिल्म के माध्यम से युवा पीढ़ी को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। फिल्म में नशे की लत से लेकर नशेड़ी की जिंदगी को बताया गया है। 'व्हाइट' फिल्म में किरण शर्मा, अमित भाटिया, निकिता, सेजल रावत, दिनेश ठाकुर, सनी राजपूत व रवि ने अभिनय किया है।

'घातक' सिनेमाघरों में दोबारा होगी रिलीज

मुंबई। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' लगभग 31 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म अप्रैल, 2025 में सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देगी। फिलहाल फिल्म इसकी रि-रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। अब खबर है कि 'अंदाज अपना अपना' के अलावा संतोषी एक और यादगार फिल्म सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होने वाली है, जिसका नाम 'घातक' है। इस फिल्म के हीरो सनी देओल थे। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'घातक' को 29 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया जा रहा है। यह फिल्म 28 फरवरी को दोबारा दर्शकों के बीच आ सकती है। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। एक सूत्र ने कहा, घातक सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है।

टीवी मसाला

'वीर हनुमान' का प्रसारण फाइनल, 11 मार्च से शुरूआत

मुंबई। सोनी सब का बहुप्रतीक्षित पौराणिक शो वीर हनुमान आगामी 11 मार्च से हर रात 7:30 बजे प्रसारित होगा। वीर हनुमान शो में भगवान हनुमान की अविश्वसनीय यात्रा को दर्शाया गया है, जिसमें उनके बचपन से लेकर उनकी अलौकिक शक्तियों की खोज तक की प्रेरणादायक गाथा शामिल है। शानदार कलाकारों से सजे इस शो में आरव चौधरी केसरी के रूप में, सायली सालुंखे अंजनी के रूप में, माहिर पांधी बाली और सुग्रीव की दोहरी भूमिकाओं में, और असाधारण प्रतिभाशाली आन तिवारी बाल हनुमान के रूप में नजर आएंगे। यह शो अपनी दमदार कहानी के साथ-साथ अपनी भव्य दृश्यात्मक प्रस्तुति से भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाला है। इस शो की सबसे खास बात इसकी बेहतरीन ढंग से तैयार की गई वेशभूषा है, जो अजंता और एलोरा की गुफाओं की उत्कृष्ट कलाकृतियों से प्रेरित है। प्रत्येक परिधान को प्राचीन भारतीय विरासत की भव्यता और प्रामाणिकता को दर्शाने के लिए बड़े ही मनोयोग से तैयार किया गया है। शो की विजुअल अपील पर वेशभूषा डिज़ाइनर शिवप्रिया सेन ने कहा, अजंता और एलोरा की अद्भुत गुफाओं से प्रेरित प्रत्येक पोशाक प्राचीन युग की भव्यता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ऐसे वस्त्र तैयार करना था, जो न केवल देखने में आकर्षक हों बल्कि ऐतिहासिक प्रामाणिकता को भी दर्शाएं।

कंतारा: चैप्टर 1 में दिखेगा जबरदस्त वॉर सीन...

मुंबई। होम्बले फिल्म्स ने अपनी आने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 के जबरदस्त वॉर सीन के लिए 500 से ज्यादा फाइटर्स को लिया है।होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा में ऋषभ शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इस फिल्म ने दुनियाभर में जबरदस्त सफलता हासिल की। फिल्म को शानदार रिव्यूज मिले, जहां क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों ने इसके दमदार एक्शन, दिलचस्प कहानी और ऋषभ शेट्टी की बेहतरीन परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की। उनकी एक्टिंग ने हर सीन को यादगार बना दिया और फिल्म को एक सिनेमैटिक मास्टरपीस का दर्जा दिलाया। कंतारा: चैप्टर 1 दो अक्टूबर को रिलीज होगी।

ऋषभ शेट्टी का दिखेगा बिल्कुल नया लुक : कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद मेकर्स अब कंतारा: चैप्टर 1 लेकर आ रहे हैं। इसके फर्स्ट पोस्टर, जिसमें ऋषभ शेट्टी का बिल्कुल नया लुक दिखाया गया है, पहले ही हंगामा मचा चुका है। अब, मेकर्स एक जोरदार वॉर सीन लाने वाले हैं, जिसके लिए उन्होंने 500 से ज्यादा माहिर फाइटर्स को लिया है। एक्शन के माहिर लोग मिलकर एक ऐसा वॉर सीक्वेंस तैयार करेंगे, जो न सिर्फ पहली बार देखा जाएगा।

'भूल चूक माफ' की रिलीज तारीख से उठा पर्दा सनी देओल की 'जाट' से होगा सामना...

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तारीफ तो हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

'भूल चूक माफ' भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब आखिरकार 'भूल चुक माफ' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

10 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म : एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूल चूक माफ' को 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म 'जाट' से होगा, जो 10 अप्रैल को दर्शकों के बीच आएगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 'भूल चुक माफ' का टीजर 14 फरवरी को विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हो गया।

राजकुमार के पास है ये फिल्म

'भूल चुक माफ' के अलावा राजकुमार के पास फिल्म 'टोस्टर' भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। खास बात यह है कि 'टोस्टर' का निर्माण राजकुमार की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा कर रही हैं। फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

उर्फी का शो 'एंगेज्ड रोका या धोखा' का प्रोमो जारी

मुंबई। छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री, मॉडल और सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद अक्सर अपने अतरंगी कपड़ों और अजीबो-गरीब फैशन के चलते सुर्खियों में रहती हैं। अब अभिनेत्री एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, उर्फी ने रियलिटी शो 'एंगेज्ड रोका या धोखा' का ऐलान कर दिया है। इस शो की मेजबानी उर्फी जाने-माने कॉमेडियन हर्ष गुजराल के साथ करेंगी। आइए बताते हैं उर्फी और हर्ष का शो 'एंगेज्ड रोका या धोखा' आप कहां और कब देख पाएंगे। 'एंगेज्ड रोका या धोखा' 14 फरवरी, से डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध हो चुका है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'ये इश्क नहीं आसान बस इतना समझ लीजिये धोखे का खतरा है, रोका करके जाना है।'इस शो में 10 सिंगल प्रतियोगी भाग लेंगे और रोका से पहले उनका प्यार और कनेक्शन परखा जाएगा। जहां कुछ लोग इसे अच्छा मनोरंजन बता रहे हैं, वहीं कई यूजर्स ने इसे सस्ता 'स्प्लिट्सविला' का टैग दे दिया है।

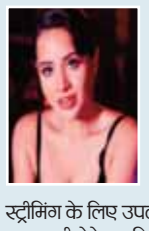

'शहजादा'65 करोड़ की बजट में बनी फिल्म ने महज 47 करोड़ रुपए कमाए थे

वैलेंटाइन डे के मौके पर आई पिछली फिल्मों का कैसा रहा बॉक्स ऑफिस पर हाल

मुंबई। *वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' बड़े पर्दे पर आ गई है, वहीं यामी गौतम की फिल्म 'धूम धाम' ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। वैलेंटाइन डे के मौके पर हर साल कोई न कोई फिल्म रिलीज होती है। कुछ ताबड़तोड़ कमाई करती हैं तो कुछ टिकट खिड़की पर फेल हो जाती हैं। आइए आज हम आपको पिछले कुछ सालों में इस खास मौके पर सिनेमाघरों में आई फिल्मों का हाल बताते हैं।*

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया'

साल 2024 में शाहिद कपूर और कृति सैनन फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' लेकर आए थे। वैलेंटाइन डे के आसपास रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी ने किया था और इसके निर्माता थे दिनेश विजान। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी, वहीं इसके गाने भी खूब लोकप्रिय हुए थे। 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 133 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

'शहजादा'

साल 2023 में इस मौके पर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'शहजादा' पर्दे पर आई थी। रोहित धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हश्र हुआ था। फिल्म में कार्तिक की जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी थी। 65 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने महज 47 करोड़ रुपये कमाए थे। परेश रावल, मनीषा कोइराला और रोनिक रॉय भी इसका हिस्सा थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है।

'बधाई दो'

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर 11 फरवरी, 2022 में फिल्म 'बधाई दो' लेकर आए थे। इस फिल्म को शंकों और समीक्षकों से तो सकारात्मक प्रतिक्रिया मिला, लेकिन कमाई के मामले में ये औसत रही थी। फिल्म को 25 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था और इसने दुनियाभर में महज 28 करोड़ रुपये कमाए थे। हालांकि, फिल्म ने 6 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे। नेटफ्लिक्स पर आप इस फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं।

'लव आजकल' और 'मलंग'

साल 2020 में जहां वैलेंटाइन डे के दिन 'लव आजकल' रिलीज हुई थी, वहीं 'मलंग' ने 7 फरवरी यानी वैलेंटाइन वीक पर दर्शकों के बीच दस्तक दी थी। 'लव आजकल' में कार्तिक आर्यन और सारा अली खान की जोड़ी दिखी थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी, वहीं आदित्य रॉय कपूर की 'मलंग' हिट रही थी। इसका बजट 32 करोड़ रुपये था और इसने 59 करोड़ रुपये की कमाई की थी। ये दोनों फिल्में नेटफ्लिक्स पर हैं।

इस रहस्यमयी जहाज पर अचानक सभी लोगों की हो गई थी मौत, आज तक अनसुलझी

एजेंसी ▶▶| लंदन

दुनियाभर में कई रहस्यमयी घटनाएं घटी हैं, जो आज भी अनसुलझी हैं। इन रहस्यों से वैज्ञानिकों भी पर्दा नहीं उठा पाएं हैं। जहाजों से जुड़े भी कई रहस्य हैं, जिनकी चर्चा अक्सर होती है। कई जहाज आसमान में उड़ान भरते समय, तो पानी के जहाज महासागर में अचानक लापता हो गए। इनके बारे में आज तक नहीं पता चल पाया है, जो आज भी रहस्य हैं।

जहाज पर सभी की हो गई मौत

इस अनोखी घटना के बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा और आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। यह घटना काफी पुरानी है, क्योंकि यह करीब 78 साल पहले घटी थी। यह बात साल 1947 के जून महीने की है। उस समय मलक्का की खाड़ी में स्थित व्यापारिक मार्ग से कई समुद्री जहाज जा रहे थे। इस दौरान एक एसओएस संदेश कि जहाज पर सवार सभी क्रू सदस्यों की मौत हो गई है। यह जानकारी सामने आते ही हड़कंम मच गया।

जहाज पर पहुंचते ही हैरत में पड़ गए क्रू सदस्य

द सिल्वर स्टार के क्रू सदस्य उस रहस्यमयी जहाज पर पहुंचे तो वो उन्होंने देखा कि हर तरफ सिर्फ लाशें ही लाशें बिखरी पड़ी थीं। यह देखकर कई लोगों की तो आंखें भी खुली हुई थीं। उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे वो किसी चीज से डरे हुए हों। सबसे हैरानी की बात यह थी कि जिनकी मौत हुई थी उनके शरीर पर किसी भी तरह के जख्म के निशान नहीं थे। उनकी मौत रहस्यमयी तरीके से हुई थी।

बॉयलर रूम में जाने पर उड़े होश

इसके बाद द सिल्वर स्टार के क्रू सदस्य उस रहस्यमयी जहाज के बॉयलर रूम में गए तो उन्हें बहुत ज्यादा ठंड लगने लगी, जबकि वहां का तापमान 100 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था। अब यह बेहद ही हैरान करने वाली घटना थी। यह सब देखने के बाद द सिल्वर स्टार के क्रू सदस्यों ने जल्दी से अपने जहाज पर जाने का निर्णय लिया।

धमाके के बाद समुद्र में समा गया जहाज

द सिल्वर स्टार के क्रू सदस्य अपने जहाज तक पहुंचते, उससे पहले ही उस रहस्यमयी जहाज से धुआं निकलने लगा और उसमें आग लग गई। हालांकि, किसी तरह क्रू सदस्य अपने जहाज पर पहुंच गए। उनके वहां पहुंचते ही उस रहस्यमयी जहाज में एक जोरदार धमाका हुआ और देखते ही देखते जहाज समुद्र की गहराइयों में समा गया।

रहस्यमय शक्ति की चर्चा

इस घटना के पीछे कुछ लोग रहस्यमयी शक्ति को जिम्मेदार मानते हैं तो वहीं कुछ लोग मानते हैं कि वहां प्राकृतिक गैसों का एक बादल बन गया था, जिसकी वजह से जहाज के सभी क्रू सदस्य मारे गए और जहाज में भी आग लग गई। उस रहस्यमयी जहाज को 'द एस एस ओरंग मेडान' के नाम से जाना जाता है। अब इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार था, यह आज तक पता नहीं चल पाया है। लोग 'द एस एस ओरंग मेडान' को भूतिया जहाज भी कहते हैं। वहीं, कुछ लोग इसे काल्पनिक भी मानते हैं।

चिड़ियाघर ने बनाया नियम, यहां मर्दों का अकेले आना है मना

टोक्यो। आप क्या कहेंगे अगर आप ऐसी जगह पहुंचे जहां पर मर्दों का अकेले जाना मना हो। उन्हें उस क्षेत्र में या तो परिवार या फिर केवल दोस्तों (महिला का होना जरूरी) के साथ ही जाने की इजाजत हो। ऐसा में यह सवाल मन में उठता है कि यह लिंगभेद क्यों? क्या आज के आधुनिक समाज में ऐसी कोई जगह हो भी सकती है, जहां ऐसा करने की जरूरत है। आप शायद यकीन ना करें। यह बहस का मुद्दा हो गया है। क्योंकि, जापान के एक चिड़ियाघर ने ऐसा ही फरमान जारी किया है। जापान में एक चिड़ियाघर की निदेशक मीसा मामा को यह फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा कि वहां पुरुषों पर्यटकों को अकेले प्रवेश से वंचित कर दिया जाय।

चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक ऐसा उन्हें इसलिए करना पड़ा, क्योंकि वहां बार- बार उनके खुद के साथ और महिला पर्यटकों के साथ छेड़छाड़ होने की घटनाएं असहनीय रूप से बढ़ गई थीं।

क्यों लगाया है नोटिस?

लेकिन, अब चिड़िया घर के प्रवेशद्धार पर ही नोटिस लगा दिया गया है कि यहां पुरुष आगुंतक अकेले नहीं आ सकते हैं। मीसा ने बताया कि वैसे तो यहां अधिकांश लोग परिवार और जोड़े से ही आते हैं, लेकिन कुछ अकेले मर्दों ने महिला आगुंतकों के साथ उन्हें भी छेड़ा है। चिड़िया घर के निदेशक होने के नाते वे कुछ ज्यादा ही सहन कर रही थीं। पर आखिरकार उन्हें यह कड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सोशल मीडिया पर खड़ा कर दिया है विवाद

इस फैसले ने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। कई लोगों ने इसे लिंग भेदभाव की तरह बताया है। वहीं, मीसा का कहना है कि वे पुरुषों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन महिला आगुंतकों के सुरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर हैं। कई लोगों ने मीसा का समर्थन भी किया है। इसके कुछ लोगों ने वैकल्पिक सुझाव भी दिए हैं, जिनमें ज्यादा से ज्यादा पुरुष स्टाफ को शामिल करना भी शामिल हैं।

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

मीन शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

अंतरिक्ष से लौटने पर सुनीता विलियम्स को इन मुश्किलों का करना पड़ेगा सामना!

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष से धरती पर लौटना इतना आसान नहीं। 8 दिनों के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन भेजी गईं भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स आखिरकार 12 मार्च 2025 को धरती पर लौटने वाली हैं। उन्हें और उनके साथी बुच विलमोर को स्पेसक्राफ्ट 'स्टारलाइनर' के जरिए वापस आना था, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते यह मिशन अनुमान से अधिक लंबा खिंच गया। नतीजा यह हुआ कि 8 दिनों की यात्रा अब 8 महीनों में बदल गई। इतने लंबे समय तक माइक्रोग्रैविटी में रहने के कारण अब उनकी सेहत पर कई प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। आइए समझते हैं कि अंतरिक्ष से लौटने के बाद उन्हें किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

लंबे समय तक माइक्रोग्रैविटी में रहने के कारण सेहत पर पड़ सकते हैं कई प्रभाव

चलना-फिरना हो सकता है मुश्किल

अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण न होने के कारण शरीर की मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। वहां कोई भी काम करने के लिए शरीर को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती, क्योंकि हर चीज हवा में तैरती रहती है। लेकिन धरती पर लौटते ही शरीर को गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठान पड़ता है। यही वजह है कि एस्ट्रोनॉट्स को पहले कुछ दिनों तक चलने- फिरने और संतुलन बनाने में मुश्किल होती है।

हड्डियों पर असर

आईएसएस में महीनों तक रहने से हड्डियों का घनत्व हर महीने लगभग 1% तक कम हो जाता है। खासतौर पर पैरों, पीठ और गर्दन की हड्डियां अधिक प्रभावित होती हैं। इससे सुनीता को वापस आने के बाद शारीरिक गतिविधियों में तकलीफ हो सकती है।

संतुलन और कोऑर्डिनेशन में दिक्कत

हमारे कानों और मस्तिष्क में एक खास संतुलन प्रणाली जिसे वेस्टिबुलर सिस्टम कहते हैं। शरीर को स्थिर रहने में मदद करती है। अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के कारण यह प्रणाली प्रभावित हो सकती है, जिससे संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। ऐसे में सुनीता को खड़े होने, चलने और शरीर के विभिन्न अंगों के बीच तालमेल बनाने में दिक्कत हो सकती है।

माइक्रोग्रैविटी की आदत

अंतरिक्ष में महीनों बिताने के बाद एस्ट्रोनॉट्स माइक्रोग्रैविटी के आदी हो जाते हैं। वहां किसी भी चीज को छोड़ने पर वह तैरती रहती है, लेकिन धरती पर लौटने के बाद भी उनका मस्तिष्क उसी तरीके से काम करता है। ऐसे में शुरुआत में वे अनजाने चीजों को हवा में छोड़ देते हैं, ये भूलकर कि अब वे गिर जाएंगी।

आंखों पर प्रभाव

स्पेस में जीरो ग्रैविटी के कारण शरीर का तरल पदार्थ सिर की ओर बढ़ जाता है, जिससे आंखों के पीछे की नसों पर दबाव पड़ता है।इसे इसे स्पेसफ्लाइट एसोसिएटेड न्यूरो-ओकुलर सिंड्रोम कहा जाता है। इसका असर उनकी दृष्टि पर पड़ सकता है और हो सकता है कि उन्हें चश्मा लगाने की जरूरत पड़े।

इम्यून सिस्टम और रेडिएशन का प्रभाव

स्पेस में हाई-लेवल रेडिएशन के संपर्क में रहने से एस्ट्रोनॉट्स की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इससे उन्हें संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से डीएनए में बदलाव, हृदय से जुड़ी समस्याएं और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं।

तो सुनीता विलियम्स कब तक पूरी तरह रिकवर होंगी?

धरती पर लौटने के बाद एस्ट्रोनॉट्स को सामान्य जीवन में वापस आने में 45 दिन से लेकर कुछ महीनों या एक साल तक का समय लग सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने समय तक अंतरिक्ष में रहे हैं और उनके शरीर पर इसका कितना असर पड़ा है। सुनीता की सेहत को लेकर डॉक्टर्स भी सतर्क हैं और उनके रिकवरी प्लान को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई है। आने वाले महीनों में मेडिकल सुपरविजन और फिजिकल थेरेपी के जरिए उन्हें सामान्य स्थिति में लाने का प्रयास किया जाएगा।

एआई का जवाब आपको हैरान कर देगा!

क्या सच में 'खाली दिमाग शैतान का घर होता है'?

एजेंसी ▶▶| लंदन

'खाली दिमाग शैतान का घर होता है' यह वाक्य बहुत ही पुराना है, लेकिन आज भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। जब हम इस कहावत को कहते हैं, तो इसका मतलब है कि जब हमारी मानसिकता या दिमाग किसी काम में व्यस्त नहीं होता, तो नकारात्मक विचार या बुरे कार्यों की संभावना बढ़ जाती है। यह कहावत इंसान की मानसिक स्थिति को दर्शाती है, जिसमें व्यस्त रहने और सकारात्मक विचारों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

मनुष्य की सोच और मानसिकताएक खाली दिमाग का मतलब है, एक ऐसा दिमाग जिसमें कोई उद्देश्य या दिशा न हो। जब हम किसी काम में लगे रहते हैं, जैसे पढ़ाई, काम या खेल, तो हमारा दिमाग सकारात्मक तरीके से कार्य करता है और यह नकारात्मक विचारों से बचता है। लेकिन, जब हम कुछ नहीं करते, तो दिमाग उन विचारों की ओर झुका जाता है, जो हमारी सोच को नकारात्मक बना सकते हैं। यह नकारात्मकता कभी-कभी हमें गलत रास्ते पर भी ले जा सकती है।

पॉजिटिविटी और मानसिक विकास

किसी भी व्यक्ति के मानसिक विकास में सकारात्मकता का बहुत बड़ा योगदान होता है। जब हमारा दिमाग किसी उद्देश्य से भरा होता है, तो हम नकारात्मक विचारों से बच सकते हैं और अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने खाली समय में अच्छे कार्यों, जैसे खेल, किताबें पढ़ना, या कोई नया कौशल सीखना, को प्राथमिकता दें. इससे हमारा दिमाग स्वस्थ और सक्रिय रहता है।

समय का महत्व : आजकल के तेज जीवन में, जहां हर व्यक्ति के पास बहुत कम समय होता है, खाली समय का सही उपयोग करना बेहद जरूरी है। अगर हम खाली समय को सही दिशा में नहीं लगाते, तो यह शैतान की तरह हमारी सोच और कार्यों को प्रभावित कर सकता है।

खाली दिमाग के नुकसान

अगर हम खाली बैठते हैं और बिना किसी उद्देश्य के समय बर्बाद करते हैं, तो यह हमारी मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। खाली समय में बुरे विचार आते हैं, जो हमारे निर्णयों को प्रभावित करते हैं और कभी-कभी हमें गलत काम करने की प्रेरणा भी देते हैं। यही कारण है कि यह कहावत बहुत ही सटीक है – 'खाली दिमाग शैतान का घर होता है।'

मृत बीवी सपने में आई तो बदली जिंदगी

36 साल से महिला बनकर रह रहा, बिंदी चूड़ी और सिंदूर के साथ सोलह श्रृंगार

एजेंसी ▶▶| जौनपुर

अंधविश्वास दूर करने के लिए वैज्ञानिक सोच के साथ जागरुकता की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में अंधविश्वास का जीता-जागता ऐसा उदाहरण है, जिसे देख और उसकी कहानी सुनकर हर कोई दंग रह जाता है। माता-पिता और भाई समेत परिवार के दर्जनभर लोगों की मौत से सहमा युवक अंधविश्वास के फेर में ऐसे फंसा कि 36 साल से सोलह श्रृंगार कर महिला की तरह जिंदगी जी रहा है।

अंधविश्वास की हैरान करने वाली कहानी

शख्स के स्त्री के भेष में 36 वर्षों से जीवन यापन करने के पीछे अंधविश्वास की हैरान करने वाली कहानी है। दरअसल, युवक ने एक बंगाली महिला के साथ शादी की थी। विवाह के कुछ दिन बाद ही उसके माता-पिता गुजर गए। युवक के 6 बच्चे हुए, लेकिन एक-एक कर चार बच्चों की मौत हो गई। कुछ महीने बात उसकी पत्नी का भी निधन हो गया। युवक को भूत-प्रेत का खतरा महसूस होता था।

सपने के बाद बन गया औरत

पत्नी की मौत के गम से अभी उबर भी नहीं पाया था। युवक के मुताबिक इसी बीच एक रात उसके सपने में बीवी ने आकर बोला कि तुम स्त्री का वेष धारण कर लो, नहीं तो तुम्हारी और दोनों बच्चों की भी मौत हो जाएगी। उसके मुताबिक आत्मा उसे परेशान करती थी, डर था कि अगर वह पुरुष के वेष में रहेगा तो उसकी जान को खतरा हो सकता है। इसलिए, उसने स्त्री के वेष में रहना शुरू कर दिया।

पुराने किले की खुदाई कर रहे थे एक्सपर्ट्स, मिले अनोखी मोहरे

रोम। आज दुनिया में भले ही कई तरह के बोर्ड गेम खेलने को मिल जाते हों, पर ये नए नहीं हैं। बोर्ड गेम का इतिहास है, वे बहुत पुराने नहीं हैं। ऐसा देखने को नहीं मिलता है कि कोई बोर्ड गेम आज के समय में खेला जाता हो और उसके इतिहास में भी खेले जाने के प्रमाण मिले हों। हाल ही में पुरातत्वविदों की एक टीम ने एक अनूठी खोज की। उन्हें रोमन साम्राज्य के एक किले में अनोखा खेल मिला, जिससे उस दौर के सैनिक खेला करते थे।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
ब्राह्मण वर्षों से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें।
6232014944

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

ब्राह्मण वधु चाहिए-ब्राह्मण 40/5'-3" ग्रोत्र- शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करें- 9826294381, 9329023361 (671)

आवश्यकता
आवश्यकता है- कैरियर जॉब कंसलटेन्सी में पर्सनल सेक्रेटरी, टैली कॉलर, प्लांट सुपरवाइजर रिसेप्शनिस्ट, बिलिंग एजीक्यूटिव, नर्सिंग, कस्टमर रिलेसन्स, सिक्युरिटी ऑफिसर, कंप्यूटर ऑपरेटर, बिलिंग इंचार्ज, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, सेल्स ट्रेनर, स्टोर इंचार्ज साइड सुपरवाइजर, पी आर टी इंग्लिश हिन्दी एन्ड के जी मदर टीचर संपर्क:- ऑफिस रायपुर घड़ी चौक 7879706968, 7389669576, 9131685985, 6265983246 (रायपुर/16/फरवरी 25)
आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898 (रायपुर/21/फरवरी 25)
आवश्यकता है- Hindustan पेन्सिल पेन के माध्यम से घरबैठे पैकिंग नौकरी करके 85000 - 95000 कमाने की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में उपलब्ध, आपको नौकरी चाहिए तो कॉल करें. WhatsApp 6397479854 (रायपुर/16/फरवरी 25)
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी मार्दनी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

अब आप चयनें अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

शब्द पहेली - 5780

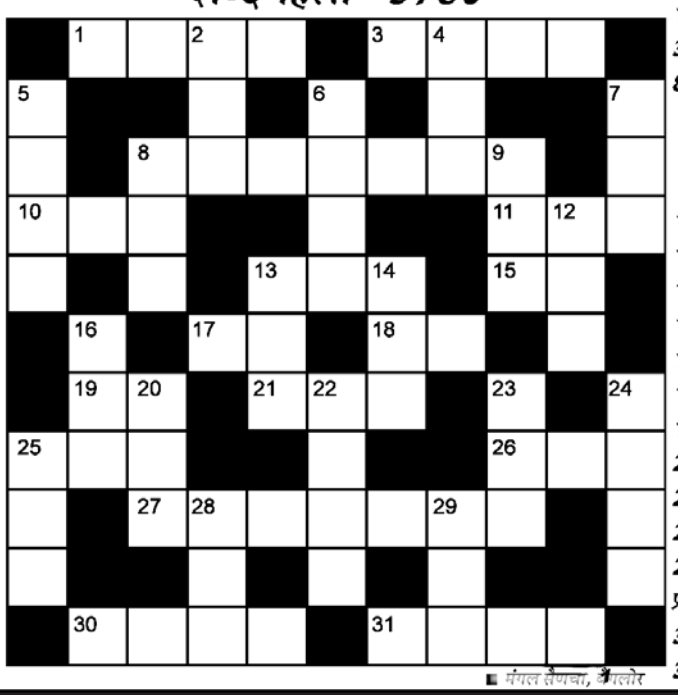

मंगल सैणचा, भीलवाड़ा

बाएँ से दाएँ
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 5779 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	वी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	ध	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 5790

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5789 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

{ कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम }

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

{ सजेशन
रजनी अरोड़ा }

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
ठिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

{ कहानी
शुभदा मिश्र }

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने निकली भारतीय टीम, रोहित-कोहली का अंतिम टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर शनिवार को पाकिस्तान की मेजबानी में हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए दुबई रवाना हो गए। पहली बार टीम के सभी खिलाड़ी एक साथ छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, उप-कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित टीम के अधिकतर सदस्य टीम बस में हवाई अड्डे पहुंचे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने कुछ प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर या हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय टीम पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद एक और वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदों के बीच आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए दोपहर की उड़ान में सवार हो गई। भारतीय टीम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए गई है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	टीमें	स्थान
20 फरवरी	भारत/बांग्लादेश	दुबई
23 फरवरी	भारत/ पाकिस्तान	दुबई
2 मार्च	भारत/ न्यूजीलैंड	दुबई

ग्रुपवार टीमें

ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश

ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

युवा खिलाड़ी बिखेरेंगे जलवा

भारतीय टीम में शामिल कुछ युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत करना चाहेंगे। उप कप्तान गिल अपनी शानदार फॉर्म जारी रखकर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के चयन समिति के फैसले को सही साबित करना चाहेंगे। चोट के कारण बुमराह की अनुपस्थिति अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों के लिए यह एक अवसर है, जबकि वरुण चक्रवर्ती साबित करना चाहेंगे कि वह टीम के मारक हथियार हैं।

फार्म में लौटे रोहित-कोहली

भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में इन दोनों ने हालांकि फॉर्म में वापसी करने के संकेत दिए। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाए जबकि कोहली ने अहमदाबाद में तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की करीबी नजर रहेगी।

एक साथ दुबई रवाना हुई टीम

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। सामने आए वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा समेत सभी खिलाड़ी नजर आए। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए नए नियमों का सख्ती से पालन हो रहा है। मुंबई एयरपोर्ट के वीडियो में सबसे आगे कोच गौतम गंभीर चेक इन के लिए जाते दिखे। उनके पीछे वॉशिंगटन सुंदर, उपकप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, एसिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव और कुछ और स्टाफ नजर आए। फिर रोहित शर्मा भी एक कार से निकलते दिखे और वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ दिखे।

टूर्नामेंट का रोमांच फीका बाहर हुए 10 दिग्गज

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हुए हैं। शुरुआती मुकाबला 19 फरवरी को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, रोहित शर्मा, जो रूट, बाबर आजम, केन विलियमसन, मोहम्मद शमी, कगिसो रबाडा जैसे धुरंधर भाग लेने जा रहे हैं। इन खिलाड़ियों पर सबकी निगाहें होंगी। हालांकि कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट का पार्ट नहीं होंगे। खास बात यह है कि इन खिलाड़ियों को प्रोविजनल स्क्वॉड में सम्मिलित किया गया था, लेकिन चोट या अन्य वजहों के चलते वो चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। ऐसे में इस टूर्नामेंट का रोमांच थोड़ा फीका हो चुका है। आइए ऐसे 10 खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं...

जसप्रीत बुमराह : भारत

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर गए। भारतीय टीम के लिए ये बहुत बड़ा झटका रहा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान बुमराह की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था, जिससे वो रिकवर नहीं कर पाए।

अल्लाह गजनफर: अफगानिस्तान

'मिस्ट्री स्पिनर' अल्लाह गजनफर रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। गजनफर को पिछले साल दिसंबर में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लग गई थी।

ऑस्ट्रेलिया के 5 खिलाड़ी बाहर

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी में अपने स्टार खिलाड़ियों के बगैर उतरेगी। पैट कमिंस, मिचेल मार्श और जोश हेजलवुड इंजरी के चलते भाग नहीं ले पाएंगे। वहीं मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भी अचानक ओडीआई क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

एनरिक नॉर्किया : द.अफ्रीका

तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया साउथ अफ्रीकी स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन पीठ की तकलीफ के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। नॉर्किया की जगह गेराल्ड कोएट्जी को स्क्वॉड में शामिल किया जाना था, लेकिन वो भी इंजर्ड हो गए। अंत में ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश की स्क्वॉड में एंट्री हुई।

जैकब बेथेल: इंग्लैंड

इंग्लैंड के हालिया भारत दौरे के दौरान ऑलराउंडर जैकब बेथेल को हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई थी। ऐसे में बेथेल का चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का सपना टूट गया।

बेन सियर्स : न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए।

15 मैच खेलेंगी 8 टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 15 मुकाबले होंगे। इसमें भाग ले रही 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप-ए में हैं। उनके साथ बाकी दो टीमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। जबकि ग्रुप-बी में साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड को रखा गया है। सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में 3-3 मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी के सभी 15 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसमें 3 वेन्यू पाकिस्तान में होंगे। जबकि एक वेन्यू दुबई रहेगा। टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी।

गुलवीर ने 3000 मी. इंडोर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ▶▶| बोस्टन

हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बोस्टन में बीयू डेविड हेमेरी वेलेंटाइन इंविटेशनल टूर्नामेंट में पुरुषों का 3000 मीटर इंडोर रेस का 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

सेना के 26 वर्ष के धावक ने सात मिनट 38.26 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने सुरेंदर सिंह का 2008 में बनाया सात मिनट 49.47 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। सुरेंदर अब कोच हैं। गुलवीर की नजरें अब विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों के 10000 मीटर के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसमें 27 मिनट प्रवेश मार्क है। उन्होंने एशियाई खेलों में 10000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

महिला प्रो लीग

भारत ने इंग्लैंड को हराकर किया अभियान का आगाज

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ शनिवार को कलिंगा स्टेडियम पर 3-2 से जीत के साथ किया।

भारत के दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर वैष्णवी फाल्के ने छठे और दीपिका ने 25वें मिनट में किए जबकि नवनीत कौर ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते विजयी गोल दागा। इंग्लैंड के लिए डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में फिर बराबरी का गोल दागा। वैष्णवी ने एफआईएच रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिए पहला गोल किया। मनीषा चौहान का पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट डिफेंडर की स्टिक से टकरा गया और गेंद फिर बाहर आ गई जिसे वैष्णवी ने गोल के भीतर डाला। इस बीच डार्सी ने भारतीय डिफेंस की चूक का फायदा उठाकर बराबरी का गोल कर दिया।

दीपिका ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके भारत को फिर बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने बेहतरीन खेल दिखाया। फियोना ने दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया और मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा था लेकिन नवनीत ने जवाबी हमले पर गोल करके भारत को जीत दिलाई।

राणा हाई परफॉर्मेंस और जीतू 10 मीटर एयर पिस्टल के कोच

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा को शनिवार को 25 मीटर पिस्टल का हाई परफार्मेंस कोच नियुक्त किया जबकि जीतू राय को 10 मीटर एयर पिस्टल का कोच बनाया गया है। देश में निशानेबाजी की सर्वोच्च खेल संस्था एनआरएआई ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अपनी शासी निकाय की बैठक के दौरान कई पूर्व निशानेबाजों को राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया।

हाल में द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाली दीपाली देशपांडे को मुख्य कोच (राइफल) के रूप में भी नियुक्त किया गया है। कुल मिलाकर कोचिंग टीम में 16 नए सदस्य नियुक्त किए गए हैं जबकि 19 सदस्यों को बरकरार रखा गया है। इनमें एक समन्वयक (अमर जंग सिंह) और बधिर निशानेबाजों के लिए दो कोच (प्रीति शर्मा और अनुजा जंग) शामिल हैं। जिन प्रमुख नामों को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है उनमें दिग्गज पिस्टल निशानेबाज जीतू (10 मीटर एयर पिस्टल), पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा घाटकर (10 मीटर एयर राइफल), पेम्बा तमांग (25 मीटर पिस्टल), अमरिंदर चीमा (स्कीट) और वर्षा तोमर (ट्रैप) शामिल हैं।

शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर पर लगा तीन महीने का प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| लंदन

शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर ने डोप टेस्ट के दो पॉजीटिव मामलों को लेकर विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी से समझौते के तहत तीन महीने का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। वाडा ने पिछले साल सिनेर पर प्रतिबंध नहीं लगाने के इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी के फैसले को चुनौती दी थी।

वाडा पिछले साल सिनेर पर कम से कम एक साल का प्रतिबंध लगाना चाहती थी। सिनेर के शरीर में पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरायड क्लोस्टेबोल के अंश पाए गए थे। सिनेर ने कहा था कि एक ट्रेनर से मालिश के दौरान यह अंश उनके शरीर में आ गए क्योंकि उसने अपनी ऊंगली कटने के बाद इस पदार्थ का इस्तेमाल किया था। जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाला इटली का यह खिलाड़ी अगला ग्रैंडस्लैम खेल सकेगा। फ्रेंच ओपन 25 मई से शुरू होगा। सिनेर ने एक बयान में कहा, 'यह मामला एक साल से लटक रहा था और प्रक्रिया इतनी लंबी है कि फैसला साल के आखिर में ही आता। मैने हमेशा स्वीकार किया है कि मेरी टीम के लिए मैं जिम्मेदार हूं और मुझे लगता है कि खेल की सुरक्षा के लिए वाडा के कड़े नियम जरूरी हैं। यही वजह है कि मैने मामला निपटाने के लिए तीन महीने के प्रतिबंध की वाडा की पेशकश स्वीकार कर ली।'

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

जबलपुर अंचल कार्यालय: राईट टाउन, जबलपुर– 482001, फोन: 0761- 2480065 ई–मेल: dzmjabalpur@mahabank.co.in

प्रधान कार्यालय - लोकमंगल 1501, शिवाजीनगर, पुणे - 5

आधिपत्य नोटिस (स्थावर सम्पत्ति) नियम 8 (1)

अधोहस्ताक्षरकर्ता बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्राधिकृत अधिकारी होते हुये वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) सपठित नियम 8 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों एवं जमानतदारों को बकाया देय राशि सहित 60 दिनों की समयावधि में भुगतान करने हेतु नोटिस दिया गया था।
ऋणग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा, ऋण ग्रहिताओं और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ उपरोक्त वर्णित संपत्तियों को अधिग्रहण कर लिया गया है। बैंक को बंधक की गई संपत्ति का विवरण, आधिपत्य आदि की जानकारी इस प्रकार है :–

क्र.	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1.	शाखा - जेएचआरसी उधारकर्ता - मेसर्स मातृछाया ज्वेलर्स प्रो. श्री अमित कुमार सोनी और श्री अमित कुमार सोनी, श्रीमती एनी सोनी	Rs. 63,93,604/- +Unapplied interest +penal interest thereon and other charges and expenses w.e.f 03.12.2024	1. नगर निगम मकान नंबर 595 नजूल ब्लॉक 48 प्लॉट नंबर 133/2 जवाहरगंज वार्ड नंबर 22 निवाडगंज, जवाहर गंज मेन रोड जबलपुर से अंदर गली, क्षेत्रफल 924 वर्ग फुट, अविभाजित हिस्सा क्षेत्रफल 660 वर्ग फुट सीमा इस प्रकार है- उत्तर:-सूर्यकांत छानिया की संपत्ति, दक्षिण:-बालकिशन सोनी की संपत्ति, पूर्व:-सूर्यकांत छानिया की संपत्ति, पश्चिम:-कॉमन पैसेज और सोनम अग्रवाल की संपत्ति, श्री अमित कुमार सोनी और श्रीमती एनी सोनी के स्वामित्व में CERSAI संपत्ति आईडी : 200087090407 2. स्टॉक का दृष्टिबंधक	03.12.2024 14/12/2025 सांकेतिक

ऋणग्रहिताओं/बंधककर्ताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा उपरोक्त संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त खातों की वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज के लिये बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रभार के अनुसार होगा। ऋण ग्रहिताओं का ध्यान सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 8(13) की ओर बंधक सम्पत्ति को वापस लेने हेतु आकर्षित किया जाता है।

स्थान - जबलपुर, दिनांक: 16/02/2025

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD

एरिया ऑफिस :– 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मराठाल, जबलपुर – 482001 (म.प्र.) फोन नं. 0761–2401338, Website: www.lichousing.com

मांग सूचना

(वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और सिक्योरिटी इन्ट्रेस्टे एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग नोटिस) (1) क्रमांक (2) गृह ऋण खाता क्रमांक (3) ऋणी का नाम व पता (4) सम्पत्ति का पता (5) स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक (6) बकाया राशि क्र .

क्र.	गृह ऋण खाता क्र	ऋणी का नाम व पता	सम्पत्ति का पता	स्वीकृत ऋण दिनांक / स्वीकृत राशि रु / मांग सूचना दिनांक	बकाया राशि ₹
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	120500016594	श्री। दिनेश कोल सूश्री संयोगिता कोल पता हाउस नंबर 241 जीसीएफ रोड चुई खदान हाई कोर्ट जबलपुर मप्र. 482001 श्री. धर्मेंद्र पाल सिंह कोल (गारंटर) पता मकान नंबर 241 जीसीएफ रोड चुई खदान हाई कोर्ट जबलपुर मप्र. 482001	मौजा पिपरिया आर आई सर्कल महाराजपुर वार्ड नंबर 79 खसरा नं. 61/119 एनबी 187 पटवारी हल्का नं. 14/42 प्लॉट नंबर 135 और 136 का हिस्सा टावर के पास पिपरिया मेन रोड जबलपुर मप्र. 482001 क्षेत्रफल 750 वर्ग फीट	09.12.2020 / 10,00,000/- / 07-02-2025	5,31,907.56/- + ब्याज व अन्य खर्चे
2.	120500005397	श्री रोनक जैन पता प्लॉट नंबर 103 वार्ड पाटन पंडित जवाहर लाल नेहरू बाजार पाटन जबलपुर मप्र. 483113	प्लॉट संख्या 237 स्टार सिटी फेज 3 खसरा नं. 413 एनबी 01 का हिस्सा पटवारी हल्का नं. 73 आर आई सर्कल करमेता जबलपुर मप्र. 482002 क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट	07.02.2015 / 6,00,000/- / 07-02-2025	3,99,869.59/- + ब्याज व अन्य खर्चे
2.	120500016898	सूश्री गीता रानी पटेल श्री लवकेश कुमार पटेल वार्ड नंबर 21 स्वामी नीलकंठ वार्ड यूनिट नंबर 03 पटवारी हल्का नं. 49 आराजी नंबर 178/2/2/1 आरएनएम मैहर मप्र. 485771	वार्ड नंबर 21 स्वामी नीलकंठ वार्ड यूनिट नंबर 03 पटवारी हल्का नं. 49 आराजी नंबर 178/2/2/1 आरएनएम मैहर मप्र 485771 क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट	04.01.2021 / 10,00,000/- / 07-02-2025	12,11,927.28/- + ब्याज व अन्य खर्चे

आपके अनुरोध पर हमने आपको गृह ऋण वित्त राशि के रूप में इकरार नामे की शर्तों के अनुसार स्वीकृत की थी। जिनको आपने स्वीकार किया था । (1) स्वीकृत ऋण राशि स्वीकृति दिनांक एवं आपके खाता संख्या का ब्यौरा ऊपर दिया गया है । (2) आपको विदित है कि आपको प्रदत्त ऋण राशि उपरोक्त (कालम नं. 5) आस्ति प्रतिभूति अनुबंध (रक्षित आस्ति) से रक्षित है। इसके लिए आपने आवश्यक दस्तावेज निष्पादन करके प्रतिभुति के रूप में सम्यबंधक किया है । (3) हम आपको यह भी सूचित करते है कि संपूर्ण ऋण अदा करने हेतु बार – बार मांग नोटिस भेजे गए और मौखिक रूप से अनुरोध किए जाने के पश्चात भी अभी तक आपने ऋण अदा नहीं किया है । इस तरह आपने ऋण की अदायगी में गंभीर अनियमितता बरती है । (4) आज दिनांक तक आपको उपरोक्त राशि देय है (कालम नं . 6) 1 (5) ऊपर लिखे कारणों से हम एतद द्वारा आपको सूचित करते हैं कि इस नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अंदर आप समस्त देय राशियों की भुगतान करें , न करने की स्थिति में हम सिक्योरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13 (4) की शक्तियों का उपयोग करेंगे । (6) उपरोक्त शक्तियों के अधीन कार्यवाही करने पर प्राप्त धनराशि प्रथमतः समस्त व्यय प्रभार व खर्चे हेतु उपयोग की जावेगी । जो हमारी राय में उचित प्रकार से किए गए है या संबंधित हो एवं इसके पश्चात हमारे शेष जैसा कि उपरोक्त अदित है में दिनांक **28.02.2025** से वसूली की तारीख की संविदा गत हित के निस्तारण में प्रयोग की जावेगी एवं शेष धनराशि (यदि कोई हो तो) आपको भुगतान दिया जायेगा । (7) एक्ट की धारा 13 (13) के अन्तर्गत आगाह करे कि इस नोटिस की प्राप्त के पश्चात आप इस नोटिस के दर्शायी गई किसी भी रक्षित आस्ति का अन्तरण , बिक्री पट्टे के द्वारा रक्षित ऋण दाता की लिखित पूर्ण सहमति के बिना नहीं कर सकेंगे । (8) एक्ट की धारा 13 (10) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित आस्तियों बिक्री से प्राप्त हमारे ऋण की भरपाई नहीं होती है तो हम आपके विरूद्ध ऋण वसूली अधिकरण (DRT) में जाकर शेष धन राशि की वसूली के लिए कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं । यह मांग नोटिस दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है ।

दिनांक : 16.02.2025
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत निर्माण शाखा-खुली निविदा

कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है जिनके पास वैध 'A' श्रेणी का विद्युत लाईसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जरी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के नाम पर हो) निम्न लिखित कार्यो हेतु ऑन लाईन प्रस्ताव ही स्वीकार किये जायेंगे। इस ठेका के विरुद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। निविदा सूचना क्रमांक-जबल/एलसी/टी/2025/01 दिनांक : 13.02.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित- "खजुराहो-पन्ना-सतना-रीवा-सीधी-सिंगरौली नई बीजी रेल लाइन परियोजना' के तहत पश्चिम-मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन से संबंधित खजुराहो- सतना-रीवा-सिंगरौली खंड (मुख्य रूप से खमहरीयाकला (सीधी की ओर) - गोंदवाली (सिंगरौली की ओर)) के बीच की 33 केवी /11 केवी/LT ओवरहेड पावर लाइनों का स्थानांतरण और मॉडिफिकेशन एवं बघवार से गोंदावाली स्टेशन तक के लिए नया विद्युत कनेक्शन लेने का कार्य"। निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत)-27,06,19,271.61/-, निविदा फार्म कीमत रुपए-0.00/-, कार्यालय का पता-कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण), भूतल सीपीडी-आर ई भवन, जबलपुर 482001 (म.प्र.) बिड सिक्युरीटी (रुपए)-15,03,100.0/-, समापन अवधि-18 माह, निविदा जमा करने की तिथि एवं समय-07.03.2025 (15.00 बजे तक), निविदा खुलने की तिथि एवं समय-07.03.2025 (15.30 बजे तक या उपरांत) निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेब साईड https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा कार्यकारी कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

कार्यकारी विद्युत इंजी.(निर्माण)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)

www.mptenders.gov.in के माध्यम से

- उद्योग से संबंधित ई-निविदा वर्ष 2025-26 ::-

केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर में संचालित उद्योगों की विभिन्न इकाईयों को संचालित किये जाने के लिए कच्ची सामग्री क्रय किए जाने हेतु उद्योग की वार्षिक निविदा ई-टेण्डर के माध्यम से दिनांक 11/03/2025 को अपरान्ह 05.30 बजे तक http// www.mptenders.gov.in बेवसाईट पर ऑन लाईन आमंत्रित की जाती है। निविदा विवरण निम्नानुसार है :-

विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
ऑनलाईन निविदा प्रकाशन	14/02/2025 दोपहर 1:30 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय नरसिंहपुर
प्रिविड मीटिंग	04/03/2025 को प्रातः 11.30 बजे तक	जेल कार्यालय बेवसाइट
निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत रू. 1000/- प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056 जेलें - 800 अन्य प्राप्तियों में जमा किया जावेगा ।	07/03/2025 को सांयकाल 05.30 बजे तक	वेबसाइट www. mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	11/03/2025 को सांयकाल 05.30 बजे तक	वेबसाइट www. mptenders.gov.in पर स्वीकार की जावेगी
दस्तावेज की हार्ड कॉपी / ईएमडी / एफ.डी. आर, बैंक ड्राफ्ट एवं नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	12/03/2025 को सांयकाल 05.30 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय
तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) नमूनों की गुणवता परीक्षण	13/03/2025 को प्रातः 11.30 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय
ऑनलाईन निविदा खोलने की अंतिम तिथि	17/03/2025 को दोपहर 11.30 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी www.mptenders.gov.in बेवसाईट पर भी देखी जा सकती है। निविदा फार्म दर्शित बेवसाईट पर क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन पेमेन्ट कर क्रय किया जा सकता है।

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)

G-23063/24

दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

30 दिनों के भीतर लौटाएं अवैध फीस, दो-दो लाख रुपये का अर्थदंड लगाया

3 और निजी स्कूलों पर जिला प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

20 हजार विद्यार्थियों को 9.81 करोड़ रुपये वापस करने के आदेश

हरिभूमि, जबलपुर।

जिला प्रशासन ने निजी स्कूलों द्वारा अवैध रूप से बढ़ाई गई फीस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में गठित जिला समिति ने तीन और निजी स्कूलों की अवैध फीस वृद्धि को अमान्य कर दिया है। इन स्कूलों को आदेश दिया गया है कि वे 30 दिनों के भीतर विद्यार्थियों या उनके अभिभावकों से वसूली गई अवैध फीस राशि वापस करें। इसके अलावा, इन स्कूलों के प्रबंधन पर दो-दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

जिन स्कूलों पर यह कार्रवाई की गई है, उनमें सिहोरा स्थित मारथोमा गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आनंद कॉलोनी बलदेवबाग स्थित

स्टेमफील्ड स्कूल और रायन इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं। इन स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र 2018-19 से लेकर 2024-25 तक कुल 20,569 विद्यार्थियों से अवैध रूप से 9.81 करोड़ रुपये फीस के रूप में वसूले थे। यह कार्यवाही अभिभावकों की शिकायतों के आधार पर और विस्तृत जांच के बाद की गई है।

30 दिन का समय

जिला प्रशासन ने आदेश दिया है कि इन स्कूलों के प्रबंधन को वसूली गई राशि 30 दिनों के भीतर वापस करनी होगी, और यह राशि उसी रीति से वापस की जाएगी, जैसी तरीके से फीस प्राप्त की गई थी। इसके साथ ही, इन स्कूलों के प्रबंधन पर मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस और संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 और 2020 के तहत कार्रवाई करते हुए दो-दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस राशि को 30 दिनों के भीतर आयुक्त लोक शिक्षण, मध्यप्रदेश के एचडीएफसी बैंक खाते में जमा करने और पावती जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कुल 9 करोड़ 81 लाख की वसूली

कलेक्टर कार्यालय के अनुसार, मारथोमा गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 9,138 विद्यार्थियों से 1.77 करोड़ रुपये, स्टेमफील्ड स्कूल ने 8,217 विद्यार्थियों से 6.29 करोड़ रुपये और रायन इंटरनेशनल स्कूल ने 3,214 विद्यार्थियों से 1.75 करोड़ रुपये अवैध रूप से वसूले थे। इस प्रकार, कुल 9.81 करोड़ रुपये की अवैध वसूली की गई थी, जिसे अब अभिभावकों को वापस किया जाएगा।

अधिवक्ता आशीष श्रोती कल लेंगे हाईकोर्ट जज की शपथ

जबलपुर। जबलपुर के अधिवक्ता आशीष श्रोती मप्र हाई कोर्ट के जज के रूप में सोमवार, 17 फरवरी को सुबह सवा 10 बजे शपथ ग्रहण करेंगे। कोर्ट रूम नंबर-वन में परंपरागत रूप से गरिमामय समारोह आयोजित होगा। मप्र हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत दोपहर 12 बजे से जस्टिस आशीष श्रोती पदभार संभाल लेंगे। वर्तमान में हाईकोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत 53 पदों के मुकाबले 33 जज पदस्थ हैं। अब एक इजाफे के साथ यह संख्या 34 हो जाएगी। इस तरह कुल रिक्त पद 20 से घटकर 19 हो जाएंगे।

छिंदवाड़ा और जबलपुर समेत अनेक जिलों में अलर्ट

एमपी में बर्ड-फ्लू की आशंका से मचा हड़कंप

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्य प्रदेश में बर्ड फ्लू की आंशका के चलते अनेक जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र में खतरनाक बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में दहशत का माहौल है। दरअसल महाराष्ट्र से लगे छिंदवाड़ा जिले में बर्ड फ्लू का पॉजिटिव केस मिलने से हड़कंप मच गया। छिंदवाड़ा के आसपास के जिलों और अन्य इलाकों में इसे लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। जबलपुर में तो कलेक्टर ने बाकायदा अलर्ट जारी करते हुए सैंपलिंग के आदेश दे दिए हैं।

एवियन इन्फ्लूएंजा अर्थात बर्ड फ्लू संक्रमण के कारण मध्य प्रदेश में पहले भी खासी परेशानियां हो चुकीं हैं। विशेषज्ञों की मानें तो यह संक्रमण पशु पक्षियों, खासतौर पर मुर्गे-मुर्गियों में फैलता है। महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिले छिंदवाड़ा में बर्ड फ्लू के पॉजिटिव केस मिले हैं। इसे देखते हुए जबलपुर में अलर्ट जारी किया गया है। जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने सख्त निर्देश जारी कर शहर और ग्रामीण इलाकों में सैंपलिंग के निर्देश दे दिए हैं। पॉजिटिव केस मिलने की स्थिति में प्रभावित क्षेत्र को सील करने को कहा गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने सैंपलिंग शुरु कर दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए लेब भेजा जा रहा है।

दरअसल महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू फैलने के बाद सीमावर्ती मध्य प्रदेश के जिले छिंदवाड़ा में बर्ड फ्लू के पॉजिटिव केस मिलने से प्रशासन और स्वास्थ्य व पशुपालन विभाग की चिंता बढ़ गई। इस स्थिति में जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने अलर्ट जारी किया और विभाग को सैंपलिंग करते रहने के निर्देश दे दिए, ताकि किसी भी खतरे की आशंका को रोका जा सके। पॉजिटिव केस मिलने पर पोल्ट्री फार्म सील किए जाने के निर्देश हैं।

टाइप-ए वायरस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक एवियन इन्फ्लूएंजा अर्थात बर्ड फ्लू संक्रमण पशु-पक्षियों में टाइप-ए वायरस के कारण होता है। यह संक्रमण खासतौर पर मुर्गे-मुर्गियों में तेजी से फैलता है।

बगैर अध्यक्ष के आयोग ने की जन सुनवाई

विद्युत दर बढ़ाने में सरकार की मौन स्वीकृति

जबलपुर। विद्युत अधिनियम 2003 के धारा 108 में राज्य सरकार को अधिकार प्रदत्त है कि जनहित में वह विद्युत नियामक आयोग को निर्देश दे सकता है, तथा राज्य सरकार के निर्णय को अंतिम माना जाएगा। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने बगैर अध्यक्ष तथा सीधी जन सुनवाई कर बिजली कंपनियों द्वारा प्रस्तुत 7.6 प्रतिशत बिजली दर वृद्धि बावत प्रक्रिया जारी रखने पर कोई आपत्ति दायर नहीं की न ही इस संबंध में आयोग को कोई पत्र जारी किया गया। परिणाम स्वरुप विद्युत नियामक आयोग ने 3 सदस्यों में से 2 की उपस्थिति होने से कोरम पूरा हुआ यह बताकर वर्चुवल जन सुनवाई की प्रक्रिया जारी रखी। इंदौर में 11 तारीख को तथा जबलपुर में 13 को तथा 14 को भोपाल में जन सुनवाई पूरी कर दी गई है। राज्य सरकार के इस चुप्पी से स्पष्ट हो गया है कि वह भी इस वर्ष बिजली के रेट बढ़ाने में सहमत है। यह सहमति पूर्णतः गलत है। अतः नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, महिला समिति, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन तथा किसान समिति ने मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को पत्र भेजकर अपना विरोध दर्शाया है।

पालकों को राहत दिलाने जिला प्रशासन की पहल

10 दिवसीय पुस्तक मेला 20 मार्च से

हरिभूमि जबलपुर।

जिला प्रशासन की पहल पर पालकों को सस्ती दर पर पुस्तकें और गणवेश उपलब्ध कराने के लिए 10 दिवसीय पुस्तक मेला 20 मार्च से 30 मार्च तक शहीद स्मारक गोलबाजार में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में जिले के 4 लाख 3 हजार 119 बच्चे एवं अभिभावक लाभान्वित होंगे। जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने यहां कलेक्टर सभागार में पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि इस मेले में सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की सभी प्रकार की पुस्तके एवं गणवेश सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध होगी। मेला प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा। इस मेले में अभिभावक अपने बच्चों को प्रतिस्पर्धात्मक दर पर शैक्षणिक सामग्री दिला पायेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जबलपुर जिले में सीबीएसई, आईसीएसई अशासकीय स्कूलों के 1 लाख 42 हजार 600 बच्चें, और एमपी बोर्ड अशासकीय स्कूलों के 95 हजार बच्चें, वहीं एमपी बोर्ड के शासकीय स्कूलों के 1 लाख 65 हजार 519 बच्चें, इस तरह से कुल 4 लाख 3 हजार 119 बच्चें अध्ययनरत हैं।

उन्होंने बताया कि इस पुस्तक मेले में 10 दिनों में 276.58 करोड़ रूपये का व्यापार होने का अनुमान हैं। मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक, कार्यक्रम, निःशुल्क कैरियर परामर्श, कन्या प्रोत्साहन योजना की जानकारी, पुलिस एवं सेना में जाने हेतु निःशुल्क परामर्श सहित शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होगी। मेले में दुकान का पंजीयन कराने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 28 फरवरी तक संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमति मिशा सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी उपस्थित थे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी

पीछे से बाईक ने टक्कर मारी, युवक की मौत

जबलपुर। कटंगी थाना अतंर्गत राजघाट पौड़ी में एक बाईक की टक्कर लगने से दूसरी बाईक में सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बजरिया मोहल्ला कटंगी निवासी 25 वर्षीय मनीष बर्मन गत दिवस अपने मामा ग्राम राजघाट पौड़ी निवासी 35 वर्षीय जितेंद्र बर्मन के साथ प्रेमनगर कटंगी निवासी राजेश बर्मन के यहां शादी कार्यक्रम में आया था। शादी के दूसरे दिन मनीष अपनी बाईक सीडी डीलक्स क्रमांक एमपी 20 एन क्यू 4322 से और उसके मामा जितेंद्र अपनी बाईक में राजेश बर्मन के साथ पनागर केवलारी आ रहे थे। दोपहर लगभग 1 बजे जैसे ही राजघाट पौड़ी के आगे पहुँचे तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड क्यू 0519 के चालक ने तेज गति से चलाते हुए मनीष बर्मन की मोटर सायकल में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे मनीष बर्मन वहीं गिर गया और उसके सिर हाथ पैर एवं शरीर में गंभीर चोटें आ जाने के कारण मनीष की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 106(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व पुलिस को निर्देश

हाई कोर्ट ने प्रतिबंधित कफ सीरप प्रकरण में तलब की कार्रवाई रिपोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने प्रतिबंधित कफ सीरप मामले में कार्रवाई रिपोर्ट तलब कर ली है। इस सिलसिले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने चार सप्ताह की मोहलत दी है। मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को नियत की गई है।

जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने अपना पक्ष स्वयं रखा। उन्होंने दलील दी कि केंद्र सरकार मानव स्वास्थ्य के लिए घातक कफ सीरप को प्रतिबंधित कर चुकी है। इसके बावजूद उत्पादन व खुले बाजार में बिक्री बदस्तूर जारी है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने जून, 2023 में नोटिफिकेशन जारी कर क्लोफेनिरामाइन व कोडिन से युक्त कफ सीरप पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बावजूद ऐसे कप सीरप का उत्पादन जारी है। जनहित याचिका में कहा गया है कि ऐसे कफ सीरप का उत्पादन नशे के लिए किया जाता है। प्रदेश के कई स्थानों में बड़ी संख्या में प्रतिबंधित सीरप पकड़े गए हैं। अधिसूचना के अंतर्गत इस तरह की गतिविधियों पर ड्रग कंट्रोलर, ड्रग इंस्पेक्टर तथा नारकोटिक्स कंट्रोल को मानिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संबंधित अधिकारियों के द्वारा दायित्व का सही तरीके से परिपालन नहीं किए जाने के कारण प्रतिबंधित सिरप के उत्पादन जारी है।

जनहित याचिका की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गनाइजेशन, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के डायरेक्टर जनरल व प्रदेश सरकार के खाद्य एवं औषधि विभाग व ड्रग कंट्रोलर व डायरेक्टर जनरल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अंतरिम राहत के लिए आवेदन पेश किया गया था। जिसमें कहा गया था कि प्रतिबंधित सिरप बनाने वाली कंपनी पर कार्यवाही होनी चाहिए। केन्द्र सरकार के द्वारा जारी अधिसूचना का पालन शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। आवेदन के साथ याचिकाकर्ता ने 30 से अधिक एफआईआर की जानकारी पेश करते हुए बताया गया था कि प्रतिबंधित सिरप मिलने पर प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

हाई कोर्ट की फुल बेंच का महत्वपूर्ण आदेश

वसीयत पर आधारित होने के आधार पर तहसीलदार निरस्त नहीं कर सकता नामांतरण

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी व जस्टिस विवेक जैन की फुल बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया कि तहसीलदार महज इस आधार पर नामांतरण का आवेदन को निरस्त नहीं कर सकता कि वह वसीयत पर आधारित है। तहसीलदार को निर्विवाद रूप से वसीयत के आधार पर नामांतरण का अधिकार है।

उक्त विवाद को लेकर दो न्यायाधीशों ने अलग-अलग मत व्यक्त किए थे, जिस पर इसके निराकरण के लिए फुल बेंच का गठन किया गया था। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने कानूनी सिद्धांत का प्रतिपादन कर दिया।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में अभिनिर्धारित किया कि यदि वसीयतकर्ता के किसी कानूनी उत्तराधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वसीयत निष्पादित करने की प्रामाणिकता से संबंधित कोई विवाद नहीं उठाया जाता है, तो ऐसे मामलों में तहसीलदार को नामांतरण करने का अधिकार है। तहसीलदार निजी पक्षों के बीच मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 109 और 110 के अंतर्गत नामांतरण के मामलों में न्यायिक या अर्ध-न्यायिक कार्य नहीं करता है, बल्कि केवल प्रशासनिक कार्य करता है। इसलिए, वह नामांतरण के आवेदनों पर निर्णय लेने के उद्देश्य से कोई साक्ष्य लेने के लिए अधिकृत नहीं है।

क्या था मामला

नर्मदापुरम निवासी आनंद चौधरी, कटनी के विजय यादव सहित पांच ने याचिकाएं दायर की थीं। इस मामले में पूर्व में एक न्यायाधीश ने कहा था कि वसीयत के आधार पर कृषि भूमि का नामांतरण नहीं किया जा सकता, जबकि दूसरे न्यायाधीश ने कहा था कि तहसीलदार को इसका अधिकार है। विरोधाभासी आदेशों के कारण यह मामला फुल बेंच में रेफर किया गया। सुनवाई के बाद बेंच ने कहा कि तहसीलदार वसीयत के आधार पर नामांतरण के लिए आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन नियमानुसार मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों के बारे में पूछताछ करना और उन्हें नोटिस देना उसके लिए अनिवार्य होगा।

फिर शुरु होगा ठंड का दौर, चार दिन तक रहेगा असर

जबलपुर। एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। जबलपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में दिन के तापमान में वृद्धि हुई है, अगले तीन दिन तक तो मौसम ऐसा रहेगा लेकिन 18 फरवरी से एक बार फिर ठंड का दौर शुरु होगा। अभी सुबह व रात में तेज ठंड पड़ रही है।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो उत्तर-भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहा जिसके चलते ठंड का असर देखने को मिला है लेकिन यह सिस्टम एक बार फिर लौट रहा है। जिसके चलते पिछले दिन तापमान में वृद्धि हुई और जबलपुर, मंडला, दमोह, में 30 डिग्री तापमान पहुंच गया।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 17 फरवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालय की तरफ एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से 18 फरवरी से प्रदेश में दिन-रात के तापमान में फिर से गिरावट होने का अनुमान है, जो अगले तीन से चार दिन तक रह सकता है. जबलपुर में भी मौसम बदल रहा है। फरवरी के दूसरे सप्ताह के बाद दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से अधिक रहता है. जबकि रात में तापमान न्यूनतम 11 डिग्री के आसपास रहता है। पिछले साल बारिश नहीं हुई थीए लेकिन इससे पहले फरवरी में बारिश होने का ट्रेंड रहा है।

हाईकोर्ट में उच्च शिक्षा विभाग ने दी जानकारी

अब जिला प्रशासन की कमेटी करेगी कुलगुरु पर लगे आरोपो की जांच

हरिभूमि, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) के कुलगुरू प्रो. राजेश वर्मा पर लगे आरोपों की जांच अब जबलपुर जिला प्रशासन की आंतरिक महिला हिंसा एवं यौन उत्पीड़न कमेटी द्वारा की जाएगी। यह फैसला तब लिया गया जब रादुविवि की अपनी आंतरिक जांच समिति के दो सदस्यों ने इस मामले की जांच करने से साफ इनकार कर दिया था। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उच्च शिक्षा विभाग से मामले की जांच के लिए एक नई कमेटी गठित करने का अनुरोध किया था, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने इसके बजाय जबलपुर जिला प्रशासन

द्वारा पहले से गठित कमेटी से ही जांच कराने का निर्णय लिया।

यह जानकारी उच्च शिक्षा विभाग ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में महिला अधिकारी द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई के दौरान दी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि इस मामले की जांच में कोई और देरी नहीं की जाए और जांच कमेटी को 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करनी होगी।

जांच कमेटी के सदस्य

जिला प्रशासन की महिला हिंसा एवं यौन उत्पीड़न कमेटी में सरोज तिवारी (अधिवक्ता) को अध्यक्ष, कांता देशमुख (परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास), रीना वासनिक और अंशुमन शुक्ला (दोनों सामाजिक कार्यकर्ता) तथा एम. एल. मेहरा (जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास) को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह कमेटी अब कुलगुरू प्रो. राजेश वर्मा पर लगे आरोपों की जांच करेगी और विश्वविद्यालय प्रशासन को आवश्यक निर्देश प्रदान करेगी।

क्या है मामला

यह मामला नवंबर 2024 में सामने आया था जब प्रो. राजेश वर्मा ने 21 नवंबर को एक बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान महिला अधिकारी ने आरोप लगाया कि कुलगुरू ने उनके प्रति अभद्र इशारे किए और अशोभनीय टिप्पणी की। इसके बाद महिला अधिकारी ने 22 नवंबर 2024 को राज्य महिला आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, आरडीयू कुलसचिव और राजभवन को शिकायत भेजकर जांच की मांग की।

हाईकोर्ट से लगाई मदद की गुहार

महिला अधिकारी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से 21 नवंबर के दिन के सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि आरोपों की सत्यता की पुष्टि की जा सके। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने महिला अधिकारी को सीसीटीवी फुटेज मुहैया नहीं कराया, जिसके बाद उन्होंने एमपी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करने का आदेश दिया और जांच शीघ्र करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट ने दिए यह निर्देश

महिला अधिकारी द्वारा दायर याचिका के बाद, एमपी हाईकोर्ट ने इस मामले को लेकर कड़ा रुख अपनाया और विश्वविद्यालय प्रशासन को जल्द से जल्द जांच शुरू करने के आदेश दिए। कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज को एक महत्वपूर्ण सबूत मानते हुए उसे सुरक्षित करने की जिम्मेदारी भी विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240